हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 27 सितम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :135 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

देवेंद्र फडणवीस के विकास कार्यों से खुश है महाराष?ट्र की जनता

एजेंसी

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसको लेकर सभी पार्टियों ने कमर कस ली हैं। चुनावों की तारीख तो अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के लिए एक खुशखबरी जरूर आ गयी है। दरअसल, महाराष्ट्र की जनता देवेंद्र फडणवीस पर एक बार फिर से भरोसा जताती नजर आ रही हैं। जनता ने फडणवीस के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों की जमकर तारीफ की है। उनका मानना है कि इन विकास कार्यों ने कृषि, उद्योग, शिक्षा, विदेशी निवेश और सिंचाई के क्षेत्रों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो व्यक्तिगत लाभ से अधिक राज्य के कल्याण के लिए फडणवीस के राज?य के प्रति समर्पण को दर्शाता है।महाराष?ट्र के लोगों का कहना है कि देवेंद फडणवीस के कार्यकाल में सामुदायिक विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। फडणवीस ने शैक्षिक छात्रवृत्ति प्रदान करके, रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देकर और सरकारी छात्रावासों तक पहुंच सुनिश्चित करके जीवन स्तर को ऊपर उठाना था।

हरियाणा के भाजपा कार्यकर्ताओं से पीएम मोदी ने की बात, बोले-

जो पोलिंग बूथ जीतता है वही चुनाव जीतता है

मोदी ने कहा कि आज कल तो आप देख रहे हैं, कांग्रेस के लाउडस्पीकर जो बड़े-बड़े दावे कर रहे थे, उनका करंट भी कमजोर हो गया है। कोई कह रहा है कि कांग्रेस हर दिन कमजोर होती जा रही है

एजेंसी

हरियाणा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नमो ऐप के जरिए हरियाणा के बीजेपी कार्यकर्ताओं से बातचीत की। हरियाणा में विधानसभा के चुनाव होने हैं और भाजपा सत्ता बचाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है। इस दौरान मोदी ने कहा कि हरियाणा के कार्यकर्ताओं की पुरानी पीढ़ी हो या नई पीढ़ी, उनकी मेहनत और परिश्रम ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। इतना ही नहीं, उनका हंसमुख स्वभाव, गंभीर से गंभीर मामले को भी बेहद समझदारी से, तर्क और विनोदी लहजे में हल्के-फुल्के अंदाज में पेश करने की क्षमता...यह हरियाणा से ही सीखा जा सकता है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि जो पोलिंग बूथ जीतता है वही चुनाव जीतता है। यह पूरा आधार उन लोगों का झूठ है जो हमारे खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता ने भाजपा को फिर से एक बार सेवा करने का मौका देना तय कर लिया है। उनको खुशी है कि

10 साल में बिना भ्रष्टाचार के सरकार चलाना, ये हरियाणा में पहली बार हुआ है। प्रदेश के युवाओं को बिना पर्ची, बिना खर्ची के रोजगार मिलना, ये हरियाणा में पहली बार हुआ है। इसलिए हरियाणा की जनता हमारे साथ है, उनका आशीर्वाद हमारे साथ है, विजय निश्चित है।मोदी ने कहा कि आज कल तो आप देख रहे हैं, कांग्रेस के लाउडस्पीकर जो बड़े-बड़े दावे कर रहे थे, उनका करंट भी कमजोर हो गया है। कोई कह रहा है कि कांग्रेस हर दिन कमजोर होती जा रही है और पिछले 10 साल में कांग्रेस विपक्ष के रूप में भी विफल रही है। कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि उनका ज्यादातर समय गुटबाजी में, लड़ाई करने में, एक दूसरे का हिसाब चुकता करने में खप रहा है। जो पार्टी 10 साल तक जनता के विषयों से अलिप्त रही हो, जो अपने परिवार के लिए जी हो या अपने गुट के लिए जी हो... ऐसे लोग हरियाणा की जनता का विश्वास कभी नहीं जीत सकते हैं।प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि जो हमारे खिलाफ चुनाव के मैदान में हैं, उनका पूरा का पूरा आधार झूठ का है। लगातार झूठ बोलो, बार-बार झूठ बोलो, जहां जाओ झूठ बोलो, बिना सिर पैर की बातें करो और ऐसे ही हवा खराब करते रहो।

हमने किसी को रिजेक्ट नहीं किया, सब को स्वीकार किया, नागपुर में बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

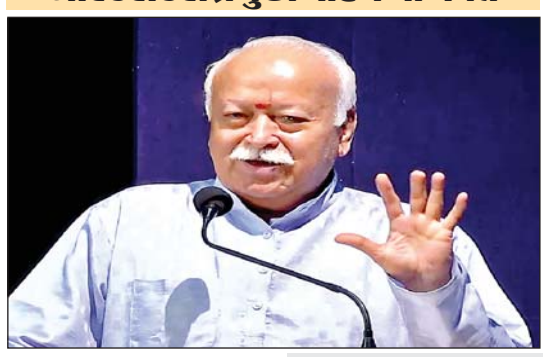

एजेंसी

नागपुर: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मानवता पर भौतिक विकास के प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। महाराष्ट्र के नागपुर में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि पिछले 2,000 वर्षों में शांति और खुशी लाने के सभी प्रयोग विफल हो गए हैं। भागवत ने कहा कि भौतिक प्रगति अपने चरम पर पहुंच गई है, यह मानवता को विनाश की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि इसका उत्तर भारतीय परंपराओं में निहित है। आगे बोलते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय दर्शन ने हमेशा विविध दृष्टिकोणों को अपनाया है, जिसमें आस्तिक और नास्तिक दोनों तरह के दृष्टिकोण शामिल हैं। भागवत ने भारतीय संस्कृति की समावेशिता का जिक्र करते हुए कहा कि हमने कभी किसी को अस्वीकार नहीं किया, हमारी परंपरा सभी को स्वीकार करती है।भागवत ने जीवन में संतुलन और समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि

आगे बोलते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय दर्शन ने हमेशा विविध दृष्टिकोणों को अपनाया है, जिसमें आस्तिक और नास्तिक दोनों तरह के दृष्टिकोण शामिल हैं।

जीवन स्वाभाविक रूप से संघर्षों से भरा है, लेकिन इन संघर्षों में एक छिपा हुआ सामंजस्य है जिसे महसूस किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले 2,000 वर्षों में विभिन्न वैश्विक प्रयासों के बावजूद, कोई भी प्रणाली स्थायी शांति और खुशी लाने में सक्षम नहीं है। महात्मा गांधी को उद्धृत करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वह बदलाव खुद में कीजिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।

बंगाल में बिहार के छात्रों की पिटाई वाले मामले पर आया TMC का बयान, हमारी सरकार सबका स्वागत करती है

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: बिहार के छात्रों पर कथित हमले को दिखाने वाले एक वायरल वीडियो ने राजनीतिक तनाव को बढ़ा दिया है। इसको लेकर बीजेपी की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई। अब पूरे मामले पर टीएमसी की तरफ से भी बयान सामने आया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बयान पर टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है। कोई स्थानीय समस्या हो सकती है क्योंकि दूसरे कई राज्यों से लोग यहां

आ रहे हैं और यहां से भी कई लोग दूसरे राज्यों में जा रहे हैं। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। हमारी सरकार सबका स्वागत करती है। हमारा राज्य लोकतांत्रिक है।केंद्रीय मंत्री ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना करते हुए सवाल किया कि क्या ये छात्र भारत का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने इस घटना पर नाराजगी व्यक्त की और इस बात पर जोर दिया कि छात्रों के खिलाफ हिंसा की ऐसी वारदातों को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। सिंह की टिप्पणी दूसरे राज्यों में पढ़ रहे बिहार के छात्रों की सुरक्षा और उनके साथ व्यवहार को लेकर बढ़ती चिंताओं को उजागर करती है।

हिमाचल सरकार के फैसले का राजीव शुक्ला ने किया बचाव, बोले- इसे उत्तर प्रदेश से जोड़ना ठीक नहीं

एजेंसी

हिमाचल: आईसीसी प्रभारी राजीव शुक्ला आज भोजनालयों पर मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के राज्य सरकार के आदेश का बचाव किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसे उत्तर प्रदेश से जोड़ना सही नहीं है। राजीव शुक्ला ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि केवल अधिकृत व्यक्ति ही दुकानें लगा सकें। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष ने फेरीवालों को विनियमित करने और

उन्हें लाइसेंस देने के लिए एक सर्वदलीय समिति बनाई है। इसे उत्तर प्रदेश से जोड़ना ठीक नहीं है। शुक्ला ने इससे पहले हिमाचल सरकार के फैसले पर कांग्रेस हाईकमान को रिपोर्ट पेश की थी। यह तब आया जब हिमाचल प्रदेश के मंत्री और कांग्रेस नेता।

बिलकिस बानो केस: गुजरात सरकार को झटका! सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की पुनर्विचार याचिका

एजेंसी

गुजरात: बिलकिस बानो केस में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें राज्य के खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर फैसले की समीक्षा करने का अनुरोध किया गया था। गौरतलब है कि 8 जनवरी को शीर्ष अदालत ने बिलकिस बानो के सामूहिक बलात्कार और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा पाए 11 दोषियों को छूट देने के गुजरात सरकार के अगस्त 2022 के फैसले को रद्द कर दिया था। न्यायालय ने मामले में खुली अदालत में सुनवाई के लिए दायर

आवेदन को भी खारिज कर दिया। नियमों के अनुसार, पुनर्विचार याचिका पर बिना वकील की मौजूदगी के कागजात प्रसारित करके न्यायाधीशों के कक्ष में निर्णय लिया जाता है। अपने आदेश में पीठ ने कहा, "पुनर्विचार याचिकाओं, चुनौती दिए गए आदेश और उसके साथ संलग्न कागजातों को ध्यान से देखने के बाद, हम इस बात से संतुष्ट हैं कि रिकॉर्ड में कोई त्रुटि या पुनर्विचार याचिकाओं में कोई ऐसा गुण नहीं है, जिसके लिए आदेश पर पुनर्विचार की आवश्यकता हो।

कर्नाटक में बिना परमिशन जांच नहीं कर सकेगी CBI, सिद्धारमैया सरकार का बड़ा फैसला

एजेंसी

कर्नाटक: केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को पक्षपातपूर्ण बताते हुए कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को राज्य में मामलों की जांच के लिए एजेंसी को दी गई सामान्य सहमति वापस लेने का फैसला किया। राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को फैसले की जानकारी दी। पाटिल ने कहा कि दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना

अधिनियम, 1946 के तहत कर्नाटक राज्य में आपराधिक मामलों की जांच के लिए सीबीआई को सामान्य सहमति देने वाली अधिसूचना वापस ले ली गई है।मंत्री ने कहा कि हमने फैसला किया है कि सीबीआई को अनुमति देने का व्यापक निर्णय अब वापस ले लिया गया है और मामले दर मामले हम इस पर विचार करेंगे। मंत्रिमंडल की समझदारी सतर्क रहने में थी। उन्होंने कहा कि हम सीबीआई के दुरुपयोग को लेकर अपनी चिंता व्यक्त कर रहे हैं। हमने जितने भी मामले सीबीआई को सौंपे हैं, उनमें उन्होंने आरोप पत्र दाखिल नहीं किया है, जिससे कई मामले लंबित हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में आया नया मोड़, सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस की गारंटियों का सच किया उजागर, जनता हैरान

एजेंसी

नई दिल्ली: डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हर प्रवृत्ति के लोग सामान प्रवृत्ति के लोगों को आकर्षित करते हैं। राहुल गांधी अमेरिका में भारत के विषय में विवादित बयान देने के बाद जब हरियाणा विधानसभा चुनाव के प्रचार में पहुंचे, तो सीधे उसे प्रत्याशी के लिए प्रचार करने पहुंचे जिस प्रत्याशी ने कहा था कि जब वे सरकार में आएंगे, तब वे सबसे पहले अपना और अपने परिवार का घर भरेंगे। जिस प्रकार पिछली सरकार में कांग्रेस ने अपने प्रथम परिवार के दामाद

का घर भरा था, उसी प्रकार कांग्रेस के प्रत्याशियों को अब लग रहा है कि इस बार सरकार बनने पर उन्हें अपना घर भरने का अवसर मिलेगा। कांग्रेस के प्रत्याशी शमशेर गोगी उसी भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं जो कांग्रेस ने पिछली सरकार में किया था। कांग्रेस को सपनों में सत्ता दिखने लगी है और इससे सत्ता के मिलने से पहले ही भ्रष्टाचार की बातें आंखों में चमक बनकर दिखने लगी है।रोजगार से संबंधित सवालों का जवाब देते हुए डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी ने दैनिक भास्कर में प्रकाशित एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि हरियाणा में बेरोजगारी सबसे अधिक तेजी से घटी है। डॉ त्रिवेदी इसके अतिरिक्त ड्रग्स की समस्याओं ने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार लंबे समय तक थी तभी वहां ड्रग्स का कारोबार शुरू हुआ था, और 23000 करोड़ की ड्रग्स भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पकड़ी गई है।

कोर वोटर को पसंद नहीं आया NCP का साथ, 1 विधायक वाला भी उट बनना...

अजित पवार के साथ पर पहली बार दिखा फडणवीस का बेबाक अंदाज

एजेंसी

महाराष्ट्र: पिछले ढाई साल में महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारे की दो अहम पार्टियां शिवसेना और एनसीपी में फूट पड़ी और दोनों ही दल विभाजित हो गए। पहले एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिवसेना विधायकों ने उद्धव ठाकरे की महायुति से अलग राह तलाशी। फिर अजित पवार के नेतृत्व में 40 एनसीपी विधायकों ने बीजेपी-शिंदे गुट के गठबंधन से हाथ मिला लिया। हालाँकि, इन दोनों समूहों ने अदालतों में भी अपना रुख को कायम रखा है कि वे ही मूल शिवसेना या एनसीपी कांग्रेस हैं। लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी के सबसे बड़े नेता और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के एक बयान से विवाद छिड़ गया है। इंडिया टुडे के मुंबई कॉन्क्लेव में देवेंद्र फड़णवीस ने हिस्सा लिया। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कई तरह के राजनीतिक सवालों के जवाब दिए। इंटरव्यू की शुरूआत में पूछा गया कि क्या लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी कमजोर हुई? ऐसा सवाल पूछे जाने पर उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में भाजपा की हार का कारण अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से खराब वोट ट्रांसफर होना है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कोर वोटर बेस को एनसीपी के साथ गठबंधन पसंद नहीं आया, हालांकि 80 प्रतिशत अब इस तरह के राजनीतिक समझौतों की जरूरत के बारे में आश्वस्त हैं। भाजपा, एनसीपी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से सिर्फ 17 सीटें जीतने में सफल रही। भाजपा ने 2019 के चुनावों में 23 से कम होकर नौ सीटों पर आ गई।

कांग्रेस, पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद का वेयर हाउस बना चुके थे: सीएम योगी

एजेंसी

जम्मू। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार से जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार में उतरे। योगी आदित्यनाथ ने रामगढ़ से उम्मीदवार देविंद्र कुमार मणियाल, विजयपुर से चंद्रप्रकाश गंगा, सांबा से सुरजीत सिंह, व आरएस पुरा से डॉ. नरिंदर सिंह रैना, सुचेतगढ़ से प्रो. घारूराम भगत, बिश्नाह से भाजपा उम्मीदवार राजीव भगत को जिताने की अपील की। आरएस पुरा की रैली में सीएम योगी के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना भी रहे। योगी आदित्यनाथ ने मौसम खराब होने के कारण मोबाइल से संदेश देकर छंब से भाजपा प्रत्याशी राजीव शर्मा के लिए कमल खिलाने की अपील की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भी विकास व सुरक्षा के लिए भाजपा आवश्यक है। भाजपा की वापसी पर पीओके भारत का हिस्सा बनने वाला है। सीएम योगी ने रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में कहा कि यहां भाजपा की वापसी पर पीओके भारत का हिस्सा बनने वाला है। पाकिस्तान को लोकतंत्र बचाने के लिए मशक्कत

करनी पड़ रही है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर अलग होने की आवाज उठा रहा है। लोग कह रहे कि जम्मू-कश्मीर के चुनाव के साथ यदि मुजफ्फराबाद में भी चुनाव होता तो अच्छा संदेश जाता। बलूचिस्तान कह रहा है कि पाकिस्तान से हमारी कमेस्ट्री मिलती ही नहीं है, क्योंकि यह मानवता का कैंसर है और दुनिया को इससे मुक्ति मिलनी चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ भारत में 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन, 60 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, जीवन ज्योति, जीवन बीमा सुरक्षा योजना का लाभ, 12 करोड़ लोगों को किसान सम्मान निधि, 10 करोड़ गरीबों के घर में शौचालय, 10 करोड़ गरीबों को उज्ज्वला योजना का सिलेंडर मिल गया। जम्मू-कश्मीर में पौने तीन लाख गरीबों को पीएम आवास योजना का लाभ मिला तो दूसरी तरफ भीखमंगे पाकिस्तान में रोटी के लाले पड़ रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने धारा-370 हटाकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया। आतंकवाद की नर्सरी समाप्त हो गई। कांग्रेस, पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद का वेयर हाउस बना चुके थे, लेकिन नरेंद्र मोदी के पीएम व अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद आतंकवाद अंतिम सांस गिन रहा और पत्थ?बाज गायब हो गए हैं। सीएम योगी ने महाराजा हरि सिंह, प्रेमनाथ डोरा, ब्रिगेडियर राजेंद्र सिंह का नाम लेते हुए कहा कि इन नायकों ने जम्मू-कश्मीर को ध?ती का स्वर्ग बनाया था, लेकिन कांग्रेस, पीडीपी व नेकां ने इसे मजहबी उन्माद में बदलने का पाप किया। यह चुनाव उन्हें सबक सिखाने का चुनाव है।

पूरे प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी जन आंदोलन चलाएगी : मोहन प्रकाश

स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी 30 सितंबर से चरणबद्ध जन आंदोलन करेगी: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 26 सितंबर 2024बिहार में लग रहे बिजली के प्रीपेड स्मार्ट मीटर को लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस पूरे राज्य में व्यापक जन आंदोलन चलाएगी। आज सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर बिहार कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश ने कहा कि बिहार में स्मार्ट बिजली मीटर योजना देश के पीएम नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश के सीएम नीतीश कुमार की द्वारा चलाई जा रही संयुक्त महालूट योजना है। उन्होंने कहा कि बिहार जैसे गरीब तथा पिछड़े राज्य में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाया जाना बिहार की जनता पर बहुत बड़ा अत्याचार है।जिसे कांग्रेस पार्टी कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बिहार सरकार के इस स्मार्ट बिजली मीटर योजना का विरोध करती है तथा तुरंत इसे बंद करने का अपील करती है।उन्होंने कहा कि अडानी के खजाने को भरने के लिए बिहार में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।इसकी क्रोनोलॉजी समझाते हुए उन्होंने कहा कि देश में बिजली कंपनियों को कोयला सप्लाई का काम अडानी की कंपनियां करती हैं।जिस कारण बिजली बेहद महंगी हो गई है।क्योंकि अडानी की कंपनियां कोयले का सप्लाई बेहद महंगे दरों पर करती है।जब अन्य राज्य सरकारें बिजली के दरों पर अप्रत्याशित वृद्धि के प्रस्ताव को स्वीकारने में आनाकानी करने लगे,तब अडानी के विशेषज्ञों ने स्मार्ट बिजली प्रीपेड मीटर का सुझाव दिया।जिसे आम जनता समझ भी नहीं पा रही है तथा तकनीकी बिलिंग के माध्यम से महालूट की योजना को अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो बिजली कंपनियां नुकसान के दावा करती है,वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार द्वारा मिलने वाली सब्सिडी की राशि पर खामोश हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि बतौर बिहार के ऊर्जा मंत्री 15 हजार करोड़ रुपए के सब्सिडी की धनराशि बिजली कंपनियों को नुकसान के मद्देनजर दी जाती है।आखिर वह धनराशि कहां पहुंचती है।अगर बिजली कंपनियां आज भी नुकसान में है तो निश्चित तौर पर सब्सिडी की धनराशि दलाल-ठेकेदार तथा रिश्वत में व्याप्त तंत्र के पास पहुंच जाती होगी।लेकिन इसका खामियाजा आम जनता को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगने के बाद बिहार में बिजली काफी महंगी हो गई है। जिससे आम जनता की जेब कट रही है। महंगाई की इस दौर में आम जनता के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटर एक बड़ी मुसीबत बन गई है।बिहार प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश ने स्मार्ट मीटर योजना को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ नारा देते हुए कहा कि जो सरकार लूटेरी है वह सरकार बदलनी है।उन्होंने कहा कि पहले भी बिजली मीटर घरों में लगाए जाते थे।आम जनता उस हिसाब से बिजली दर का भुगतान करती थी।आज भी आम जनता खपत की जाने वाली बिजली की पूर्ण भुगतान के लिए तैयार है।मगर राज्य सरकार के द्वारा अडानी के खजाने को भरने के लिए स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन चलाकर बिहार बिजली स्मार्ट मीटर योजना को बंद करवा कर ही दम लेगी। उन्होंने कहा कि हम बिहार के महागठबंधन में शामिल सभी दल के साथ-साथ आम जनता से भी आवाहन करते हैं कि स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ जन संघर्ष में कांग्रेस पार्टी के साथ सड़कों पर उतरें।उन्होंने कहा कि सभी सामाजिक संस्था ओं के साथ-साथ तमाम प्रबुद्ध नागरिकों से कांग्रेस पार्टी अपील करती है कि जनहित के इस मुद्दे पर जनसंघर्ष में साथ दें। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले ही चनपटिया,बेतिया तथा अन्य स्थानों से बिहार बिजली स्मार्ट मीटर के खिलाफ आंदोलन आरंभ कर चुकी है।कांग्रेस सेवा दल के द्वारा बिहार बिजली स्मार्ट मीटर के खिलाफ 125 किलोमीटर की यात्रा निकाली गई थी।

ब्राह्मण समाज के अधिकारों के लिए आगामी 29 सितंबर को सम्मेलन का होगा आयोजन

प्रेक्षा गृह में विप्रोन्नयन सम्मेलन को लेकर सभी तरह की तैयारियों को लेकर की गई समीक्षा: अध्यक्ष

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा, रोजनामा इंडो गल्फ ,वरिष्ठ संवाददाता, शकील हैदर,26 सितंबर। ब्राह्मण समाज जो भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, अपने हक और अधिकारों के लिए संघर्ष करने के लिए एकजुट हो रहा है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में आगामी 29 सितंबर को शहर के प्रेक्षा गृह में विप्रोन्नयन सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन का उद्देश्य समाज के सदस्यों को एकजुट करना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और आवश्यक कदम उठाने के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है। उक्त बातें शहर के निजी होटल में सम्मेलन के अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया विजय कुमार विद्यार्थी ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए कही।उन्होंने यह भी कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मण समाज की समस्याओं और उनके अधिकारों को स्पष्ट रूप से उजागर करना है। क्योंकि समाज के सदस्य लंबे समय से विभिन्न प्रकार की भेदभावपूर्ण नीतियों और समाज में उनके योगदान को नजरअंदाज करने का सामना कर रहे हैं। सम्मेलन में ऐसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी जो ब्राह्मण समाज को प्रभावित कर रहे हैं, जैसे शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक स्थिति को लेकर जागरूकता पैदा करना है। ब्राह्मणों की संख्या 3.66 होने के बावजूद हमारा समाज अंतिम पायदान पर चला गया है। हम लोग यही चाहते हैं कि समाज के सदस्य अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझें।इसके अलावा, समाज में एकता को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की जाएगी ताकि सभी एकजुट होकर अपने हक के लिए आवाज उठा सकें। इस एकता से समाज की शक्ति और प्रभाव में वृद्धि होगी, जो उनके अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है।इस सम्मेलन में सारण स्थानीय निकाय के पूर्व प्रत्याशी सह सामाजिक कार्यकर्ता सुधांशु रंजन पाण्डेय सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, समाज के नेताओं और प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। ताकि वे लोग अपने अनुभवों और विचारों के माध्यम से ब्राह्मण समाज को प्रेरित करेंगे। इसके साथ ही सम्मेलन के बाद निकट भविष्य में विभिन्न स्तर पर कार्यशाला और सेमिनार का भी आयोजन किया जाना है। ब्राह्मण समाज का राजनीतिक महत्व भी इस सम्मेलन के मुख्य बिंदुओं में से एक है। अगर ब्राह्मण समाज अपनी राजनीतिक एकता को मजबूत कर लेता है, तो निश्चित रूप से अपने अधिकारों की रक्षा और समाज में अपनी भूमिका को पुनर्स्थापित कर सकते हैं। इस संबंध में सम्मेलन के दौरान राजनीतिक रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी और भविष्य की योजनाएं बनाई जाएंगी।

इस अवसर पर सम्मेलन के अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया विजय कुमार विद्यार्थी, सुभाष पाण्डेय, सुनील शास्त्री, मनोज बाबा, चुनमुन बाबा, सुमंत शास्त्री, विवेक विभूषित, शंभूनाथ द्विवेदी, जनक तिवारी, आदर्श तिवारी, भुवर बाबा, अभिषेक तिवारी, दिनेश्वर बाबा सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे

हुसैनगंज पशु अस्पताल के डाटा ऑपरेटर का बाईक चोरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

डाटा ऑपरेटर आंदर थाना के सिंगही निवासी अर्जुन बैठा ने स्थानीय थाना में आवेदन देते हुए कहा है कि गुरुवार को सुबह साढ़े नौ बजे अपनी पैशन प्रो बाइक जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर बीआर 29 डब्लू 6497 को अस्पताल गेट पर खड़ी कर दफ्तर में कार्य करने लगा.

हुसैनगंज, सिवान प्रखण्ड मुख्यालय के पशु अस्पताल में कार्यरत डाटा इंट्री ऑपरेटर की बाइक अस्पताल गेट के सामने से गुरुवार को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई. डाटा ऑपरेटर आंदर थाना के सिंगही निवासी अर्जुन बैठा ने स्थानीय थाना में आवेदन देते हुए कहा है कि गुरुवार को सुबह साढ़े नौ बजे अपनी पैशन प्रो बाइक जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर बीआर 29 डब्लू 6497 को अस्पताल गेट पर खड़ी कर दफ्तर में कार्य करने लगा. उसी दौरान दोपहर 12 बजे दो अज्ञात युवक मवेशी की दवा पूछने आए थे. वे बिना दवा लिए वापस चले गए. कुछ देर के बाद जब वह बाहर निकला तो देखा कि मेरी बाइक नहीं हैं. वहीं दोनों लड़के भी कहीं आस पास दिखाई नहीं दे रहे थे. काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का कुछ पता नहीं चला. आस पास के के लोगों ने बताया कि प्रशासन से बेखौफ हुसैनगंज में बाजार से लेकर चट्टी एवं अगल बगल में स्मैकर एवं गजेडियों का जमावड़ा लगा रहता है. वही लोग बाइक, मोबाइल, साईकिल, दुकानों में चोरी होना के अक्सर इस तरह के चोरी की घटनाओं को अंजाम देते रहते हैं.हुसैनगंज बाजार में नदी के किनारे अधिकतर नशेड़ियों की भीड़ लगी रहती है. नदी के आस पास दर्जनों नशेड़ी भिन्न भिन्न प्रकार की नशा का सेवन खुलेआम करते हैं उन्हें रोकने व टोकने वाले कोई नहीं हैं. इस बिंदुओं पर स्थानीय प्रशासन को पहल करनी चाहिए.

बिहार राज्य (अंतरजिला) विद्यालय बॉलीबॉल अंडर 19 खेल प्रतियोगिता(बालक) का शुभारंभ जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

बिहार राज्य (अंतरजिला) विद्यालय बॉलीबॉल अंडर 19 खेल प्रतियोगिता(बालक) का शुभारंभ जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया । महंथ युगल नारायण उच्च विद्यालय, शभुआड़ के प्रांगण में आयोजित बिहार राज्य (अंतरजिला) विद्यालय बॉलीबॉल अंडर 19 खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

उक्त अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि खेल से जीवन में अनुशासन आता है और इसलिए खेल भावना को एक बेहतरीन मानव मूल्य के रूप में जाना जाता है। उन्होंने हल्की बूंदाबांदी के बीच खिलाड़ियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि खेल में किसी की जीत होती है तो किसी की हार होती है। परंतु, खिलाड़ियों को जीवन के हर मोड़ उत्साह बनाए रखना चाहिए। जिससे उनके सफल होने का अवसर बढ़ जाता है। उन्होंने खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, बिहार पटना का आभार व्यक्त किया जिससे इस राज्य स्तरीय बॉलीबॉल अंडर 19 प्रतियोगिता का आयोजन करने का अवसर मधुबनी जिले को मिल सका। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और तकनीकी टीम सहित आयोजन से जुड़े सभी लोगों को इस खेल के सफल आयोजन की शुभकनाएँ भी दी।

मौके पर अपने स्वागत संबोधन में जिला कला एवं संस्कृति सह खेल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने कहा कि इस 30 सितंबर तक चलने वाले इस आयोजन में समूचे राज्य भर से जिले की टॉपर टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनके खेल कौशल का प्रदर्शन जिले के सभी युवा देख सकते हैं। इससे युवाओं में बॉलीबॉल के प्रति रुझान बढ़ेगा। इस अवसर पर उप निर्देशक सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी परिमल कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी जावेद आलम ,खेल कार्यालय के कर्मचारी अभिषेक , राकेश रौशन, हरेराम , खेल शिक्षक सुनील ठाकुर, सर्वेश सहित अन्य अधिकारी और कर्मी उपस्तित थे। मंच का संचालन डॉ अभिषेक कुमार ने किया।

स्वच्छता ही सेवा -2024 के अंतर्गत स्वच्छता मार्च एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

26-09-24 को स्वच्छता ही सेवा - 2024 के अंतर्गत स्वच्छता मार्च एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।स्वच्छता मार्च में राजेंद्र स्टेडियम से सारण समाहरणालय तक पैदल मार्च करते हुए लोगों से स्वच्छता के प्रति सजग रहने के लिए अपील किया गया ।कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्वच्छ भारत मिशन के लोगो गांधी जी के चस्मा का स्वच्छता कर्मियों द्वारा मानव श्रृंखला के माध्यम से निर्माण किया गया।

उप विकास आयुक्त, सदर एसडीओ , नगर आयुक्त एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ राजेंद्र स्टेडियम से मेन रोड तक श्रमदान किया गया । उसके बाद सभी समूह के साथ स्वच्छता पैदल मार्च समाहरणालय तक किया गया । समाहरणालय में स्वच्छता शपथ , हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

इस मौके पर उपविकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, डीआरडीए निदेशक, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की जिला टीम, डीआरडीए के सभी कर्मी , विभिन विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, स्वच्छता कर्मी आदि मौजूद रहे।

विज्ञानंद केंद्रीय विद्यालय को मिला मेडल 'बिहार राज्य में दूसरा स्थान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

खेल विभाग बिहार सरकार के द्वारा बिहार राज्य एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन पाटलिपुत्र खेल परिसर कंकड़बाग पटना में दिनांक 22 सितंबर से 25 सितंबर तक किया गया था कइस प्रतियोगिता में बिहार राज्य के 38 जिलों के 450 छात्रों ने भाग लिया क इस प्रतियोगिता में विज्ञानंद केंद्रीय विद्यालय के नवी वर्ग के छात्र आयुष कुमार को ट्रिपल जंप में सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ क आयुष कुमार ने अंडर 17 बालक वर्ग ट्रिपल जंप में 13.40 मी जंप करके सिल्वर मेडल प्राप्त किया क बिहार राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त कर सिवान जिले का और विज्ञानानंद केंद्रीय विद्यालय का भी नाम रोशन किया कबिहार राज्य में दूसरे स्थान पर आयुष को मेडल प्राप्त होने पर विद्यालय में खुशी की लहर है क विद्यालय के निदेशक श्री विलास गिरी ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए. विशेष पुरस्कार देने की घोषणा की क विद्यालय के प्रधानाचार्य जयप्रदा कुमारी ने मेडल पहनाकर उसके उज्जवल भविष्य की कामना की क विद्यालय आचार्य उप प्राचार्य कमलेश्वर प्रसाद गुप्ता ने कहा इसका श्रेय आयुष कुमार के कड़ी मेहनत और लगन का नतीजा है क तथा खेल शिक्षक श्री अरिंदम चटर्जी के लगातार मेहनत और प्रयास के कारण विद्यालय के बच्चे राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने में कामयाब हो रहे हैं कविद्यालय के निदेशक श्री विलास गिरी ने खेल शिक्षक को भी धन्यवाद ज्ञापन किया कइस मौके पर शिक्षक आशुतोष मिश्रा. सब्यसाची भूमिया .बेबी पिंकी .पूजा कुमारी प्रमिला मिश्रा .इत्यादि मौजूद थे ।

ताजपुर नगर परिषद क्षेत्र सब्जी मंडी में सब्जी का रेट कुछ इस प्रकार रहा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर : जिले के ताजपुर नगर परिषद क्षेत्र मोतीपुर सब्जी मंडी में सब्जियों के दामों में उतार चढ़ाव के साथ गुरुवार को मोतीपुर सब्जी मंडी (ताजपुर) पर नजर डालते हुए सब्जी मंडी से मिली जानकारी के मुताबिक सब्जी उतार चढ़ाव के साथ कुछ इस तरह रहा : -- परवल - 25/20 , बैंगन गुलाबी - 22 , बैंगन हरा - 25 , बैंगन भाटा - 32/30 , भिन्डी - 5/4 , करैला - 22/25 , खीरा - 30/40 , कद्दू गोल हरा - 25 , कद्दू गोल उजाला - 20 , कद्दू लम्बा - 20 , सांग - 10 , कोभी - 60 , चठैला लोकल - 60 , चठैला बंगाल - 40 , धनिया - 150 , नींबू - 80किलो , बरबटी - 22/25 , केला मुठिया - 22 , केला मिर्चमान - 25 , केला मालभोग - 32 , केला भोस - 40 , केला अल्पान - 25 , मूली - 22 , पालक - 15 , कदीमा - 20 , हरा मिर्च - 60/70 , चुकुन्दर - 30 , टमाटर - 55/60 , औरा - 30 , ओल - 50/55 , अरूई - 25 , आलू - 24/23 , प्याज - 55 रुपये तक मंडी बंद होने तक सब्जियों के दामों में उतार चढ़ाव के साथ बंद हुए ।

ताजपुर बाजार में करोड़ों रुपए के नाले बने फिर भी सड़क जलमग्न, जांच कर हो कारवाई- सुरेंद्र

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- कहीं नाले को नाले से जोड़ा नहीं गया तो कहीं नाले का उंचा-नीचा होना बना जलजमाव का कारण- मो० एजाज
- 30 सितंबर को होगा नगर परिषद कार्यालय का घेराव- आसिफ होदा

ताजपुर/समस्तीपुर : 26 सितंबर 2024 ताजपुर बाजार को जल जमाव मुक्त करने के उद्देश्य से करोड़ों रुपए नाला निर्माण के नाम पर बहा दिया गया लेकिन जल निकासी संभव नहीं हो सका। कारण है कि सड़क से उपर नाला है, कहीं नाला को नाला से जोड़ा नहीं गया तो कहीं नाला काफी उंचा- नीचा बनाया गया है। यह दिगर बात है कि नाला निर्माण के बाद गुणवत्ता के आभाव में टूटना भी शुरू हो चुका है। सड़क का भी वही हाल है, आगे-आगे सड़क बनाया जा रहा है और नकली बालू, गिट्टी, सिमेंट की मिलावट के कारण पीछे-पीछे सड़क टूटती जा रही है। कहीं पर प्राक्कलन का बोर्ड दिखाई नहीं देगा। उक्त प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा है क्या फायदा जब अस्पताल रोड, कर्बला रोड, फलमंडी रोड, पूर्व में थाना रोड आदि जगहों पर करोड़ों रूपए खर्च कर नाले बनवाये गये लेकिन जल निकासी के बजाय सड़क पर जल जमाव है। माले नेता ने कार्यपालक पदाधिकारी के नाला निर्माण, लेवल का आभाव, स्लैब निर्माण, प्राक्कलन का बोर्ड नहीं लगाने आदि मामले की जांच कर दोषियों पर कारवाई करें अन्यथा भाकपा माले एवं खेग्रामस मिलकर 30 सितंबर को नगर परिषद कार्यालय का घेराव करने की घोषणा की है। वहीं भाकपा माले प्रखंड कमिटी सदस्य मो० एजाज, आसिफ होदा आदि ने लोगों की शिकायत पर जल जमाव क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय लोगों से बातचीत कर उन्हें 30 सितंबर को इस मामले को कार्यपालक पदाधिकारी के समक्ष उठाने का आश्वासन दिया एवं उक्त कार्यक्रम में भाग लेकर सफल बनाने की अपील बिहार वासियों से की।

वार्ड-27 के लोगों को जलापूर्ति के जगह मिलता है सिर्फ आश्वासन, 30 सितंबर को नप कार्यालय पर होगा प्रदर्शन-सुरेंद्र

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- नगर परिषद जिम्मेदार ठहराते पीएचईडी और पीएचईडी जिम्मेदार ठहराता बीडीओ को, फेंक-फेकौअल में पीस रही जनता -माले
- कई वार्डों में नल-जल की पूरी राशि की निकासी लेकिन काम अधूरा- मो० एजाज

ताजपुर/समस्तीपुर.: 26 सितंबर 2024 नगर परिषद के वार्ड-27 के नागरिकों को पेय जलापूर्ति के नाम पर जल नहीं सिर्फ आश्वासन ही मिलता आया है। कारण है नल-जल कार्य में सभी सामग्री का गुणवत्ताहीन होना। वित्तीय वर्ष 2018-19 में 16 लाख 75 हजार रुपए में जलमिनार का निर्माण कराया गया। तत्कालीन वार्ड सदस्य मो० नसीम एवं सचिव संजीव कुमार के देखरेख में मुखिया द्वारा बनवाया गया था जलमिनार। संपूर्ण राशि का उठाव कर लिया गया और नल-जल चालू नहीं किया गया। जब लोगों ने शिकायत किया तो आनन-फानन में किसी तरह जलापूर्ति किया गया। तब से लेकर हमेशा यह खराब होते रहा है। कभी मोटर का खराब होना, कभी पाईप का फट जाना तो कभी बिजली का कट जाना। पहले सभी परिवारों से 30-30 रुपये वसूली कर गड़बड़ी दूर कर काम चलाया जाता था। बीच-बीच में चंदा वसूली कर भी मरम्मत कराया जाता था लेकिन अब बिजली का बकाया अधिक होने से बिजली काट दिया गया है। जलापूर्ति महीने भर से बंद है। ग्राम वासियों के शिकायत पर मामले की जांच को पहुंचे भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि जब कार्यपालक पदाधिकारी से इसकी शिकायत की गई तो वे पीएचईडी के जेई के यहां जाने को बोल दिये, जब जेई से शिकायत की गई तो वे बीडीओ के यहां भेज दिए। तीनों अधिकारी पहले-दूसरे एवं तीसरे पर फेंक-फेकौअल करते रहे लेकिन जलापूर्ति शुरू नहीं हुआ। ऐसे मामले नगर परिषद के अन्य कई वार्ड में है और इसके खिलाफ 30 सितंबर को नगर परिषद कार्यालय पर भाकपा माले एवं खेग्रामस द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। इसके लिए लिखित स्मार-पत्र अनुमंडलाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी को सौंप दिया गया। माले नेता ने ताजपुर वासियों से उक्त कार्यक्रम में भाग लेकर सफल बनाने की अपील की है। मौके पर भाकपा माले के मो० एजाज, मो० कयूम आदि मौजूद थे।

मधुबनी में जनसुराज सम्मान समारोह सह सदस्यता ग्रहण कार्यक्रमें

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी में जनसुराज सम्मान समारोह सह सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम।
मधुबनी जिला जन सुराज कार्यालय सभागार-रहिका।
मुख्य अतिथिः-1-जनसुराज के वरीष्ठ नेता सह रिटायर आईपीएस अधिकारी आरके मिश्रा।
2-भारत सरकार के पूर्व मंत्री देवेन्द्र प्रसाद यादव
3-जनसुराज के वरीष्ठ नेता लक्षणदेव सिंह।
नेतृत्वः-
सौरभ कुमार राय
संचालनः-
शैलेन्द्र कुमार नागमणि
अध्यक्षताः-
जिलाध्यक्ष केशव भंडारी
विषयः-अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के लोगों ने पाग चादर और माला पहना कर किया। अनेक राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों समेत एक हजार लोगों ने जनसुराज की सदस्यता ली।
बिहार में बेरोजगारी, पलायन, अशिक्षा, बाढ़, सुखार, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार आदि की समस्या का जिक्र करते हुए जनता का सुंदर राज बनाने के लिए जनसुराज अभियान को सफल बनाने की अपील वक्ताओं ने की।जन सुराज संगठन के लोगों की महत्वपूर्ण भागीदारीः- पूर्व विधायक रामकुमार यादव, मधवापुर के पूर्व प्रमुख रत्नेश्वर ठाकुर, मोङ्ग कबीरुद्दीन, वीरेंद्र यादव, लक्ष्मी देवी, मुकेश राय, वीरेंद्र राय मुखिया वशिष्ठ नारायण झा, मोहन कुमार झा,मोहम्मद कमाल, जमीरुल हक, संख्या में जान सुराज के सदस्य एवं आमजन उपस्थित थे

मधुबनी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी ने मतदान केंद्रों के युक्तिकरण को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

निर्वाचक सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के क्रम में पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियों के अंतर्गत मतदान केंद्रों के युक्तिकरण को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिले के सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं माननीय के साथ बैठक किया. बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से प्राप्त आपत्तियों के आलोक में विस्तृत चर्चा किया। इस संबंध में कई प्रतिनिधियों द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए।बैठक में जर्जर मतदान केंद्रों को अनिवार्य रूप से निकटतम सही भवन में स्थानांतरित करने, 2 किलोमीटर से अधिक की दूरी के मतदाताओं को निकटतम मतदान केंद्र से संबद्ध करने, चलंत मतदान केंद्रों को निकटतम उपलब्ध नवनिर्मित मतदान केंद्रों में स्थापित करने आदि पर विस्तार से चर्चा की गई.उक्त बैठक में डीडीसी दीपेश कुमार,डीपीआरओ परिमल कुमार,उप निर्वाचन पदाधिकारी परिमल कुमार ,अनुमंडल पदाधिकारी बेनीपट्टी मनीषा,सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सहित सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत गठित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक हुई आयोजित।
अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत पीड़ित लाभुकों को ससमय राहत उपलब्ध करना सुनिश्चित करे।।-जिलाधिकारी
जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में अनुसूचित जाति/जनजाति के अत्याचार के मामले में राहत राशि एवं अन्य देय सुविधा उपलब्ध कराने की विस्तृत समीक्षा की गई।जिलाधिकारी ने लंबित मामलों को ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा प्राप्त सुझाव के आलोक में जिलाधिकारी द्वारा जिला कल्याण पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी पीड़ितों को सरकारी दिशानिर्देशों में वर्णित प्रावधानों के तहत देय राहत राशि का हरहाल में ससमय भुगतान कर दिया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत पीड़ित लाभुकों को ससमय राहत उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करे।।उन्होंने कहा कि भूमि की उपलब्धता न रहने के कारण जिले के महादलित टोलों में किए जाने वाले निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में उन्होंने उपस्थित सदस्यों से कहा कि इस प्रकार की भूमि की जानकारी स्थानीय अंचल कार्यालय को उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान करें। ताकि, उन्हें चिन्हित कर निर्माण कार्य शुरू कराया जा सके।

अज्ञात युवती का चांवर से लाश बरामद पुलिस जांच में जुटी।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज दुर्रौंधा 27 सितम्बर बृहस्पतिवार। दुर्रौंधा थाना क्षेत्र अंतर्गत मिल्की मधवापुर मे कोल्हुवां हरसड़ मार्ग के बीच मिल्की मे एक 24 वर्षीय अज्ञात युवती की सड़ी हुई लाश बरामद दुर्रौंधा पुलिस ने किया। वही युवती की मृत्यु कैसे और क्यों हुई है। ये क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। युवती की हत्या कही और करके चंवर मे लाश को फेंका गया है देखने से प्रतीत होता है। लाश काफी सड़ चुका था जिसे काफी दुर्गंध आ रही थी। वही दुर्रौंधा थाना प्रभारी श्री छोटन कुमार ने बताया की शव को पोस्टमार्टम हेतु सिवान सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। इसका जांच फोरेंसिक विभाग द्वारा की जायगी तब ही यह जानकारी स्पष्ट होगा की युवती की हत्या की गई है या आत्महत्या की है।

भारतीय मित्र पार्टी के कार्यकर्ता द्वारा जुआ का प्रचार रोकने को लेकर किया गया फिल्मी एक्टर एवं क्रिकेट खिलाड़ियों के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

भारतीय मित्र पार्टी के कार्यकर्ता द्वारा सभी खिलाड़ी एवं फिल्मी एक्टर के खेलाफ किया प्रदर्शन एवं जमकर नारेबाजी . जुआ का प्रचार रोकने को लेकर किया गया विरोधः क्योंकि करोड़ बच्चों की जिंदगी का सवाल है : धनेश्वर महतो भारतीय मित्र पार्टी के
धनेश्वर महतो ने अपने बयान में यह मांग किया कि यह सभी खिलाड़ी अपनी मोटी कमाई कमाने के लिए इन बच्चों के भविष्य से खेल रहे हैं खिलाड़ी और एक्टरों को चाहिए कि इस तरह का प्रचार ना करें जिससे बच्चे गलत रास्ता पकड़ रहे हैं बल्कि वह और बबार्दी की ओर जा रहे हैं के खिलाड़ी और एक्टर का विरोध करता हूं बच्चों के भविष्य न खेला जाए इस अवसर पर बड़ी संख्या में भारतीय मित्र पार्टी के कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित थे

पूरे प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी जन आंदोलन चलाएगी : मोहन प्रकाश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 26 सितंबर 2024बिहार में लग रहे बिजली के प्रीपेड स्मार्ट मीटर को लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस पूरे राज्य में व्यापक जन आंदोलन चलाएगी। आज सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर बिहार कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश ने कहा कि बिहार में स्मार्ट बिजली मीटर योजना देश के पीएम नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश के सीएम नीतीश कुमार की द्वारा चलाई जा रही संयुक्त महालूट योजना है। उन्होंने कहा कि बिहार जैसे गरीब तथा पिछड़े राज्य में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाया जाना बिहार की जनता पर बहुत बड़ा अत्याचार है।जिसे कांग्रेस पार्टी कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बिहार सरकार के इस स्मार्ट बिजली मीटर योजना का विरोध करती है तथा तुरंत इसे बंद करने का अपील करती है।उन्होंने कहा कि अडानी के खजाने को भरने के लिए बिहार में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।इसकी क्रोनोलॉजी समझाते हुए उन्होंने कहा कि देश में बिजली कंपनियों को कोयला सप्लाई का काम अडानी की कंपनियां करती हैं।जिस कारण बिजली बेहद महंगी हो गई है।क्योंकि अडानी की कंपनियां कोयले का सप्लाई बेहद महंगे दरों पर करती है।जब अन्य राज्य सरकारें बिजली के दरों पर अप्रत्याशित वृद्धि के प्रस्ताव को स्वीकारने में आनाकानी करने लगे,तब अडानी के विशेषज्ञों ने स्मार्ट बिजली प्रीपेड मीटर का सुझाव दिया।जिसे आम जनता समझ भी नहीं पा रही है तथा तकनीकी बिलिंग के माध्यम से महालूट की योजना को अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो बिजली कंपनियां नुकसान के दावा करती है,वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार द्वारा मिलने वाली सब्सिडी की राशि पर खामोश हो जाती हैं।

उन्होंने कहा कि बतौर बिहार के ऊर्जा मंत्री 15 हजार करोड़ रुपए के सब्सिडी की धनराशि बिजली कंपनियों को नुकसान के मद्देनजर दी जाती है।आखिर वह धनराशि कहां पहुंचती है।अगर बिजली कंपनियां आज भी नुकसान में है तो निश्चित तौर पर सब्सिडी की धनराशि दलाल-ठेकेदार तथा रिश्वत में व्याप्त तंत्र के पास पहुंच जाती होगी।लेकिन इसका खामियाजा आम जनता को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगने के बाद बिहार में बिजली काफी महंगी हो गई है। जिससे आम जनता की जेब कट रही है। महंगाई की इस दौर में आम जनता के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटर एक बड़ी मुसीबत बन गई है।बिहार प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश ने स्मार्ट मीटर योजना को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ नारा देते हुए कहा कि जो सरकार लूटेरी है वह सरकार बदलनी है।उन्होंने कहा कि पहले भी बिजली मीटर घरों में लगाए जाते थे।आम जनता उस हिसाब से बिजली दर का भुगतान करती थी।आज भी आम जनता खपत की जाने वाली बिजली की पूर्ण भुगतान के लिए तैयार है।मगर राज्य सरकार के द्वारा अडानी के खजाने को भरने के लिए स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन चलाकर बिहार बिजली स्मार्ट मीटर योजना को बंद करवा कर ही दम लेगी। उन्होंने कहा कि हम बिहार के महागठबंधन में शामिल सभी दल के साथ-साथ आम जनता से भी आवाहन करते हैं कि स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ जन संघर्ष में कांग्रेस पार्टी के साथ सड़कों पर उतरें।उन्होंने कहा कि सभी सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ तमाम प्रबुद्ध नागरिकों से कांग्रेस पार्टी अपील करती है कि जनहित के इस मुद्दे पर जनसंघर्ष में साथ दें।
संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले ही चनपटिया,बेतिया तथा अन्य स्थानों से बिहार बिजली स्मार्ट मीटर के खिलाफ आंदोलन आरंभ कर चुकी है।कांग्रेस सेवा दल के द्वारा बिहार बिजली स्मार्ट मीटर के खिलाफ 125 किलोमीटर की यात्रा निकाली गई थी। जिसका समापन हाल ही में गया में किया गया।उन्होंने कहा कि आगामी 30 सितंबर को प्रदेश के सभी जिलों में जिला संयोजकों के द्वारा बिहार बिजली प्रीपेड स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगी।इसके बाद 2 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक प्रदेश के उन सभी 13 जिलों में बिजली स्मार्ट प्रीपेड मीटर के खिलाफ जागरूकता आंदोलन चलाया जाएगा।

राज्य परियोजना परिषद द्वारा आयोजित अर्द्ध वार्षिक परीक्षा की पूर्णनावती हुई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुर्रौंधा 26 सितम्बर बृहस्पतिवार। राज्य परियोजना परिषद द्वारा आयोजित अर्द्ध वार्षिक परीक्षा का आयोजन पुरे राज्य मे 18 सितम्बर से 26 सितम्बर तक संचालित परीक्षा आज संपन्न हुआ है। जहा आज राजकीय उत्कर्मित मध्य विद्यालय बेला गोबिंदपुर के प्रधाना ध्यापिका सह केंद्राधीक्षक श्रीमती कविता कुमारी के निगरानी के बीच वर्ग एक और दो के छात्रों का मौखिक परीक्षा लेकर परीक्षा की पूर्णनावती की गई। और 27 सितम्बर से अर्द्ध वार्षिक परीक्षा के उतर पुस्तिका के जांच के लिए सीआरसी मध्य विद्यालय सवान विग्रह मे प्रतिनियुक्ति शिक्षको को योगदान की जानकारी प्रधाना ध्यापिका श्रीमती कविता कुमारी के द्वारा सम्बन्धित शिक्षको को दी गई। साथ ही छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना विधालय के शिक्षक श्री उमाकांत राम, सत्यप्रकाश सिंह, मुकेश सिंह, प्रद्युमन प्रसाद सिंह, अनिल कुमार मांझी, रविन्द्र कुमार सिंह, पिंकी कुमारी, विभा कुमारी, रोमा कुमारी, इत्यादि ने दी

दलितों को साधने यूपी पहुंचे चिराग पासवान, कौशांबी में बोले- जब तक जिंदा हूं, आरक्षण को खतरा नहीं

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान दलितों को साधने यूपी पहुंच गए हैं। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में उन्होंने गुरुवार को एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती पर जोरदार हमला बोला। चिराग ने कहा कि वह पासी समाज के अधिकारियों के लिए हर मोर्चे पर लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। जब तक वह जिंदा हैं, आरक्षण और संविधान को कोई खतरा नहीं है केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कौशांबी जिले के मूरतगंज में गुरुवार को वंचित

समाज सम्मेलन को संबोधित किया। विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंनें कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने बार-बार दलितों को डराने का काम किया है। जब तक रामविलास पासवान का बेटा (चिराग) जिंदा है, तब तक आरक्षण और संविधान को कोई खतरा नहीं है। एसटीएफ को स्पेशल ठाकुर फोर्स बताने के सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उनकी सरकार में सुनियोजित तरीके से एनकाउंटर कराया जाता था। इसलिए उनको एसटीएफ की परिभाषा पता है। योगी सरकार में माफिया की कमर तोड़ी जा रही है।चिराग ने केंद्र सरकार की एक देश एक चुनाव योजना का समर्थन करते हुए इसे देश की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि इससे देश पर आर्थिक बोझ कम होगा। सुरक्षा ड्यूटी में लगाए जाने वाले जवानों को भी राहत मिलेगी। उन्होंने विपक्षी दल कांग्रेस, सपा, बसपा पर आरक्षण व संविधान को लेकर डर पैदा करके राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया।
बता दें कि चिराग पासवान की पार्टी लोजपा रामविलास यूपी में तेजी से अपने पैर पसार रही है। एलजेपी-आर ने पिछले दिनों 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में 100 सीटें लड़ने का ऐलान किया था। एक दिन पहले चिराग के जीजा और सांसद अरुण भारती ने आगामी महीनों में होने वाले यूपी विधानसभा उपचुनाव लड़ने के भी संकेत दिए थे।

हिंदू वोट से सरकार बनती,गौ हत्या के लिए कानून नहीं

बक्सर में बोले जगतगुरु शंकराचार्य; विकास के नाम पर धार्मिक स्थल बर्बाद हो रहे

बक्सर। यूपी के रास्ते जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बक्सर पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि देश में विकास के नाम पर धार्मिक स्थलों को बर्बाद किया जा रहा। तिरुपति बाला जी में जो कुछ हुआ है वह पूरे हिंदू समाज के साथ विश्वासघात है। जिन लोगों ने ऐसा किया है कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के वोट से 78 साल से सरकार बन रही है, पर गौ हत्या पर किसी ने रोक नहीं लगाई। गौ माता के मांस बेचने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। गायों को राष्ट्र माता का दर्जा देने और गो हत्या बंद करने के उद्देश्य से जगतगुरु यात्रा पर निकले हैं। 22 सितंबर से उनकी यात्रा यूपी के अयोध्या से शुरू की। अयोध्या के बाद लखनऊ में गए थे। वहां से बक्सर आएं हैं, यहां भोजपुर गो प्रतिष्ठा ध्वज की स्थापना की गई। अभी वे पटना के लिए निकले हैं। यात्रा देश के 36 प्रदेशों की राजधानियों तक पहुंचेगी।

बक्सर में अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वहां निर्माण पूरा नहीं हुआ है। हमने कहा था कि अधूरे भवन में भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा मत करो।

वहीं बागेश्वर बाबा के चमत्कारों के बारे में सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी एक का नाम लेना सही नहीं है। चमत्कार हो जाए तो अच्छा है। दरसअल शंकराचार्य ने पिछले दिनों कहा था कि कुछ लोग दिव्य दरबार लगाकर चमत्कार का दावा करते हैं। हम फूल बिछाएंगे, वे जोशी मठ की धंसती जमीन को रोककर दिखाएं। चमत्कार होगा, तो उन्हें पलकों पर बैठाएंगे। उनके इसी बयान को लेकर बक्सर में सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि देश में बहुत-सी समस्याएं हैं। हम लोग तो चाहते हैं कि कोई चमत्कार हो जाए। बक्सर पहुंचने पर शंकराचार्य का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। स्वागत और अभिनंदन में बक्सर के विधायक संजय तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी मौजूद रहे। वो सोमवार की देर शाम बक्सर पहुंचे। रात्रि विश्राम के बाद नया भोजपुर स्थित गौधाम में गौ पूजा की। जिसके बाद पटना के लिए रवाना हो गए। जहां दोपहर में दारोगा राय स्मारक भवन, दारोगा राय पथ में कई कार्यक्रम हैं। अयोध्या से गौ प्रतिष्ठा की शुरूआत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने 22 सितंबर रविवार को अयोध्या से गौ प्रतिष्ठा आंदोलन की शुरूआत की है। यह यात्रा 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक चलेगी। राजधानी में गो-ध्वज की स्थापना करेंगे। शंकराचार्य इसी प्रकार देश के 36 प्रदेशों की राजधानी में गो-ध्वज स्थापित करेंगे। यह यात्रा 36 दिनों तक चलेगी। इसके बाद 26 अक्टूबर को वृंदावन में आकर इस यात्रा को पूरा करेंगे। अनंत अंबानी की शादी में शामिल हुए थे अविमुक्तेश्वरानंद, पीएम ने छूए थे पैर जुलाई में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मुंबई में अनंत अंबानी की शादी में भाग लिया था। वहां शादी के बाद हुए आशीर्वाद समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की मुलाकात चर्चा में बन गई थी।इसके पहले ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज 14 मार्च 2024 से 28 मार्च 2024 तक गायों को राष्ट्र माता का दर्जा देने के लिए नंगे पैर पदयात्रा कर चुके हैं। उन्होंने गोवर्धन गिरीराज से दिल्ली तक नंगे पैर पदयात्रा की थी।

कभी किराए के मकान तो बरामदे पर चलता है आंगनबाड़ी

जमुई। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 4 खैरमा गांव में बीते 36 साल से आंगनबाड़ी केंद्र कभी किराए के मकान में तो कभी बरामदे पर संचालित कर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है।इस आंगनवाड़ी केंद्र को बीते 36 सालों में अपना भवन नसीब नहीं हुआ।इस आंगनबाड़ी केंद्र को फिलहाल वार्ड नंबर एक स्थित खैरमा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के एक कमरे में शिफ्ट कर दिया गया है। स्कूल के कमरे में आंगनबाड़ी के बच्चो को पढ़ाए जाने से स्कूली छात्रों को समस्या हो रही है। वहीं आंगनबाड़ी सेविका को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।आंगनबाड़ी सेविका सावित्री देवी बताती है कि 36 सालों से इस आंगनबाड़ी केंद्र को चला रहे हैं।अभी तक सरकारी भवन नहीं मिला है। वार्ड नंबर 4 का यह आंगनबाड़ी केंद्र है। जिसे वार्ड नंबर एक में शिफ्ट कर दिया गया है। वो भी स्कूल के ऊपरी तल्ले पर। अधिकारी द्वारा यह भी कहा गया कि स्कूल में ही खाना बनाना है। इसके लिए गैस चूल्हा भी रखिए लेकिन स्कूल के हेड मास्टर द्वारा यहां खाना बनाने से मना कर दिया गया है। जिसके कारण हर दिन घर से बनाकर लाना पड़ता है। वार्ड नंबर 4 से वार्ड नंबर एक में आंगनबाड़ी चलने से कई तरह की समस्या आ रही है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि चार नंबर वार्ड से बच्चों को लेकर एक नंबर वार्ड स्कूल आने के दौरान मुख्य सड़क को पार करना पड़ता है। मुख्य सड़क होने के कारण हमेशा गाड़ियों का आवागमन होते रहता है। पति की सहायता से सभी छोटे बच्चों को सड़क पार करवाते हैं। इतनी समस्या होने के बाद भी सीडीपीओ मैडम का कहना है कि किसी तरह आप स्कूल में ही चलाइए। मुख्य सड़क पर होने के कारण बच्चों की उपस्थिति कम हो गई है। पेरेंट्स बच्चों को भेजना उचित नहीं समझते हैं।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में अनियमितता का लगाया आरोप

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिला के बैरिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्तरी पटजिरवा पंचायत के वार्ड नंबर-12 में विधायक निधि से पीसीसी निर्माण कार्य हो रहा है। ग्रामीणों ने काम में अनियमितता का आरोप लगाया हुए मंगलवार सुबह काम को रोक दिया। जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण शंभू चौधरी, रीता देवी, मनकेशिया देवी, हरेश कुमार, उदय चौधरी अनिता देवी, लखपतीया देवी, विनोद यादव समेत दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि सड़क का निर्माण किस योजना से और कितना राशि से हो रहा है। इसका कोई योजना का शिलापट कार्य स्थल पर नहीं लगाया गया है।

संवेदक ने कहा-ठीक से हो रहा निर्माण काम सड़क का निर्माण जगदेव ठाकुर के घर से बाबूराम चौधरी के घर होते हुए चंपारण तटबंध तक करना है। संवेदक ने कहा कि सड़क का निर्माण जिस तरह से हो रहा है। वैसे ही होने दीजिए। काम ठीक से हो रहा है। ग्रामीणों ने कार्य का विरोध कर कनीय अभियंता को निर्माण स्थल पर बुलाने की बात कही। ग्रामीणों का कहना है कि विधायक दूसरे काम को देखते हैं। अपने योजना से कराए गए कार्य को अवलोकन करने तक भी नहीं आते हैं। इसलिए वह कार्य स्थल पर आए। गुणवत्ता की जांच कर कार्य को सही तरीके से कराए। संवेदक ने बताया कि मेरे हिसाब से काम सही हो रहा है।

जबकि, कनीय अभियंता ने बताया कि लगभग 7 लाख का राशि है। ग्रामीणों से घटिया निर्माण कराए जाने का सूचना मिली है। मामले का जांच पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

होश आने में देर होती तो पोस्टमॉर्टम हो जाता

नालंदा सदर अस्पताल में बेहोश पड़ा था CS ने बिना जांच के कहा-मर गया, पोस्टमॉर्टम कराओ

नालंदा। बिहार शरीफ सदर अस्पताल में सोमवार को एक शख्स बाथरुम में बेहोश की हालत में गिरा हुआ मिला। सिविल सर्जन जितेंद्र कुमार सिंह ने उसे दूर से देखा और बोले कि मर गया है, पोस्टमॉर्टम कराओ। सदर अस्पताल में मौत की सूचना मिलते ही पुलिस भी पहुंच गई और FSL की टीम का इंतजार हो रहा था। पोस्टमार्टम हाउस ले जाने के लिए एक कर्मी स्ट्रैचर लेकर आ गया। अभी स्ट्रेचर पर रखने की तैयारी चल ही रही थी कि उसे होश आ गया और वो खड़ा हो गया। उसके होश में आते ही वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। वहीं इस घटना ने स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही को सामने आ दिया है।सिविल सर्जन जितेंद्र कुमार सिंह ने बना मरीज की नब्ज देखे, हड़बड़ी में बेहोश अधेड़ को मृत बताकर पोस्टमार्टम हाउस ले जाने का आदेश दे दिया। यहां तक की मौत की सूचना पाकर पुलिस भी आ गई। पुलिस पदाधिकारी एफएसएल टीम के आने का इंतजार कर रहे थे।सदर अस्पताल के पहले तल्ले के शौचालय का दरवाजा अंदर से बंद था। सफाई कर्मी जब गए तो दरवाजा बंद होने का पता चला। कर्मी लौट गए। कुछ देर बाद सफाई कर्मी फिर गया। शौचालय का दरवाजा फिर भी बंद ही था। तब संदेह होने पर सफाई कर्मी ने रेलिंग पर चढ़कर अंदर झांका। अंदर एक अधेड़ बेहोश जमीन में गिरा पड़ा था। सफाई कर्मी ने शौचालय में शव होने का शोर मचा दिया। सीएस समेत अन्य कर्मी मौके पर आ गए। बिना जांच के उसे मृत बता दिया गया। शव मिलने की सूचना देकर पुलिस को भी बुला ली गई।पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया। फर्श पर अधेड़ गिरा था। किसी ने भी उसकी नब्ज नहीं टटोली। बिना जांच के सीएस समेत अन्य ने उसे आनन-फानन में मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम हाउस ले जाने का आदेश दे दिया। एफएसएल टीम को भी खबर दे दी गई।अधेड़ अस्थावांथाना इलाके के जिराइनपर गांव निवासी राकेश कुमार है। वो दवा लेने अस्पताल आया था। वहीं, पुलिस की मानें तो अधेड़ नशे में था। इस कारण बाथरूम में अचेत होकर गिर गया। नशेड़ी को पुलिस अपने साथ ले गई। मामले में नगर थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि बाथरूम के अंदर उसे चक्कर आ गया था। वह फर्श पर ही लेट गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह भगवान से मिलने जा रहा था। पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया है। नगर थाना के जमादार ब्यास प्रसाद ने बताया कि शव मिलने की सूचना पाकर वह अस्पताल पहुंचे थे। यहां एफएसएल टीम के आने का इंतजार कर रहे थे। कथित शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाने के क्रम में अधेड़ होश में आ गया। तब पता चला कि अधेड़ बेहोश था। नशे की हालत में वह गिर गया था। अस्पताल प्रबंधक कुणाल कुमार ने बताया कि सफाई कर्मी से उन्हें शव मिलने की सूचना मिली। पोस्टमॉर्टम के लिए ले जानेके दौरान अधेड़ को होश आ गया।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, घर जल कर राख

मोतिहारी। रक्सौल के हरैया गांव में एक घर में आग लगने से घर सहित भैंस, बकरी आदि जल कर मर गए। आग सगीर मियां के घर मे रात में 2 बजे के आसपास लगी। जिसमें लाखों का सामान जल कर राख हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। आग लगने के बाद स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने का भरपूर प्रयास किया। लेकिन, आग इतनी भीषण थी कि अग्निशमन को बुलाना पड़ा। अग्निशमन के आने के बाद ही आग पर काबू पाया गया। पंटोका पंचायत के सरपंच ने बताया कि सगीर मियां गाय, भैंस व बकरी पालन कर ही अपनी जीविका चलते थे। लेकिन, अगलगी ने ये सब छीन लिया। जिससे उनके जीविका पर असर पड़ेगा। उनका पूरा घर जल कर राख हो गया।घर में बंधे जानवर व समान को निकालने का गृह स्वामी सगीर मियां व स्थानीय लोगों ने भरपूर प्रयास किया। लेकिन आग की लपटें इतनी भयावह थी कि उनके आंखों के सामने सब कुछ जल कर राख हो गया। सीओ शेखर राज ने बताया कि अगलगी घटना की सूचना मिली है।

सांसद ने वीडियो कॉल किया,डॉक्टर चेहरा दिखाकर बोले-मर चुका है

हादसे में वीणा देवी के बेटे की मौत; पत्नी का पोस्ट-यहां कल क्या हो किसने जाना

मुजफ्फरपुर। सड़क हादसे में वैशाली सांसद वीणा देवी के बेटे राहुल उर्फ छोटू सिंह की मौत हो गई। छोटू की बुलेट को एक पिकअप वैन ने सामने से टक्कर मार दी। घटना रेवा रोड में जैतपुर ओपी क्षेत्र के पोखरैरा गांव के पास सोमवार की देर शाम हुई। आज छोटू सिंह का रेवा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। हादसे के समय छोटू ने हेलमेट नहीं पहना था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक जोरदार आवाज के बाद छोटू बीच सड़क पर गिर कर छटपटा रहे थे। थोड़ी दूर पर बुलेट पड़ी हुई थी। पुलिस ने बताया कि चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। राहुल को सरैया पीएचसी ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सरैया सीएचसी पहुंचने के बाद सांसद वीणा देवी ने बेटे के मोबाइल पर वीडियो कॉल किया। डॉक्टर ने वीडियो कॉल उठाया तो दूसरी ओर सांसद वीणा देवी थीं। डॉक्टर ने वीणा देवी से पूछा कि यह कौन हैं। इनकी तो मौत हो चुकी है। इतना सुनते ही सांसद वीणा देवी छोटू-छोटू कहकर जोर-जोर से रोने लगीं। इसके बाद पता चला कि मृतक राहुल राज सांसद वीणा देवी और एमएलसी दिनेश प्रसाद सिंह के बेटे थे। साहेबगंज के बीजेपी विधायक राजू सिंह, बरूराज के विधायक बीजेपी अरुण सिंह ,पारू विधायक अशोक सिंह , पूर्व मंत्री और कांटी राजद विधायक इसराइल मंसूरी, बोचहा विधायक अमर पासवान समेत कई नेता अंतिम संस्कार में शामिल हुए।घटना से करीब 3 घंटे पहले छोटू सिंह की पत्नी निरूपमा ने फेसबुक पर अपनी बेटी के वीडियो का रील बनाकर पोस्ट किया था। वीडियो किसी एयरपोर्ट का है, जिसमें बेटी बैग लेकर चल रही है। जिसमें गाना लगाया है- 'आसमानों से बढ़ना है आगे, चांद-तारों से चलना है आगे, पीछे रह जाएगा ये जमाना, यहां कल क्या हो किसने जाना'रील पोस्ट होने के बाद फेसबुक से जुड़े लोगों ने खूब लाइक-कमेंट किया। लेकिन, कुछ घंटों में तस्वीर बदलने के बाद सन्नाटा छा गया। हादसे के बाद केवल व्यूज बढ़ रहे थे। उन्हें जानने-पहचाने वाले हादसे की खबर से सदमे में थे। निरूपमा सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। अपनी आईडी पर भी पहचान के तौर पर सोशल इंटरप्रेन्योर लिखा है। फेसबुक वॉल पर पति सहित अन्य रिश्तेदारों की तस्वीर लगा रखी है। वह हिंदुस्तान पीपुल्स मजदूर यूनियन की सदस्य भी हैं। सोमवार की शाम उन्होंने बेटी के 3 रील्स अपलोड किए। एक वीडियो घर में बनाया गया है, जबकि 2 वीडियो किसी एयरपोर्ट का है। छोटू-निरूपमा की एक ही बेटी है।परिवार के सबसे बड़े बेटे होने के बावजूद छोटू सिंह को राजनीति में अधिक रुचि नहीं थी। वह धार्मिक प्रवृत्ति के थे। वह नवरात्र में कलश स्थापना को लेकर तैयारी कर रहे थे। नौ कलश स्थापित कर वह खुद पूजा करते थे। राहुल सिंह परिवार का कारोबार संभाल रहे थे। वैशाली की सांसद वीणा देवी की चार संतानों में छोटू सिंह सबसे बड़े थे। उनसे छोटी दो बेटियां निशि और कोमल सिंह हैं। सबसे छोटे पुत्र शुभम घर से बाहर है। छोटू की शादी वर्ष 2013 में निरूपमा सिंह से शादी हुई थी।

डिप्टी सीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

शेखपुरा। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा सोमवार को जिले के घाटकुसुम्भा प्रखंड में बाढ़ प्रभावित कई गांवों का दौरा करने के लिए पहुंचे। इस दौरान लोगों की समस्याओं को सुना और फिर प्रखंड के घाटकुसुम्भा, गदबदिया, सुजावलपुर, बटोरा होते हुए सडक के रास्ते लखीसराय चले गए।

वहां से वापस लौटने के दौरान घाटकुसुम्भा प्रखंड के सहरा, गुरेरा आदि गांव का दौरा भी किया। गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। उनके साथ शेखपुरा के पूर्व विधायक रणधीर कुमार सोनी के अलावा बीडीओ और सीओ मौजूद थे। गंगा में बढ़ते जलस्तर के कारण घाटकुसुम्भा प्रखंड के हरोहर नदी में उफान आया हुआ है।उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि फसल की बबार्दी हो या जानवरों के चारे का संकट लोगों के बीच राहत सामग्री का वितरण जल्द ही कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पदाधिकारियों से भी बातचीत हुई है।

बच्चों में बढ़ रहा बोन कैंसर का खतरा

एक्सपर्ट बोले-लक्षणों को लेकर रहे अलर्ट, बीमारी होने का सटीक कारण नहीं पता

लखनऊ। यदि बच्चे में अचानक से हाथ-पैर में सूजन आ रही है। बिना कारण दर्द हो रहा है या फिर चोट लगने के बिना ही फ्रैक्चर हो जा रहा है। ये लक्षण बोन कैंसर से जुड़े हो सकते हैं। ऐसे मामलों में लापरवाही बरतने की जरूरत नही है। तत्काल किसी एक्सपर्ट चिकित्सक को दिखाने की जरूरत होती है। बोन कैंसर के मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है, पर राहत की बात ये हैं कि बोन कैंसर होने पर 100 से 70 बच्चों का इलाज हो रहा है। ये कहना हैं बोन कैंसर सर्जन डॉ.अक्षय तिवारी का। उन्होंने बेहद खतरनाक इस बीमारी के लक्षण और बचाव को लेकर बातें बताईं। चाइल्डहुड कैंसर अवेयरनेस का महीना डॉ.अक्षय तिवारी ने बताया सितंबर महीने को दुनियाभर में चाइल्डहुड कैंसर अवेयरनेस महीने के रूप में देखा जाता है। बच्चों में बोन कैंसर के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं, पर सही समय पर इसकी पहचान कर इलाज शुरू करने से उन्हें इससे निजात दिलाई जा सकती है। कंधे की हड्डी में कैंसर से पीड़ित बच्ची को मिला नया जीवन डॉ. अक्षय कहते हैं, कि इविंग साकोर्मा बोन कैंसर से जूझ रही 6 साल की बच्ची का इलाज क्रायो सर्जरी से किया गया। हर साल लाख बच्चों में से महज 3 या उससे भी कम बच्चों में ये कैंसर होता हैं। बच्ची का इलाज इनोवेटिव ट्रीटमेंट से किया गया। जिससे वो न सिर्फ कैंसर फ्री हो गईं, बल्कि बच्ची के कंधे ने भी काम करना शुरू कर दिया। दुर्लभ कैंसर से जूझ रही बच्ची का सफल इलाज डॉ.अक्षय ने बताया लखनऊ की रहने वाली 6 साल की बच्ची के कंधे में अचानक सूजन आ गई थी। परिवार ने पहले सोचा कि कोई चोट लगी होगी और कुछ समय इसका इलाज नहीं कराया गया। लेकिन जब सूजन बढ़ने लगी, तब परिवार को चिंता हुई जिसके बाद उन्होंने मेडिकल टेस्ट कराए, जिसमें बोन कैंसर पाया गया। बायोप्सी होने पर इविंग सकोर्मा कैंसर होने का पता चला जो एक दुर्लभ और आक्रामक किस्म का बोन कैंसर होता है। परिवार के लिए ये जानकारी काफी परेशान करने वाली थी, लेकिन बाद में जब गहन जांच-पड़ताल की गईं तो पता चला कि कैंसर फैला नहीं हैं। इससे ठीक होने की उम्मीद जगी। शोल्डर ब्लेड (स्कैपुला) को हटाने के लिए सर्जरी करने की आवश्यकता थी, लेकिन दूसरी तरफ प्रीति के कंधे के मूवमेंट की भी चिंता थी। लिक्विड नाइट्रोजन से बोन को किया कैंसर फ्री कैंसर की हड्डी को हटाने के लिए रेडिकल सर्जरी की गई। टारगेट सिर्फ बीमारी को खत्म करना नहीं था, बल्कि बच्ची के कंधे के मूवमेंट को भी बचाना था। क्रायो थेरेपी और रिसाइकल्ड ट्यूमर बोन के री-इम्प्लांटेशन की दिशा कदम बढ़ाए गए। इस एडवांस तकनीक में, सर्जिकल टीम कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए लिक्विड नाइट्रोजन के जरिए प्रभावित हड्डी को जमा देती है, फिर इलाज के बाद हड्डी को शरीर में इम्प्लांट किया जाता है, जिसके इसकी फंक्शनिंग भी बची रहे।

राहत की बात ये रही कि बच्ची की सर्जरी सफल रही और उसे नया जीवन मिला।

संक्षिप्त डायरी

नदी में डूबा 12वीं का छात्र दूसरे दिन तलाश में उतरी एसडीआरएफ

बस्ती। जिले की कुआनों नदी में 17 वर्षीय छात्र आदर्श के डूबने की घटना के दूसरे दिन भी उसका पता नहीं चल सका। छात्र की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोर नदी में उतरे हैं, लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। छात्र की मां का कहना है कि मेरे बाबू को सही सलामत लौटाएं, प्रशासन से यही निवेदन है। कोतवाली थाना क्षेत्र के छितई नर्सिंग गांव निवासी आदर्श 12वीं का छात्र है। सोमवार को अपने चार दोस्तों के साथ नदी के किनारे गया था। बताया जा रहा है कि आदर्श ने अपनी मां को अस्पताल छोड़ने के बाद फोन किया और दोस्तों के साथ पार्टी में शामिल होने की बात कही। इसके बाद वह अमहटघाट पहुंचा, जहां उसकी डूबने की घटना हुई। आदर्श के मामा ने हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि भांजे की हत्या कर उसके शव को नदी में फेंक दिया गया है। उनका कहना है कि पार्टी के दौरान आदर्श को नुकसान पहुंचाया गया। परिवार में आदर्श सबसे बड़ा बेटा था और उससे छोटे दो भाई और एक बहन है। गोताखोरों ने बताया कि नदी में खोजबीन करते समय उन्हें प्रतिमा और अन्य अवशेषों के कारण समस्या हो रही है, जिससे काम करने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा, हम मशक्कत कर रहे हैं, उम्मीद है कि सफलता मिलेगी। कोतवाली इंस्पेक्टर राना देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि एसडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोर छात्र की तलाश में लगे हुए हैं। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के संयुक्त सचिव बने डा नायक का हुआ स्वागत

संवाददाता

कुशीनगर। स्थानीय समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक डा. यू.एस. नायक के प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ का संयुक्त सचिव चुने जाने पर समुदायिक स्वास्थ्य के केंद्र के कर्मियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। कुछ दिनों पूर्व हुए प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के चुनाव में स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक डा. नायक को प्रांतीय संयुक्त सचिव चुने गए। इसके बाद मंगलवार को यहां तैनात चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने सीएचसी पर उनको माला पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन का दायित्व अपने कर्मियों को उनका अधिकार दिलाने के साथ उनके विषम परिस्थितियों उनके हक की लड़ाई लड़ना है। इसमें मैं पीछे नहीं रहूंगा। स्वागत करने वालों में डा. साजिद हुसैन, डा. एचएन प्रसाद, डा. अखिलेश कुमार, डा. अंशिका राय, दिनेश राय, रुपेश यादव, नरेन्द्र सिंह, सत्यप्रकाश लाल श्रीवास्तव, अनुराग कुशवाहा, पंकज राय, अनुज तिवारी, विजय आदि शामिल रहे।

पारा में स्कूल वैन का एक्सीडेंट 4 बच्चे घायल, बच्ची की आंख में चोट

लखनऊ। के पारा इलाके में सैंट मैरी स्कूल की वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनीं दुकानों से टकरा गई। हादसे में कई बच्चों को चोट लगी है। इलाके के लोगों को कहना है कि वैन तेज रफ्तार में थी। मौके से पहुंची पुलिस ने वैन को कब्जे में लेकर बच्चों के उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है।जानकारी के मुताबिक पारा इलाके के मुजफ्फर खेड़ा गांव के पास सैंट मैरी स्कूल की वैन (वढ-32 लठ. 9012) खंबे से टकरा गई। वैन में 4- 5 स्कूल बच्चे बैठे थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके से पहुंच गए। बच्चों के चेहरे पर चोटें आई हैं। एक बच्ची की आंख में चोट लगी है, वो कक्षा तीन की छात्रा है। वहां मौजूद लोगों को आरोप की वैन का ड्राइवर काफी तेज चला रहा था। जो हादसे की वजह बनी।पारा एसएचओ बृजेश कुमार वर्मा का कहना है कि सुबह 8 बजे करीब स्कूल की वैन एक बच्ची को बचाने के चक्कर में टकरा गई। वैन में 4- 5 बच्चे थे। एक बच्ची की आंख के नीचे चोट आई है। बाकी बच्चे सुरक्षित हैं।मौके से वैन ड्राइवर भाग गया है। वैन को कब्जे में ले लिया है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मस्जिद बनाने का हिंदू पक्ष ने किया विरोध

बस्ती। बस्ती के महाराजगंज कस्बे में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब हिंदू पक्ष के लोग मस्जिद तामीर करने के विरोध में सड़क पर उतर गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने बुझाने का काफी प्रयास किया। लेकिन वह नहीं माने, बताया जा रहा है कि जिस जगह पर मस्जिद तामीर कराई जा थी। वह ग्राम समाज की भूमि है, भूमि को कब्जा करने की नीयत से ही यह मस्जिद बनवाई जा रही थी'बस्ती के महाराजगंज कस्बे में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब हिंदू पक्ष के लोग मस्जिद तामीर करने के विरोध में सड़क पर उतर गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने बुझाने का काफी प्रयास किया। लेकिन वह नहीं माने, बताया जा रहा है कि जिस जगह पर मस्जिद तामीर कराई जा थी। वह ग्राम समाज की भूमि है, भूमि को कब्जा करने की नीयत से ही यह मस्जिद बनवाई जा रही थी'सोमवार की रात 7.30 बजे जब इसकी भनक कस्बे के लोगों को हुई तो वे उग्र हो गए। कुछ ही देर में यह बात पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई। काफी संख्या में कस्बे के लोगों ने विवादित जमीन पर हो रहे निर्माण को गिरा दिया। उसके बाद नारेबाजी करने लगे। सूचना पर महराजगंज चौकी पुलिस पहुंच गई। कस्बे के लोगों को समझाने का प्रयास करने लगी। पुलिस ने इन लोगों पर मुकदमा दर्ज करने की भी बात कही। जिस पर कस्बे के लोग भड़क गए और जमकर नारेबाजी करने लगे। कप्तानगंज एओ ने बताया कि राजस्व टीम को मौके पर बुलाया गया है। घटना को लेकर मौके पर पुलिस बल तैनात है। राजस्व टीम के आने पर नाप कराने का काम कराया जाएगा। जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भोजपुरी जैसी मिठास किसी और भाषा में नहीं: नमिता पाण्डेय

संवाददाता

कुशीनगर। भोजपुरी बहुत ही सुंदर व समृद्ध भाषा है। इस भाषा की तरह मिठास किसी अन्य भाषा में नहीं है। यह करोड़ों लोगों की संस्कृति, बोली हैं। मुझें अपनी माटी की भाषा पर गर्व है। हमें भोजपुरी के सम्मान में आगे आकर उचित सम्मान दिलाना होगा। उक्त बातें बनारस की बेटी भोजपुरी फिल्मों व टीवी सीरियल में ऊंचा मुकाम हासिल कर चुकीं अभिनेत्री नमिता पाण्डेय ने कुशीनगर के साखोपार में एक भेंट के दौरान कहीं। वह भोजपुरी फिल्म ' सास की सगाई' की जनपद में चल रही शूटिंग में बतौर नायिका काम कर रही हैं। तीन बहनों में दूसरे नम्बर की नमिता स्नातक तक पढ़ाई करने के बाद कई निजी कंपनियों में नौकरी की लेकिन उन्हें रास नहीं आया। उन्होंने अभिनय क्षेत्र को चुना और मुश्किलों का सामना करते हुए हर एक किरदार

अभिनय के बल पर भोजपुरी फिल्मों व टीवी सीरियल अभिनेत्री नमिता पाण्डेय ने बनाया ऊंचा मुकाम

को बेहतर ढंग से निर्वहन किया। पिता के निधन के बाद वह टूट सी गईं थीं लेकिन हौसला नहीं खोया और भोजपुरी फिल्मों में ऊंचा मुकाम हासिल किया। मृदुभाषी और व्यवहार कुशल इस अदाकारा नमिता पांडेय को बचपन से ही नाचने गाने और अभिनय करने का बहुत शौक था। इसी शौक से नमिता को दुनिया में एक बेहतर अदाकारा की पहचान मिली। इन्होंने मंडी हाउस में नुक्कड़ नाटक किया, रंगभूमि आर्ट ऑफ फैमिली ग्रुप में अपनी कला का जादू बिखेरा, सावधान इंडिया, क्राइम पेट्रोल, मिजार्पुर बेव सीरीज में खूब जोरदार अभिनय किया। हिंदी फिल्म नवाबजाड़े, काशी इन सर्च आफ गंगा, प्रणाम, आसिफ, हेलमेट, चौखट नीर आदि के अलावा पहली भोजपुरी फिल्म पंडित जी बताई न बियाह कब होई पार्ट टू, कसम तिरंगे की, भूत मंडली, बाप बड़ा न भैया सबसे बड़ा रुपैया, नजर आदि कई दर्जन फिल्मों में अपने कला का लोहा मनवाया।

छात्रों के समुचित विकास की रुपरेखा बनाता है रासेयो: विधायक सुरेंद्र

संवाददाता

कुशीनगर। एसबीएम पीजी कालेज पावानगर फाजिलनगर मे राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपना स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम के अन्त में पर्यवारण संरक्षण रैली निकाल कर लोगों को जागरुक किया गया। विधायक सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र - छात्राओ के समुचित विकास की रुप रेखा तैयार करने में महती भूमिका निभा रहा है। डा.शत्रुघ्न सिंह ने इसके मोटो नाट मी बट यू झ मै नही बल्कि आप को रेखांकित कर प्रकाश डालते हुआ कहा की एनएसएस राष्ट्र सेवा व समाज सेवा का भाव जागृत करते बेहतर नागरिक बनाने का कार्य करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रभाकर मिश्र पंकज ने अपने उद्बोधन मे कहा आज का दिन एनएसएस के लिए स्वर्णिम दिन है

। 24सितम्बर 1969को इसे लागू किया गया। आज 557 विश्वविद्यालयों मे इसे रखा गया है। यह एनएसएस विद्यार्थियों के भीतर ऊर्जा भरने और देश के प्रति वफादारी का पाठ पढ़ाता है। प्राचार्या प्रो. ज्योत्सना पाण्डेय ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम आधिकारी डा. श्रवण कुमार ने किया। इसके बाद स्वयं सेवकों ने पर्यावरण जागरुकता रैली निकाल कर लोगों को पर्यवारण के लिए जागरूक किया। इस दौरान डा.विजय पवार, डा.गोपाल जी पाण्डेय, डा.शाश्वत चंदेल, डा.गिरिजेश गौड़, डा.बृजेश बर्मा, डा.पंकज कुमार, डा.प्रशांत बौद्ध,अंतिमा सिंह, अरुणेश शुक्ल,अभिषेक पाण्डेय, अंकित मिश्र, देवेन्द्रनारायन तिवारी, सिंटू कुमार आदि उपस्थित रहे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती पर महा सदस्यता अभियान

संवाददाता

कुशीनगर।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत बुद्धवार 25 सितंबर को पार्टी के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती के अवसर पर जनपद के सभी बूथों पर विभिन्न कार्यक्रमों के साथ महासदस्यता अभियान चलाएगी। बुधवार को पार्टी के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता बूथों पर जाकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व पर चर्चा करेंगे और घर घर जाकर लोगों को भाजपा की विचारधारा से जोड़ते हुए उन्हें पार्टी का सदस्य बनाएंगे। यह जानकारी जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के हवाले से जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने दी। उन्होंने बताया कि 25 सितम्बर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पार्टी द्वारा पर प्रत्येक बूथ पर पुष्पांजलि, स्वच्छता और पौधरोपण के साथ साथ कम से कम 100 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। जिसे कुशीनगर जिला के सभी बूथों पर प्रभावी बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है।

आधी रात घूम रहे अर्धनग्न नकाबपोश चेहरे पर नीली प्लास्टिक लपेटे और हाथ में नुकीला हथियार लिए दिखे

गोरखपुर। के पादरी बाजार इलाके में इन दिनों लोगों के बीच अजीब सी दहशत बनी हुई है। देर रात CCTV कैमरों में अर्धनग्न अवस्था में दो नकाबपोशों के घूमते हुए फुटेज सामने आए हैं, जिनके कारण कॉलोनियों के लोग सहमे हुए हैं।

नकाबपोश चेहरे पर नीला कपड़ा या प्लास्टिक लपेटे हुए नजर आते हैं, केवल उनकी आंखें ही दिखाई देती हैं। एक हाथ में नुकीला हथियार और दूसरे में पाउडर जैसी कोई वस्तु देखकर लोगों में एक बड़ी साजिश का अंदेशा लग रहा है। अब कॉलोनियों के लोग रातों में जागकर पहरा दे रहे हैं।

हनुमंत नगर और आसपास की कॉलोनियों में नकाबपोशों की दस्तक दरअसल, पादरी बाजार की हनुमंत नगर, वैष्णो विहार और मानस विहार जैसी कई कॉलोनियों में नकाबपोशों के देखे जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। 14 सितंबर की रात करीब 1:30 बजे हनुमंत नगर के एक घर में लगे CCTV कैमरे में पहली बार दो नकाबपोश कैद हुए, जो नुकीले हथियार और किसी अज्ञात पाउडर के साथ जाते हुए नजर आए। अगले दिन जब कॉलोनीवासियों ने ये फुटेज देखा, तो तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। फुटेज पादरी बाजार चौकी को सौंप दिया गया, जिससे जांच शुरू हो गई है।सुरक्षा पर उठे सवाल, व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ रहे लोग सोमवार को हनुमंत नगर कॉलोनी से एक और CCTV फुटेज सामने आया, जिसमें नकाबपोशों के चेहरे स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। इससे कॉलोनी के लोग और भी ज्यादा चौकन्ने हो गए हैं। कॉलोनियों में सुरक्षा को लेकर कई तरह की चर्चाएं होने लगी हैं। लोग खुद एकजुट होकर रात में घरों की निगरानी कर रहे हैं। इसके साथ ही एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है, जहां कॉलोनी के अधिकतर लोग जुड़े हुए हैं और हर तरह की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी साझा कर रहे हैं। उड गोरखनाथ योगेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि नकाबपोशों के दिखने की सूचना मिलने के बाद इलाके में पुलिस गश्त तेज कर दी गई है। हालांकि अभी तक किसी भी अप्रिय घटना की शिकायत दर्ज नहीं हुई है, लेकिन पुलिस पूरी तरह से चौकस है और जल्द ही इन नकाबपोशों का पता लगा लिया जाएगा। खौफ के साए में कॉलोनियों के लोग

पादरी बाजार की कॉलोनियों में दहशत का माहौल इतना बढ़ गया है कि अब लोग खुद सुरक्षा के लिए कदम उठा रहे हैं। कई घरों में रात के वक्त परिवार के किसी एक सदस्य को पूरे घर की निगरानी करने की जिम्मेदारी दी गई है। छोटे-बड़े सभी लोगों के बीच नकाबपोशों की चर्चा जोरों पर है। कॉलोनीवासी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि कहीं ये नकाबपोश किसी बड़ी वारदात की फिराक में तो नहीं हैं।

डॉक्टर ने 20 हजार रुपए लेकर परिवार को दिया शव

संतकबीरनगर। में निजी अस्पताल में गर्भवती महिला को पांच महीने का मृत बच्चा पैदा हुआ। इस दौरान परिवार ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही से नवजात की जान चली गई। इसके बाद प्रशासन ने बच्चे का शव देने के लिए 20 हजार रुपए की मांग की और कई घंटे तक बच्चे को अस्पताल में रखा। पैसा लेने के बाद शव को उनको सौंपा। इसके बाद परिवार ने अंतिम संस्कार किया। मामला मेंहदावल थाना क्षेत्र के निजी हॉस्पिटल का है। मेंहदावल पुलिस को दिए हुए प्रार्थना पत्र में पीड़ित पिता ने बताया कि मेरी पत्नी मंजुला गर्भवती थी। उनका इलाज मेंहदावल के दिव्या देव हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर मोहल्ला उत्तरपट्टी सियर में चल रहा था। 21 तारीख को रात में हल्का सा तबीयत खराब होने पर उन्होंने अस्पताल में आकर डॉक्टर अर्चना त्रिपाठी और लोकेश त्रिपाठी को बताया। वह दोनों लोग एक कंपाउंडर को इंजेक्शन लगाने के लिए मेरे घर भेजें। उसके बाद आराम नहीं होने पर हम पत्नी को अस्पताल में एडमिट कराने लेकर आए। वहां पर उसकी तबीयत और खराब हो गई और मैं बार-बार वहां डॉक्टरों को बुलाने के लिए कहा, लेकिन वहां मौजूद स्टाफ ने डॉक्टरों को नहीं बुलाया।आठ बजे मरा हुआ बच्चा पेट से बाहर निकल गया। उसके बाद जब मैं डिस्चार्ज कराकर अपनी पत्नी को लेकर बाहर आने लगा तो मुझसे 20 हजार रुपए की मांग होने लगी। स्टाफ ने मरे बच्चे को अपने पास ले लिया और कहा कि पैसा जमा करो तभी यह बच्चा देंगे। मैंने कहा कि आप लोग के लापरवाही से मेरा बच्चा मर गया है। आप लोग अगर देखने आए होते तो यह स्थिति नहीं होती ।

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए।

कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

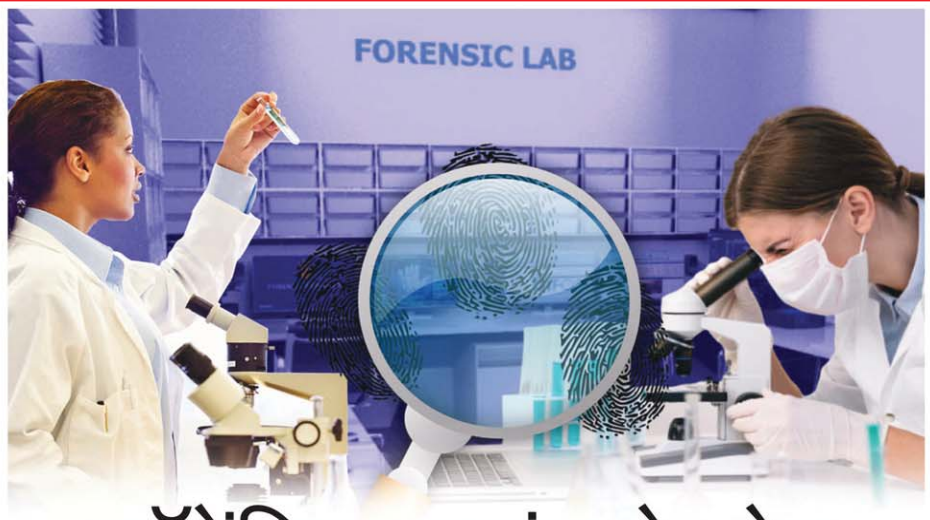

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12वीं में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

कुवैत में एक मॉडल ऑटो वर्ल्ड शो में बीवायडी सील कार को पेश करती हुई।

इंटर्नशिप के आवेदन की छंटाई एआई के जरिए होगी

- अक्टूबर के मध्य से शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

नई दिल्ली ।

कंपनी मामलों के मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया अक्टूबर के मध्य से शुरू हो सकती है। जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि पहले चरण में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिये योजना के पात्र उम्मीदवारों को छांटा जाएगा। इसके बाद तटस्थ समिति आवेदकों का चयन करेगी और फिर कंपनियां उस सूची में से अपने यहां इंटर्नशिप कराने के लिए आवेदक चुन सकती हैं। समिति में सरकार और उद्योग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सूत्रों ने कहा` कि योजना के तहत आवेदनों की संख्या देखकर फैसला किया जाएगा कि इस तरह की एक ही समिति बनाई जाए या कई समितियां गठित की जाएं। कंपनी मामलों का मंत्रालय पिछले तीन साल के दौरान कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) मद में कंपनियों द्वारा किए गए खर्च के आधार पर शीर्ष 500 कंपनियों की सूची को अंतिम रूप देने में जुटा है। कंपनियां अपनी मर्जी से इस योजना में शामिल हो सकती हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को पेश आम बजट में इंटर्नशिप योजना की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य रोजगार को बढ़ावा देना है। कंपनी मामलों का मंत्रालय

इस योजना के लिए सितंबर के अंत तक पोर्टल शुरू कर सकता है। इस बारे में जानकारी के कंपनी मामलों के मंत्रालय को ईमेल भेजा गया मगर उसका अभी तक जवाब नहीं आया।

सैमसंग में हड़ताल विनिर्माण के लिए खतरा

एक दशक पहले के नोकिया के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र के बंद होने जैसी हो सकती है स्थिति

नई दिल्ली ।

सैमसंग के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र में यदि श्रमिकों की हड़ताल जल्द समाप्त नहीं होती है तो भारत के लिए वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की अपनी चाहत में महत्त्वपूर्ण जमीन खोने का खतरा हो सकता है। दिल्ली स्थित ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने यह अनुमान जताया। अगर तमिलनाडु सरकार शीघ्र हस्तक्षेप नहीं करती है तो स्थिति एक दशक पहले के नोकिया के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र के बंद होने जैसी हो सकती है। इसका परिणाम यह होगा कि नौकरियां समाप्त होंगी और विनिर्माण क्षेत्र में चीन का दबदबा बढ़ेगा। उद्योग मंत्रालय के एक पूर्व अधिकारी की रिपोर्ट के अनुसार भारत को औद्योगिक खुफिया इकाई स्थापित करनी चाहिए ताकि यह पता लग सकें कि इस तरह की बाधाएं किसी विदेशी प्रभाव के कारण तो नहीं खड़ी हो रही हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की चेन्नई के करीब स्थित श्रीपेरंबुदूर में विनिर्माण इकाई में उत्पादन सितंबर की शुरुआत से ही प्रभावित है। इसका कारण यह है कि इस इकाई के सैकड़ों श्रमिक वेतन बढ़ाने, कार्य के घंटे कम करने सहित अन्य मुद्दों की मांग को लेकर सितंबर की शुरुआत से ही हड़ताल पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह हड़ताल सैमसंग तक सीमित नहीं रह गई है। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) इस क्षेत्र में अन्य प्रमुख विनिर्माण इकाइयों में अपनी पहचान बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। सीटू क्षेत्र की फॉक्सकॉन, फ्लेक्स और सैनमिना इकाइयों में अपनी पकड़ बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यदि इस वामपंथी संगठन पर नजर नहीं रखी गई तो तमिलनाडु का इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इससे संभवत- व्यापक तौर पर भारत का विनिर्माण उद्योग प्रभावित होगा। इसके अलावा विदेशी निवेशक सैमसंग की स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। विदेशी निवेशक श्रमिक समस्या लंबे समय तक जारी रहने की स्थिति में भारत में अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार कर सकते हैं। भारत अभी दक्षिण कोरिया और दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) से कारोबारी समझौतों की समीक्षा कर रहा है। हड़ताल के कारण जारी स्थिति बिगड़ने की स्थिति में इन बातचीत पर भी असर पड़ सकता है।

यूपी और बिहार में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का असर अब पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से मंगलवार सुबह जारी खुदरा भाव में काफी बदलाव दिख रहा है। मंगलवार को ज्यादातर शहरों में तेल के दाम गिरे हैं और कुछ जगह तो पेट्रोल 1 रुपये तक सस्ता हो गया है। वैश्विक बाजार में अभी ब्रेंट क्रूड का भाव 74 डॉलर प्रति बैरल चल रहा है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी भाव के अनुसार यूपी के गाजीपुर जिले में पेट्रोल 1.01 रुपये सस्ता होकर 94.84 रुपये लीटर, डीजल भी 1.04 रुपये गिरा और 87.99 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 88 पैसे सस्ता होकर 105.18 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 83 पैसे गिरकर 92.04 रुपये लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में आज पेट्रोल 10 पैसे सस्ता हुआ और 94.84 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 11 पैसे टूटकर 87.69 रुपये लीटर है। बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी मामूली गिरावट दिखी है। वहीं ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 74 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी गिरावट के साथ 70.49 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। गाजीपुर में पेट्रोल 94.84 रुपये और डीजल 87.99 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.84 रुपये और डीजल 87.69 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

निसान मैग्नाइट की मामूली अपडेट के साथ लॉन्च होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अगले महीने यानि की अक्टूबर में निसान मैग्नाइट फेसलिफ्ट के मामूली अपडेट के साथ लॉन्च होने की उम्मीद है। इस अपडेट का उद्देश्य एसयूवी को और अधिक आकर्षक बनाना है। लॉन्च के बाद से निसान मैग्नाइट में ज्यादा बदलाव नहीं हुए हैं, इसलिए अब यह एक सही समय है जब इस एसयूवी को एक मेकओवर मिल सकता है। हालांकि निसान एक प्रमुख वैश्विक कार ब्रांड है, लेकिन भारतीय पैसेंजर व्हीकल बाजार में इसे ज्यादा सफलता नहीं मिली है। कम बिक्री के कारण निसान को अपनी भारतीय लाइनअप को सीमित करना पड़ा है और अब कंपनी केवल दो मॉडल्स बेचती है - एक कॉम्पैक्ट और किफायती एसयूवी मैग्नाइट और दूसरी प्रीमियम ऑफरिंग एक्स-ट्रैल। इस स्थिति में निसान मैग्नाइट कंपनी के लिए महत्वपूर्ण कार बन गई है, जिसने कंपनी को बाजार में बनाए रखा है। इसी वजह से निसान अब इसका फेसलिफ्ट मॉडल पेश करने की तैयारी कर रहा है, जिसमें कई नई चीजें देखने को मिलेंगी।रिपोर्ट्स के अनुसार, 2024 निसान मैग्नाइट में नए रेडिएटर ग्रिल, फिर से डिजाइन किए गए हेडलैंप, अपडेटेड एलईडी डे-लाइट रनिंग लाइट्स, और नए डिजाइन के फ्रंट और रियर बंपर के रूप में कॉस्मेटिक बदलाव होंगे। इसके अलावा, नई डिज़ाइन के अलॉय व्हील्स और टेललाइट्स भी देखने को मिल सकती हैं। हालांकि, इसके डायमेंशन्स में बदलाव की उम्मीद नहीं है। 2024 निसान मैग्नाइट के इंजन में ज्यादा बदलाव नहीं होंगे। यह मौजूदा मॉडल के इंजन सेट के साथ ही आएगी, जिसमें 1.0-लीटर तीन-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और 1.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन शामिल हैं। नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन 5-स्पीड मैनुअल या 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स के साथ आता है, जबकि टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल मोटर 5-स्पीड मैनुअल और सीवीटी यूनिट ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ उपलब्ध है। केबिन के इंटीरियर में भी कुछ स्पोर्टी बदलाव किए जा सकते हैं, हालांकि इसका डिज़ाइन लेआउट पहले जैसा ही रहेगा। 2024 निसान मैग्नाइट का मुकाबला टाटा नेक्सन, मारुति सुजुकी ब्रेजा, हुंडई वेन्यू और महिंद्रा 3एक्सओ जैसी एसयूवी से होगा। इसके अलावा, यह रेनो काइगर, मारुति फ्रोंक्स और टाटा पंच से भी टक्कर लेगी। डैशबोर्ड में कुछ बदलाव होने की संभावना है, और इसमें सिंगल-पैन सनरूफ और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स भी हो सकते हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ ही 83.67 पर बंद हुआ। रुपये ने आज सुबह शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया और यह तीन पैसे कमजोर होकर 83.57 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप से रुपया एक निश्चित सीमा के भीतर स्थिर बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया। वह 83.54 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.57 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.54 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी बढ़त के साथ 100.92 पर रहा।

देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में 18 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली । दुनिया भर में कमजोर मांग की वजह से देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में गिरावट देखी गई है। आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 में सालाना आधार पर रत्न-आभूषण निर्यात 18 फीसदी घटकर 2.01 अरब डॉलर रह गया। जबकि अगस्त 2023 में यह 2.47 अरब डॉलर था। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के मुताबिक मासिक आधार पर निर्यात में तेजी देखने को मिली है। जुलाई में देश से 1.66 अरब डॉलर मूल्य के रत्न आभूषणों का निर्यात किया गया था। परिषद ने कहा है कि अमेरिका और चीन जैसे बाजारों में निर्यात बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

एसएंडपी ने भारत का वृद्धि अनुमान 6.8 फीसदी बरकरार रखा

नयी दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 6.8 प्रतिशत पर मंगलवार को बरकरार रखा और कहा कि उसे उम्मीद है कि आरबीआई अपनी अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देगा। एशिया प्रशांत के आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसमें कहा गया कि भारत में ठोस वृद्धि से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुद्रास्फीति को अपने लक्ष्य के अनुरूप लाने पर ध्यान केंद्रित कर सकेगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत में अप्रैल-जून तिमाही में उच्च ब्याज दरों ने शहरी मांग को प्रभावित किया और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर धीमी रही। हालांकि, यह समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए हमारे सकल घरेलू उत्पाद के 6.8 प्रतिशत की दर के अनुमान के अनुरूप है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। एसएंडपी ने कहा कि हमारा परिदृश्य यथावत बना हुआ है। हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई जल्द से जल्द अक्टूबर में दरों में कटौती शुरू कर देगा और चालू वित्त वर्ष में दो बार दरों में कटौती की योजना बनाएगा।

बाजार रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद फिसला , सपाट बंद

मुम्बई ।

घरेल शेयर बाजार मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में ये गिरावट मुनाफावसूली हावी होने से आयी। आज इंट्रा डे कारोबार के दौरान बाजार में जो तेजी थी वो शाम होते हुए निकल गयी। आज कारोबार के दौरान एक समय पर सेंसेक्स 85,163.23 के शीर्ष स्तर जबकि निफ्टी 26 हजार के उपर चला गया पर इसके बाद निवेशकों ने जमकर मुनाफावसूली शुरु कर दी जिससे बाजार नीचे आ गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 14.57 अंक करीब 0.02 फीसदी नीचे आकर 84,914.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 501.35 अंक तकरीबन 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ ही 25,940.40 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार आज भले ही काफी ऊपर आया पर ये तेजी अधिक समय टिक नहीं पायी। इसका एक कारण बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में गिरावट भी रही। निफ्टी बैंक आज 0.25 फीसदी गिर गया। इसमें भी निफ्टी पीएसयू क्क्ङ्घठ्ठद्म के शेयर ओवरऑल 0.86फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर 0.28 फीसदी नीचे आये। व्यापक बाजार में, स्मॉलकैप इंडेक्स 0.04 फीसदी गिरकर 57,475 पर बंद हुआ, जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.21 फीसदी बढ़कर 49,621 पर बंद हुआ। वहीं सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो मेटल स्टॉक्स का प्रदर्शन आज सबसे अच्छा रहा। निफ्टी मेटल 2.97फीसदी की बढ़त बनाकर बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी आईटी (0.61फीसदी), निफ्टी ऑटो (0.43फीसदी), निफ्टी ऑयल एंड गैस (0.38फीसदी), निफ्टी फार्मा (0.23फीसदी) और निफ्टी मीडिया (0.01फीसदी) की बढ़त बनाते हुए बंद हुए। निफ्टी पर बैंकिंग शेयरों के अलावा, एफएमसीजी (0.77फीसदी), रियल्टी (0.30फीसदी), हेल्थकेयर (0.04फीसदी) और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.20फीसदी) नीचे आये। निफ्टी के कुल 25 शेयर जबकि, सेंसेक्स के 15 शेयर आज लाभ के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाला शेयर टाटा स्टील (4.32फीसदी) रहे। इसके अलावा, हिंडाल्को, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, अदाणी एंटरप्राइजेज, एचसीएल टेक, ओएनजीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, विप्रो और सनफार्मा जैसे स्टॉक्स ने बढ़त बनाई। वहीं, सेंसेक्स पर टाटा स्टील (4.29 फीसदी) टॉप गेनर स्टॉक रहा। इसके अलावा, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक , महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्यू टॉप परफॉर्मर रहे।

निफ्टी पर आज सबसे बड़ी गिरावट

एसबीआई लाइफ के शेयरों में देखने को मिली। इसके शेयर 2.78 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलिवर, ग्रासिम, अल्ट्राटेक सीमेंट, श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, सिप्ला, हीरो मोटोकॉर्प, एचडीएफसी लाइफ, कोटक महिंद्रा बैंक, नेश्ले इंडिया जैसे स्टॉक्स के शेयर एक फीसदी से ज्यादा गिरे।

वहीं एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग पॉजिटिव सेक्टर में बंद हुए। शंघाई और हांगकांग के बाजार काफी ऊंचे स्तर पर पर बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजार भी ऊपर आये। अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। इससे पहले आज सुबह जब बाजार खुला तो शेयर बाजार में पिछले तीन दिनों से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया था। आज सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही गिरावट पर खुले। प्री ओपनिंग सेशन में सेंसेक्स 67.88 अंक 0.080 फीसदी की गिरावट के साथ 84,860.73 के लेवल पर खुला। वहीं, निफ्टी 17.60 अंक 0.068 फीसदी नीचे आकर 25,921.45 के स्तर पर खुला।

एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल के आईपीओ को दी मंजूरी

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के आईपीओ को मंजूरी दे दी है, जिसमें कंपनी 2,500 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस इश्यू का वैल्यूएशन 7-8 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है और यह दिसंबर तक सूचीबद्ध हो सकता है। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जो रिटेल और कॉरपोरेट सेक्टर में सिक्योर्ड और अनसिक्योर्ड लोन की विभिन्न श्रेणियों में सेवाएं प्रदान करती है। आईपीओ के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी जरूरी है, खासकर अक्टूबर 2022 के सर्कुलर के बाद, जब इसे अपर लेयर एनबीएफसी कैटेगरी में रखा गया था। एचडीएफसी बैंक की एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में 94.64 फीसदी हिस्सेदारी है। फिलहाल, आईपीओ के लिए बैंकरों का चयन किया जा रहा है। इसमें मॉर्गन स्टेनली, बैंक ऑफ अमेरिका, नोमुरा, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल और आईआईएफएल जैसी प्रमुख फर्मों को शामिल किया जा रहा है।

सेबी ने अनिल अंबानी के बेटे अनमोल पर 1 करोड़ का जुर्माना लगाया

रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ कृष्णन गोपालकृष्णन पर भी 15 लाख का जुर्माना

मुंबई ।

शेयर बाजार नियामक सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस मामले में सामान्य कॉरपोरेट लोन (जीपीसीएल) को मंजूरी देते समय उचित सतर्कता न बरतने पर उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे अनमोल अंबानी पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा सेबी ने रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर कृष्णन गोपालकृष्णन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि दोनों को 45 दिनों के भीतर यह राशि चुकानी होगी। यह आदेश अगस्त में सेबी द्वारा अनिल अंबानी और 24 अन्य लोगों को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के फंड डायवर्जन (धन की हेराफेरी) के मामले में पांच साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित करने के बाद आया है। साथ ही अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी ने सामान्य कॉरपोरेट लोन को मंजूरी दी थी, जबकि 11 फरवरी 2019 को कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने ऐसे किसी भी लोन को मंजूरी न देने का स्पष्ट निर्देश दिया था। इसके बावजूद अनमोल अंबानी ने 14 फरवरी 2019 को 20 करोड़ रुपये के लोन को मंजूरी दी थी। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी, जो कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक थे, ने अपने अधिकारों से बाहर जाकर कंपनी के हितों के खिलाफ काम किया। उन्होंने शेयरधारकों के हित में काम नहीं किया और न ही सावधानी और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन किया। सेबी ने यह भी बताया कि अनमोल अंबानी ने रिलायंस कैपिटल और रिलायंस होम फाइनेंस के बोर्ड में रहते हुए उचित सतर्कता का पालन नहीं किया। जीपीसीएल लोन के मामले में उन्होंने अन्य रिलायंस एडीएजी समूह की कंपनियों को फंड भेजने के मामले में भी उचित

जांच नहीं की। कृष्णन गोपालकृष्णन ने भी कई जीपीसीएल लोन को मंजूरी दी और उन लोन के क्रेडिट अप्रूवल मेमो में दर्ज महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में जानते थे। रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर के रूप में उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के तहत सही प्रक्रिया का पालन करना चाहिए था और कंपनी के सभी हितधारकों के हित में काम करना चाहिए था। दोनों अनमोल अंबानी और गोपालकृष्णन ने सेबी के लिस्टिंग ओब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट नियमों का उल्लंघन किया है।

चीन की ब्याज दरों में कमी की घोषणा से भारत में चमके मेटल शेयर

मुंबई । चीन के पीपल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा अगले सप्ताह में ब्याज दरों में कटौती की घोषणा का सीधा असर मंगलवार को भारतीय बाजारों के मेटल शेयरों पर नजर आया। भारत में सेंसेक्स और निफ्टी के फ्लैट कारोबार करने के बावजूद मेटल इंडेक्स 2 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं और मेटल इंडेक्स में शामिल सारे शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई पर मेटल शेयरों का कारोबार 32,420 पर शुरु हुआ, जबकि कल 32,178 पर बंद हुआ था। इस समय यह 2 फीसदी बढ़त के साथ 32,788 पर कारोबार कर रहा है। अमेरिका में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की घोषणा के कुछ ही हफ्तों बाद, चीन ने भी आर्थिक कदम उठाते हुए रिजर्व रिक्वायरमेंट रेशो में आधा प्रतिशत की कटौती की है। इस कटौती के बाद बैंकों को अब अपने पास नकदी का कम हिस्सा रखना होगा, जिससे बाजार में नकदी का प्रवाह बढ़ेगा। इसके साथ ही अगले एक हफ्ते में ब्याज दरों में भी कटौती की घोषणा की गई है।

गोवा में मंत्रियों की बैठक में होगी जीएसटी दरों की समीक्षा

नई दिल्ली । बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में छह सदस्यीय मंत्रियों का समूह गोवा में मंगलवार और बुधवार को जीएसटी दरों की समीक्षा करेगा। उर्वरक, हैंडलूम और टेक्सटाइल सहित 100 से अधिक उत्पादों पर कर दरों को लेकर चर्चा की जाएगी। इस पैनल की सिफारिशें नवंबर में होने वाली 55वीं वस्तु एवं सेवा कर काउंसिल की बैठक में पेश की जाएंगी। बैठक में रियल एस्टेट से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होगी, जिसमें एक मुआवजा योजना भी शामिल हो सकती है, जो इस सेक्टर पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। इस मामले से सीधे तौर पर जुड़े एक सूत्र के मुताबिक इस बैठक में 90-100 उत्पादों की दर को तार्किक बनाने के असर की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। समिति में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खीमसर और केरल के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल शामिल हैं। वर्तमान में जीएसटी का चार-स्तरीय कर ढांचा है जिसमें 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की दरें हैं। आवश्यक वस्तुओं पर या तो छूट दी गई है या उन्हें सबसे निचली दर पर टैक्स किया गया है, जबकि विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर उच्चतम 28 फीसदी की दर लागू होती है और उन पर अतिरिक्त उपकर भी लगाया जाता है। कुछ उत्पादों की दरों में बदलाव संभव हो सकता है लेकिन 12 और 18 फीसदी की दरों को मिलाना या 12 और 5 फीसदी की दरों को मिलाने जैसे बड़े सुधारों में समय लग सकता है।

पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के बढ़ते अवसर

विश्व पर्यटन दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपिय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। विश्व पर्यटन दिवस 2024 की थीम पर्यटन और शांति है। इस थीम का उद्देश्य है कि पर्यटन समुदायों को बदल सकता है। रोजगार पैदा कर सकता है। समावेश को बढ़ावा दे सकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर सकता है।

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विभिन्न उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

विशेषज्ञों द्वारा संभावना जताई जा रही है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत

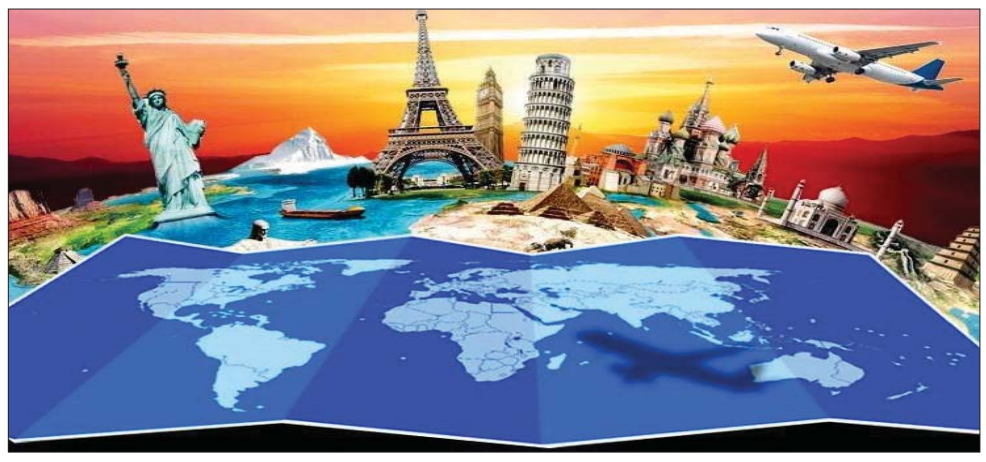

से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है।

पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा धारी व्यक्तियों के पर्यटक सूचना केंद्रों, ट्रैवल एजेंसी, होटल समूहो, विभिन्न हवाई कंपनियों के कार्यालयों टूर ऑपरेटर कंपनियों पर्यटन से जुड़ी पत्र-पत्रिकाओं, पर्यटक गाइड आदि में क्षेत्रों में काम करने का मौका अपेक्षाकृत आसानी से मिल सकता है। इस क्षेत्र में महिला कर्मियों की मांग भी तेजी से बढ़ने की पूरी संभावना है। पर्यटन प्रबंधन डिप्लोमा डिग्री धारी महिलाओं को विशेष रूप से उन पदों पर नियुक्ति के समय वरीयता दी जाती है जहां स्वागत करना या सूचना उपलब्ध कराने जैसे काम होते हैं। इसके पीछे तर्क दिया जाता है कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले कहीं अधिक सौम्य व मृदुभाषी होती है। वे नवागंतुक पर्यटक को आसानी से बातें समझा सकती है।

टूरिस्ट गाइड के रूप में काम करने के अवसर इस क्षेत्र में संख्या की दृष्टि से सर्वाधिक कहे जा सकते हैं। कुछ वर्षों तक पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं का अनुभव हासिल करने के बाद पर्यटन प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों के पर्यटन शिक्षा में अध्यापन भी किया जा सकता है।

देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रेजुएशन के बाद के स्तर के हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन क्षेत्र के भावी विस्तार को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरीखे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दो वर्ष की अवधि वाले इन पाठ्यक्रमों में दाखिला पाने की मारामारी को देखते हुए लगभग प्रत्येक संस्थान प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला देता है। इन विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थानों में भी अंशकालिक, पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है।

असल में पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती है। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठा जाए। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूंजी से शुरू किए जा सकते हैं। इसके लिए जरूरी नहीं कि आपके पास दो चार बस या कार हो। आप ट्रैवल एजेंट के तौर पर बुकिंग कर अन्य बस आपरेटरों से बस किराए पर लेकर भी टूर आयोजित करवा सकते हैं और अच्छा खासा कमीशन कमा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सीन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा टूर, दूरदराज के पर्यटक स्थलों तक आदि मुख्य है।

अब तो विदेशों में स्वीटजरलैंड, पेरिस, थाईलैंड, हॉन्गकांग, सिंगापुर, लंदन, अमेरिका, कनाडा, मालदीप, नेपाल जैसी जगहों के लिए भी पैकेज टूर बनाए जाने लगे हैं। इनमें स्थानीय भ्रमण से लेकर हवाई यात्रा और होटल में ठहरने तक का समस्त खर्च सम्मिलित होता है। तमाम हवाई कंपनियों के अधिकृत टिकट विक्रेता एजेंट के रूप में भी बेची गई टिकटों पर निर्धारित प्रतिशत कमीशन की कमाई की जा सकती है।

आज अधिकांश सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में पर्यटन प्रशिक्षण के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा भी देशभर में अनेकों निजी संस्थान पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण देती है। प्रशिक्षण के पश्चात सर्टिफिकेट भी दिए जाते हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग समय-समय पर प्रदेश में गाइडों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चयनित गाइडों को विभाग द्वारा गाइड का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जहां अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति पर्यटन के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकता है।

आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपिय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है। भारत में यह अभी भी 6.23 प्रतिशत ही है। जबकि पड़ोसी देशों चीन (8.6), इण्डोनेशिया (9.2), मलेशिया (12.9), श्रीलंका (8.8) तथा थाइलैण्ड (13.9) है जो हमसे बहुत अधिक है।

वर्तमान में भारत वैश्विक यात्रा व पर्यटन विकास सूचकांक-2024 में 15 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गया है। 2021 में भारत 54 वें पायदान पर था। सूचकांक में अमेरिका पहले, स्पेन दूसरे, जापान तीसरे, फ्रांस चौथे और ऑस्ट्रेलिया पांचवें स्थान पर है। वहीं, जर्मनी छठे, यूनाइटेड किंगडम सातवें, चीन आठवें और इटली नौवें स्थान पर काबिज हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

मुलाकात के निहितार्थ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा का समापन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ मुलाकात के साथ हुआ। दोनों नेता पिछले तीन महीने में तीसरी बार मिले। जाहिर है कि भारत रूस-यूक्रेन संघर्ष की समाप्ति की कोशिश में लगा है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच रूस-यूक्रेन विवाद पर ही चर्चा हुई होगी लेकिन मोदी ने ऐसा कोईसंकेत नहीं दिया जिससे पता चल सके कि शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की क्या योजना है। हालांकि यूक्रेन की ओर से यह संकेत अवश्य मिल रहा है कि वह अगला शांति सम्मेलन भारत में कराने के पक्ष में है। लेकिन यूक्रेन के इस प्रस्ताव पर भारत का रुख अभी स्पष्ट नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी इस शांति प्रक्रिया में भारत की भूमिका को लेकर फूंक-फूंक कर कदम उठा रहे हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष पर पिछले दिनों स्विटजरलैंड़ में शांति सम्मेलन हुआ था। उसका कोईठोस परिणाम सामने नहीं आया क्योंकि इस संघर्ष में शामिल एक पक्ष रूस इस शांति सम्मेलन में शामिल नहीं हुआ। भारत इसमें शामिल अवश्य हुआ था लेकिन सम्मेलन की समाप्ति के बाद जो संयुक्त विज्ञप्ति जारी हुई थी उस पर उसने हस्ताक्षर नहीं किए। भारत चाहता है कि अगर नई दिल्ली में शांति सम्मेलन हो तो उसमे रूस और यूक्रेन, दोनों शामिल हों। यह बहुत स्वाभाविक है कि किसी भी ऐसे शांति सम्मेलन में जब तक युद्धरत दोनों पक्ष शामिल नहीं होंगे तब तक इसका कोई औचित्य नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान अपनी इस बात को दोहराया कि भारत रूस-यूक्रेन के संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए जो भी संभव होगा वह करेगा। वस्तुतः इस संघर्ष के दूसरे देशों विशेषकर विकासशील और गरीब देशों पर पड़ने वाले कुप्रभावों को लेकर भी भारत चिंतित है। दशकों पहले भारत तीसरी दुनिया की अगुवाई करने वाला प्रमुख देश था। ग्लोबल साउथ का नेता कौन होगा, इसे लेकर भारत और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा हो रही है। एक लोकतांत्रिक और मुक्त समाज के रूप में भारत की दावेदारी पुख्ता है। पिछले दिनों चीन ने भी रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए पहल की थी। विकास यात्रा में भारत भले ही चीन से पीछे है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की कूटनीतिक सक्रियता के कारण भारत के प्रभाव में बढ़ोतरी हो रही है। देखा जाना है कि आने वाले कुछ महीनों में शांति प्रक्रिया में भारत की भागीदारी के क्या नतीजे सामने आते हैं।

चिंतन-मनन

सतोगुण और तमोगुण का फर्क

सतोगुण में ज्ञान के विकास से मनुष्य यह जान सकता है कि कौन क्या है, लेकिन तमोगुण तो इसके सर्वधा विपरीत होता है. जो भी तमोगुण के फेर में पड़ता है, वह पागल हो जाता है और पागल पुरुष यह नहीं समझ पाता कि कौन क्या है! वह प्रगति करने के बजाय अधोगति को प्राप्त होता है। वैदिक साहित्य में तमोगुण की परिभाषा दी गई है कि अज्ञान के वशीभूत होने पर कोई मनुष्य किसी वस्तु को यथारूप नहीं समझ पाता। उदाहरणार्थ, प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि मनुष्य मत्र्य है और मृत्यु ध्रुव है। फिर भी लोग पागल होकर धन संग्रह करते हैं और नित्य आत्मा की चिन्ता किये बिना अहर्निश कठोर श्रम करते हैं। अपने पागलपन में वे आध्यात्मिक ज्ञान में कोई उन्नति नहीं कर पाते। ऐसे लोग आलसी होते हैं। जब उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान में सम्मिलित होने के लिए आमत्रित किया जाता है, तो वे अधिक रुचि नहीं दिखाते। वे रजोगुणी व्यक्ति की तरह भी सक्रिय नहीं रहते। तमोगुण में लिप्त व्यक्ति का एक अन्य गुण यह भी है कि वह आवश्यकता से अधिक सोता है। ऐसा व्यक्ति सदैव निराश प्रतीत होता है और भौतिक द्रव्यों तथा निद्रा के प्रति व्यसनी बन जाता है। इसके विपरीत सतोगुणी पुरुष अपने कर्म या बौद्धिक वृत्ति से उसी तरह सन्तुष्ट रहता है, जिस प्रकार दार्शनिक, वैज्ञानिक या शिक्षक अपनी-अपनी विधाओं में निरत रहकर सन्तुष्ट रहते हैं। रजोगुणी व्यक्ति सकाम कर्म में लग सकता है। वह यथासंभव धन प्राप्त करके उसे उत्तम कार्य में व्यय करता है। कभी-कभी वह अस्पताल खोलता है और धर्मार्थ संस्थाओं को दान देता है। लेकिन तमोगुणी तो अपने ज्ञान को ढक लेता है। तमोगुण में रहकर मनुष्य जो भी करता है, वह न तो उसके लिए, न किसी अन्य के लिए हितकर होता है। जब तमोगुण प्रधान होता है तो रजो तथा सतोगुण परास्त हो जाते हैं। यह प्रतियोगियता निरन्तर चलती रहती है। अतएव जो कृष्णभावनामृत में वास्तव में उन्नति करने का इच्छुक है, उसे इन तीनों गुणों को लांघना पड़ता है।

क्यों जरूरी हुआ बच्चों को सोशल मीडिया से दूर करने का

आर.के. सिन्हा

अगर आप अपने आसपास किसी भी उम्र के इंसान से अनौपचारिक बात कर लें, तब आपको पता चल जाएगा कि आज के समय सोशल मीडिया का लत हमारे सारे समाज को दीमक की तरह खा रहा है। इसकी गिरफ्त में नादान बच्चे खासतौर पर आ चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया सोशल मीडिया के उपयोग के लिए न्यूनतम आयु सीमा लागू करने पर विचार कर रहा है। वहां पर 14 से 16 साल के बच्चों तक को सोशल मीडिया से दूर रखा जा सकता है। इसका उद्देश्य बच्चों को डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक समय बिताने की बजाय खेल कूद के मैदान से जोड़ना है। क्या इस तरह का कोई कदम भारत में नहीं उठाया जाना चाहिए? यह जानने के लिए रॉकेट साइंट पढ़ने की जरूरत नहीं है कि सोशल मीडिया ने हमारे अपने देश में बच्चों को खेलों के मैदानों और अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों तक से भी दूर कर दिया है। आप अपने घर और आसपास के बच्चों को देख लें। वे फेसबुक, व्हाटअप, इंस्टा आदि से चिपके रहते हैं। आप देश के किसी भी शहर के किसी स्टेडियम में चले जाइये। वहां पर बुजुर्ग सैर करते हुए तो मिल जाएँगे पर आपको बच्चे बहुत ही कम संख्या में खेलते हुए मिलेंगे। हालांकि आज से बीसेक साल पहले तक राजधानी दिल्ली से लेकर छोटे शहरों के सारे मैदानों में बच्चे खेलते-कूदते नजर आ जाते थे। राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, तालकटोरा स्टेडियम, नेशनल स्टेडियम और दूसरे मैदानों में बच्चे प्रैक्टिस करते हुए खूब पसीना बहाते थे। वह अपने कोचों की देखरेख में प्रेक्टिस कर रहे होते थे। पर पिछले कुछ वर्षों से देख लें क्या हो गया है बच्चों। का हाल। जब बच्चे खेलेंगे ही नहीं तो देश को ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक कहां से मिलेंगे? क्या कोई हमें पदक मुफ्त में ही दे देगा?

चीन में भी नाबालिगों के सोशल मीडिया के उपयोग पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कानूनी रूप से रोक लगा दी गई है। यह सही है कि आज के समय में सोशल मीडिया हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। लेकिन, इसका अंधाधुंध इस्तेमाल, खासकर बच्चों के लिए, बहुत खतरनाक साबित हो रहा है। सोशल मीडिया से बच्चे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शोषण, और अनेकों प्रकार के व्यसनों का शिकार हो रहे हैं। इसलिए, बच्चों को इन दुष्प्रभावों से बचाना हमारी अहम जिम्मेदारी हो गई है।

बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए कुछ जरूरी कदम तो उठाने ही होंगे। उदाहरण के रूप में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की उम्र सीमा का पालन हो और बच्चों को उचित आयु तक इन प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से रोका जाए। बच्चों के लिए उचित आयु सीमा वाले विशेष ऐप्स और वेबसाइटों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना भी जरूरी है।

मैं मानता हूं कि समय आ गया है कि माता- पिता और स्कूल के अध्यापकों को बच्चों से सोशल मीडिया के बारे में नियमित रूप से खुली बातचीत करें। उन्हें इसके फायदे और नुकसान दोनों के बारे में बताया जाये। हमें बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों के बारे में भी लगातार प्यार से पूछताछ करनी चाहिए। उन्हें खेलों के अलावा संगीत, नृत्य या किसी अन्य मनोरंजक गतिविधियों से जोड़ा जा सकता है। नोएडा में भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व खिलाड़ी अनादि बरूआ बच्चों को फुटबॉल की कोचिंग देते हैं। इसी तरह से साउथ दिल्ली में मशहूर बैडमिंटन खिलाड़ी और बैडमिंटन रैफरी तुलसी दुरेजा बच्चों को बैडमिंटन के गुर बताते-सिखाते हैं। अनादि बरूआ और तुलसी दुरेजा जैसे पूर्व खिलाड़ी देश के सभी छोटे-बड़े शहरों में कोचिंग दे रहे हैं। यह बहुत मामूली सी फीस लेते हैं। माता-पिता को चाहिए कि वह इस तरह के नामी खिलाड़ियों के पास अपने बच्चों को ले जाएं। जाहिर है कि जब बच्चे खेलेंगे तो उनके पास सोशल मीडिया के लिए वक्त ही नहीं बचेगा।

बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना एक कठिन काम हो सकता है, लेकिन यह उनके कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। मैं मानता हूं कि अगर परिवार के सदस्य पहले की तरह एक साथ खाने, खेलने और बातचीत में समय व्यतीत करें तो भी सोशल मीडिया से दूरी बनाई जा सकती है। याद करें उस दौर की जब सारा परिवार घर के मुखिया के साथ सुबह-शाम को साथ बैठकर भोजन करता था। अब कितने परिवारों में भोजन सब मिल-बैठकर साथ-साथ करते हैं। अब तो परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए भोजन भी अलग-अलग तरह का पक रहा होता है। यानी घर अब होटल बन गया है। जैसे होटल के अलग-अलग कमरों में ठहरने वाले लोग रूम सर्विस से अपने पसंद का खाना मँगवाते है, वही अब घरों में भी होने लगा है ! क्या पहले यह होता था? यह तो भारतीय संस्कार नहीं थे। यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है कि बच्चे अपने माता-पिता के व्यवहार से ही सीखते हैं। यदि आप खुद सोशल मीडिया का लगातार इस्तेमाल करते हैं, तो बच्चों के लिए इसका उपयोग सीमित करना मुश्किल होगा। बच्चों के माता-पिता और अभिभावकों को चाहिये कि सोशल मीडिया के उपयोग के बारे में अपने व्यवहार से एक अच्छा उदाहरण स्थापित करने का प्रयास करें। अब घर के बड़े सदस्य भी फेसबुक या इंस्टा पर अपनी फोटो डाल रहे होते हैं। उसके बाद कई उत्साही लोग तो अपने दोस्तों को फोन भी करते हैं कि उनकी पोस्ट पर लाइक या कमेंट करें। जब अभिभावक ही सोशल मीडिया को दिन-रात वक्त देने लगे हैं तो वह अपने बच्चों को इससे कैसे दूर कर सकेंगे। उन्हें इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा। आप अपने घर के सदस्यों पर डाइनिंग रूम या बेडरूम में सोशल मीडिया से जुड़ने पर रोक लगा सकते हैं।

आप अपने बच्चों से बात कर सकते हैं कि सोशल मीडिया को बहुत वक्त देना क्यों सही नहीं है। उन्हें साइबरबुलिंग के बारे में बताएं। अब यह भी जान लें कि साइबरबुलिंग क्या है? दरअसल साइबरबुलिंग डिजिटल तकनीकों के इस्तेमाल से की जाने वाली बदमाशी है। यह सोशल मीडिया, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, गेमिंग प्लेटफॉर्म और मोबाइल फोन पर हो सकती है। इसका उद्देश्य लोगों को डराना या शर्मिंदा करना है। अब आप इसे कुछ उदाहरणों से भी समझ लें। सोशल मीडिया पर किसी के बारे में झूठ फैलाना या उसकी शर्मनाक तस्वीरें या वीडियो पोस्ट करना। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपमानजनक या धमकी भरे संदेश, चित्र या वीडियो भेजना। साइबर बुलिंग के शिकार लोगों पर इसका बहुत गहरा असर पड़ता है। इसलिए माता-पिता या घर के किसी बड़े सदस्य को चाहिए कि वह सोशल मीडिया में दिन-रात बर्बाद करने वाले सदस्य को इसके खतरों से आगाह करें।

लखपति दीदी योजना : आर्थिक विकास का नया अध्याय

सोनम लववंशी

महिला सशक्तिकरण का मुद्दा देश में लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है, लेकिन इसके लिए ठोस प्रयास कम ही देखने को मिलते हैं। इस संदर्भ में मोदी सरकार द्वारा 15 अगस्त, 2023 को शुरू की गई 'लखपति दीदी योजना' महत्त्वपूर्ण कदम है। यह योजना न केवल ग्रामीण, बल्कि शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को भी आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसके तहत महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने और उनकी आय में वृद्धि के प्रयास किए जा रहे हैं।

लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाओं को स्किल डवलपमेंट ट्रेनिंग देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। लगभग 2 करोड़ महिलाओं को योजना के तहत ट्रेनिंग दी जा चुकी है, जिससे वे एलईडी बल्ब निर्माण, प्लंबिंग और ड्रोन रिपेयरिंग जैसे तकनीकी कार्यों में दक्ष हो रही हैं। योजना में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को विशेष लाभ मिल रहा है। इस योजना के तहत एक करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं, और पिछले 100 दिनों में लगभग 11 लाख महिलाओं ने इसका लाभ उठाया है। बैंक सखी, कृषि सखी, पशु सखी और नमो ड्रोन दीदी जैसी पहलों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार के नये अवसर मिल रहे हैं, तथा वे सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाएं कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों में योगदान दे रही हैं। योजना के तहत कुटीर उद्योग, पोषण आहार, स्वच्छता अभियान और परिवहन जैसे क्षेत्रों में भी काम कर रही हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए योजना के तहत सरकार ने 2500 करोड़ रुपये का रिवॉल्विंग फंड़ और 5000 करोड़ रुपये का बैंक ऋण प्रदान किया है। देश भर में लगभग 92 लाख स्वयं सहायता समूहों में 10 करोड़ से अधिक महिलाएं शामिल हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

लखपति दीदी योजना के साथ-साथ मोदी सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अन्य योजनाओं की भी शुरूोआत की है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान और 'सुकन्या समृद्धि योजना' के माध्यम से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। 'उज्ज्वला योजना' के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली और उन्हें सुरक्षित ईंधन का उपयोग करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और जनधन योजना के तहत करोड़ों महिलाओं के खातों में सीधे वित्तीय सहायता पहुंचाई जा रही है। 'जल जीवन मिशन' जैसे प्रयासों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को नल से शुद्ध जल मिलना संभव हो गया है। इस पहल ने महिलाओं के जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, जिससे वे अधिक समय अपने विकास में लगा सकती हैं।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में खेलों का भी महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। 'खेलो इंडिया' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से भारत की बेटियों ने ओलंपिक और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का गौरव बढ़ाया है। महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए सरकार ने बेटियों के लिए सैनिक स्कूलों के दरवाजे भी खोले हैं, जिससे सेना में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है। सेना में महिला अधिकारियों को उच्च पदों पर नियुक्ति और नई भर्ती के अवसर दिए जा रहे हैं। तीन तलाक के खिलाफ कानून बना कर मुस्लिम महिलाओं को नया अधिकार दिया गया है, जिससे उनका जीवन और भविष्य सुरक्षित हुआ है। महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में भी मोदी सरकार ने महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' इस बात का प्रमाण है कि सरकार महिलाओं को राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके माध्यम से महिलाओं को राजनीति में अधिक भागीदारी का अवसर मिलेगा जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभा सकेंगी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी भारतीय महिलाएं उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। स्टार्टअप से लेकर स्पेस तक, भारतीय महिलाओं ने अपने कार्यों से देश का मान बढ़ाया है। हाल के वर्षों में महिलाओं ने विज्ञान, तकनीकी और नवाचार के क्षेत्रों में अद्वितीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जो उनके सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक संकेत है। लखपति दीदी योजना और महिला सशक्तिकरण की अन्य योजनाएं भारत में

महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिति को सुदृढ़ कर रही हैं। महिलाओं का सशक्तिकरण आर्थिक उन्नति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र की समृद्धि का आधार भी है। महिलाएं सशक्त होंगी, तो परिवार, समाज और राष्ट्र भी सशक्त होंगे। यही कारण है कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि वे अपनी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग कर सकें।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आमिर खान का बेटा था इसलिए मिली महाराज

जुनैद खान ने खुलासा किया है कि अगर वे आमिर खान के बेटे नहीं होते तो शायद उन्हें फिल्म महाराज में काम नहीं मिलता। हालांकि जुनैद ने इस फिल्म के लिए ऑडिशन भी दिया था। हाल ही में उन्होंने अब तक के वर्क एक्सपीरियंस को शेयर किया। जुनैद ने यह भी बताया कि उन्होंने आमिर की फिल्म लाल सिंह चड्ढा के लिए ऑडिशन दिया था। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी कुछ हिस्सा आपको मिलता है, कुछ नहीं मिलता। यह सच है कि महाराज से पहले मैंने कुछ ऑडिशन दिए थे। वो उस वक्त नहीं हो पाया।' जुनैद ने आगे कहा, 'हां, पापा पहले इसके (लाल सिंह चड्ढा) बारे में बात कर चुके हैं। जब मैंने इसके लिए टेस्ट दिया था तब पापा को टेस्ट काफी पसंद आया था। लेकिन फिल्म के बजट की वजह से नए एक्टर के साथ वो फिल्म नहीं बन सकती थी। इस कारण उस फिल्म में मुझे काम करने का मौका नहीं मिला।'

फिल्म महाराज से जुनैद ने किया बॉलीवुड डेब्यू

जुनैद खान ने फिल्म महाराज से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इस फिल्म का डायरेक्शन सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने किया है। फिल्म में जुनैद के अलावा जयदीप अहलावत, शालिनी पांडे और शरवरी जैसे सेलेब्स ने काम किया है। फिल्म की कहानी एक सेंसिटिव मुद्दे पर बेस्ड है, इसलिए इसे लेकर कॉन्ट्रोवर्सी भी हुई थी। इसके बाद ही फिल्म को थिएटर्स की जगह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया।

ऑडिशन का वीडियो देख आदित्य चोपड़ा ने फिल्म में कास्ट करने का मन बनाया

प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा ने जुनैद का एक साल पुराना ऑडिशन का वीडियो देखा था। जुनैद ने अपने पिता आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा के लिए ऑडिशन दिया था। आदित्य चोपड़ा को जुनैद का वो वीडियो काफी पसंद आया था। इसी के बाद उन्होंने जुनैद को फिल्म में लेने का मन बना लिया था। जुनैद ने कहा था, 'आदित्य सर ने मुझे बुलाया और महाराज की स्क्रिप्ट दी। उन्होंने कहा कि फर्स्ट हाफ पूरा पढ़कर सुनाओ। मैंने सुनाई तो उन्होंने ज्यादा कुछ रिएक्शन नहीं दिया। बस इतना कहा कि बढ़िया किए, चलो काम शुरू करते हैं।' जुनैद ने यह भी बताया था कि अभी उनके पास दो फिल्में पाइपलाइन में हैं। एक फिल्म वो अपने पिता आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ साउथ की एक्ट्रेस साई पल्लवी नजर आएंगी। इसके अलावा दूसरी फिल्म में वे खुशी कपूर के साथ दिखेंगे।

मेरे पास घर के बैनर से लॉन्च होने वाला ऑप्शन ही नहीं था

बॉलिवुड में फिल्मी परिवारों से आने वाले एक्टर्स की लिस्ट में एक और नाम शामिल होने जा रहा है। यह नाम है अंजिनी धवन, जो जाने-माने फिल्म निर्देशक डेविड धवन के भाई अनिल धवन की पोती हैं। अंजिनी दादा-पोती के रिश्ते के बहाने पीढ़ीगत खाई जैसे जरूरी विषय पर बनी फिल्म बिन्नी और फैमिली से पर्दे पर दस्तक देने जा रही हैं।

आपके दादा (चचेरे) डेविड धवन खुद इतने नामी निर्माता-निर्देशक हैं। कभी उनके बैनर से लॉन्च होने को लेकर चर्चा हुई या वरुण धवन की तरह पहले दूसरे मेकर्स का विश्वास जीतकर खुद को साबित करना चाहती थीं?

सच कहूं, मेरे पास घर से लॉन्च होने वाला ऑप्शन ही नहीं था। मेरी फैमिली इस मामले में काफी सख्त है। उनका मानना यह है कि आपको जो हासिल करना है, खुद करना है तो ऐसा एक भी पल नहीं था, जब मैंने यह सोचा हो कि अरे, मैं तो घर के बैनर से लॉन्च हो जाऊंगी। अगर मेरे पास वो ऑप्शन होता ना, तो निश्चित तौर पर मैं सोचती, पर वह था ही नहीं। मैंने बचपन से यही माहौल देखा है कि मेरे दिमाग में यह ख्याल ही नहीं आया। उन्होंने मेरे डैड को लॉन्च नहीं किया, जब वह ऐक्टिंग करना चाहते थे। उन्होंने रोहित भैया (धवन) को लॉन्च नहीं किया। वरुण भैया को नहीं किया तो वही बात मेरे पर भी लागू होती है।

फिल्म में आप पंकज कपूर, जो खुद ऐक्टिंग के इंस्टीट्यूशन हैं, के साथ काम कर रही हैं। राजेश कुमार आपके पिता बने हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा उनसे क्या सीखा?

असल में राजेश सर मेरे पापा (सिद्धार्थ धवन) के बहुत अच्छे दोस्त हैं। दोनों साथ में काम भी कर चुके हैं। यह मुझे अपने लुक टेस्ट के दिन पता चला। वे दोनों एक दूसरे से जिस गर्मजोशी से मिले, मैं थोड़ी हैरान थी, मगर उस वजह से मैं उनके साथ काफी सहज हो गई। पंकज जी वाकई ऐक्टिंग के संस्थान हैं। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं कि मुझे पहली ही फिल्म में उनके साथ काम करने को मिला। वह हमेशा मेरी पहली फिल्म के को-स्टार पंकज रहेंगे, जो बहुत स्पेशल बात है। मैंने देखा कि वह कभी अपने या खुद की परफॉर्मेंस के बारे में उतना नहीं सोचते। वह सीन को बेहतर बनाने के बारे में ज्यादा सोचते हैं और सबका पार्ट देखते हैं। सिर्फ अपने सीन की नहीं सोचते और यह एक चीज है जो मैं खुद भी करना चाहूंगी।

आपके फिल्मों में आने के साथ ही आपके साथ एक और स्टारकिड वाला टैग जुड़ चुका है। इस पर काफी चर्चा भी हुई है कि आप लोगों को आसानी से फिल्में मिल जाती हैं। आप इस स्टारकिड टैग के फायदे-नुकसान क्या मानती हैं?

इस टैग का नुकसान यह है कि मैं चाहे जितनी भी मेहनत करूं, हमारे बारे में लोगों की यही सोच होगी कि ये फिल्म फैमिली से है, तो इनके लिए बहुत आसान रहा होगा। यह जजमेंट निश्चित तौर पर एक नुकसान है। वहीं, फायदा यह है कि मुझे किसी भी सलाह की जरूरत हो तो मैं काफी अनुभवी लोगों को फोन करके पूछ सकती हूं। मैं वरुण भैया को पूछ सकती हूं कि आपको क्या लगता है।

आपके घर में इतने एक्टर्स-डायरेक्टर हैं। आप किससे सलाह-मशविरा करती हैं?

मैं सबके अनुभवों का बहुत फायदा उठाती है। जब पीआर और मार्केटिंग की बात होती है तो मैं वरुण भैया से पूछती हूं, क्योंकि वह उसमें काफी अच्छे हैं। उन्होंने मुझे कहा कि बस कॉन्फिडेंट रहो और अपने काम के प्रति ईमानदार रहो, सब ठीक होगा। जब कोई स्क्रिप्ट की बात होती है तो मैं अपने डैड या रोहित (डायरेक्टर रोहित धवन) भैया से पूछती हूं। अपने सारे ऑडिशन मैं दादा से अप्रूव कराती हूं तो निश्चित तौर पर सबसे थोड़ा-थोड़ा मार्गदर्शन लेती हूं।

इस निर्देशक के साथ पहली फिल्म करना चाहती थीं शरवरी, शॉर्टलिस्ट हो गई...

शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी वाईआरएफ की जासूसी फिल्म अल्फा को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। शरवरी इन दिनों आलिया भट्ट के साथ फिल्म अल्फा की शूटिंग में व्यस्त हैं। वह अपनी हालिया फिल्म मुंजा, महाराज और वेद की सफलता का भी आनंद ले रही हैं। शरवरी ने कबीर खान की द फॉरगॉटन आर्मी- आजादी से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, लेकिन उससे पहले, उन्होंने संजय लीला भंसाली की बाजीराव मस्तानी में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया। हाल ही में, उन्होंने खुलासा किया कि वह अपनी पहली फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ करना चाहती थीं, लेकिन फिल्म में सेलेक्ट होने के बावजूद भी कुछ ऐसा हुआ कि अपनी पहली फिल्म संजय के साथ नहीं कर पाईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान शरवरी ने खुलासा किया कि वह रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म बाजीराव मस्तानी में सहायक निर्देशक बन गईं, जब वह फिल्म निर्माता द्वारा निर्मित एक फिल्म के लिए ऑडिशन देने गईं तो कुछ ऐसा हुआ, जो उन्होंने कभी सोचा नहीं था। शरवरी ने कहा, मुझे संजय सर के प्रोडक्शन हाउस के साथ एक फिल्म करनी थी। मैंने इसके लिए ऑडिशन दिया था और शॉर्टलिस्ट हो गई थीं लेकिन चीजें योजना के अनुसार नहीं हुईं और फिल्म को नहीं बनाया गया। इस तरह से मिला संजय के साथ काम करने का मौका शरवरी ने कहा, कुछ तकनीकी कारणों से उस फिल्म पर थोड़ा विराम लग गया। उन्हें कुछ सोचना पड़ा और स्क्रिप्ट पर फिर से काम करना पड़ा। आगे शरवरी ने कहा, उस दौरान, जब संजय ने उनसे पूछा कि क्या वह उनकी सहायता कर सकती है। उसने बताया कि बाजीराव मस्तानी भी निर्माण में थी और शरवरी ने बाजीराव मस्तानी में इंटर्नशिप करने की इच्छा व्यक्त की। फिर क्या संजय सहमत हो गए और उन्हें अपनी फिल्म बाजीराव मस्तानी में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया। काम की बात करें तो शरवरी इन दिनों आलिया भट्ट के साथ शिव रवैल की अल्फा की शूटिंग में व्यस्त हैं। अल्फा वाईआरएफ की एक्शन ड्रामा जासूसी फिल्म है। जो कथित तौर पर 2025 में सिनेमाघरों हो सकती हैं। दोनों ने हाल ही में कश्मीर शेड्यूल पूरा किया और सेट से तस्वीर साझा की।

कपिल शर्मा के शो में करण जौहर ने कहा, उन्हें रातों को नींद नहीं आती

फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का निर्देशन करने वाले बॉलीवुड फिल्म मेकर करण जौहर ने कहा कि वह नींद न आने की समस्या से पीड़ित हैं। फिल्म निर्माता, अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ स्ट्रीमिंग कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में दिखाई दिए, जहां उन्होंने शो में खूब मस्ती की। शो के एक सेगमेंट के दौरान, कपिल ने कहा कि अक्सर ऐसा होता है कि अगर लोग अपने सामान्य समय से पहले बिस्तर पर चले जाते हैं, तो उन्हें नींद आने में मुश्किल होती है, उन्होंने आलिया से पूछा कि क्या उनके साथ भी ऐसा कुछ होता है। करण जौहर ने बीच में टोकते हुए कहा कि उन्हें सोने में परेशानी होती है, इससे पहले उन्होंने कहा कि मैं आसानी से नहीं सो पाता, न खुद के साथ न किसी और के साथ। हाल ही में करण जौहर ने डॉटर्स डे मनाते हुए अपने इंस्टाग्राम पर अपने बच्चों यश और रूही के साथ इस खास दिन पर एक रील वीडियो शेयर की। वीडियो में करण फ्रेम से बाहर हैं,वह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं , हम डॉटर्स डे और संस डे मना रहे हैं, इस मौके पर यश और रूही के नाम वाला चॉकलेट केक जुड़वा बच्चों के सामने रखा गया है। रूही ने करण के बाद कहा, कि मैं चाहती हूं कि आप हर दिन मेरे डैडी रहो। करण ने कैप्शन में लिखा, समानता एक ऐसी चीज है, जिस पर मैं बहुत दृढ़ता से विश्वास करता हूं और जिसे मेरी मां ने मुझे सिखाया है। मेरे पिता भी महिलाओं का सम्मान करते थे। चाहे वे सशक्तिकरण को पूरी तरह से समझ या व्यक्त करने में सक्षम न हों, लेकिन उनके कार्यों ने उनकी मूल मान्यताओं को दोहराया।

नितांशी ने खास अंदाज में किया किरण राव का शुक्रिया

फिल्म लापता लेडीज को भारत की तरफ से आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में ऑस्कर अवॉर्ड्स में भेजा जा रहा है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इसका एलान किया, जिसके बाद किरण राव ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया। लापता लेडीज को ऑस्कर में भेजे जाने की खबर से फिल्म के सितारे बेहद खुश हैं। इस फिल्म में फूल कुमारी का किरदार अदा करने वाली नितांशी ने किरण के पोस्ट पर कमेंट कर उनका शुक्रिया अदा किया है। नितांशी ने लिखा है, किरण मैम आपने तो बहुत सपने पूरे कर दिए, मैं अब भी सोच रही हूं कि क्या यह सच है। किरण राव ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।

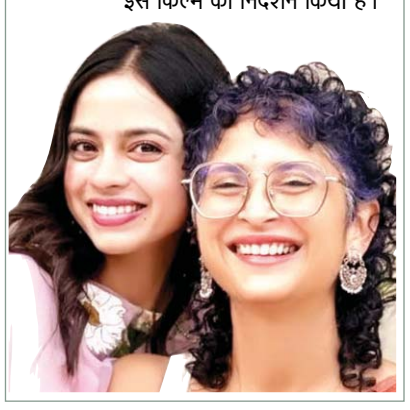

ये हैं दिलजीत दोसांझ की आने वाली फिल्में, 2026 तक के लिए तैयार रहे दर्शक

दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने म्यूजिक टूर 'दिल-लुमिनाती के कारण सुर्खियों में बने हुए हैं। विदेशी जमीन पर परफॉर्म करने के बाद अब वो भारत में परफॉर्म करने वाले हैं। इस टूर के भारतीय चरण की शुरूआत 26 अक्टूबर को नई दिल्ली से होगी। उसके बाद वो हैदराबाद, पुणे, कोलकाता, अहमदाबाद और लखनऊ में भी प्रस्तुति देंगे। शो के टिकट के महंगे दाम को लेकर कई लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया है। खैर, अपनी संगीत की दुनिया के अलावा दिलजीत अपनी अभिनय वाली दुनिया को लेकर भी चर्चा में हैं। आने वाले दिनों में उनकी कई फिल्में रिलीज होने वाली है।

बॉर्डर 2

दिलजीत दोसांझ की आने वाली सभी फिल्मों में से उनके प्रशंसकों को बॉर्डर 2 का सबसे ज्यादा इंतजार है। इस फिल्म में वो सनी देओल के साथ दिखेंगे। दिलजीत ने इस जानकारी को साझा करते हुए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा था कि पहली गोली दुश्मन चलाएगा और आखिरी गोली हम! दिलजीत के प्रशंसक उन्हें दुश्मनों पर वार करते हुए देखेंगे। इस फिल्म का पहला भाग 1997 में रिलीज हुआ था। बॉर्डर 2 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

नो एंट्री

कॉमेडी फिल्म नो एंट्री के दूसरे भाग नो एंट्री 2 में भी दिलजीत दोसांझ नजर आएंगे। इसमें वो लोगों को गुदगुदाते हुए दिखेंगे। लोग वैसे भी दिलजीत के कॉमेडी अवतार को काफी पसंद करते हैं। उनके अलावा इस फिल्म में वरुण धवन और अर्जुन कपूर भी काम करेंगे। फिल्म का निर्माण बोनी कपूर कर रहे हैं और अनीस बज्मी इसे डायरेक्ट करेंगे। इसका पहला भाग 2005 में रिलीज हुआ था।

सरदार जी 3

सरदार जी एक पंजाबी हॉरर कॉमेडी फ्रेंचाइजी है। दिलजीत दोसांझ ने जुलाई 2024 में इस फिल्म का एलान किया था। इसे 27 जून, 2025 को रिलीज किया जाएगा। इसका पहला भाग 2015 में आया था, जिसमें दिलजीत और नीरू बाजवा की हिट जोड़ी दिखी थी। दूसरा भाग 2016 में आया था। इसमें सोनम बाजवा, मोनिका गिल, जसविंदर भल्ला और यशपाल शर्मा समेत कई कलाकारों ने काम किया था। सरदार जी 3 का निर्माण व्हाइट हिल स्टूडियो के गुणबीर सिंह सिद्धू और मनमोर्द सिद्धू स्टोरी टाइम प्रोडक्शंस के साथ मिलकर करेंगे।

रन्ना च धन्ना

दिलजीत दोसांझ एक और पंजाबी फिल्म रन्ना च धन्ना में दिखेंगे। इसमें उनके साथ सोनम बाजवा और शहनाज गिल भी काम करेंगी। तीनों को इससे पहले 2021 में आई फिल्म हौसला रक्ख में एक साथ देखा गया था। रन्ना च धन्ना के पोस्टर को हाल ही में जारी किया गया है। इसकी रिलीज डेट से भी परदा उठा दिया गया है। फिल्म 2 अक्तूबर, 2024 को रिलीज होगी।

करीना ने की लापता लेडीज की तारीफ, ऑस्कर 2025 के लिए दी शुभकामनाएं

अभिनेत्री करीना कपूर ने हाल ही में 'लापता लेडीज' के ऑस्कर 2025 में आधिकारिक प्रस्तुति पर शुभकामनाएं दी हैं। करीना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी साझा की। स्टोरी साझा करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'महान कहानियों को महान पहचान मिलनी चाहिए। अभिनेत्री ने पूरी टीम को बधाई दी और लिखा, 'आप लोगों के लिए बहुत खुश हूं'। निर्देशक किरण राव ने बाद में इंस्टाग्राम पर एक नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस सफलता के लिए पूरी टीम को श्रेय दिया।

प्रधानमंत्री ने शतरंज ओलंपियाड विजेताओं से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने आवास पर शतरंज ओलंपियाड विजेजा खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें जीत की बधाई देते हुए कहा कि ये एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। साथ ही कहा कि जीत की सोच ही आपको विजेता बनाती है। भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने शतरंज आलंपियाड के दोनो ही वर्गों में स्वर्ण पदक जीत है। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से कहा कि आपकी इस सफलता से पूरे देश में खुशी की एक लहर है।

खिलाड़ियों से मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें प्रधानमंत्री को खिलाड़ियों के साथ बातचीत करते हुए, उनके अनुभवों को सुनते हुए और उनके खेल से जुड़े कई मुद्दों पर बातचीत करते हुए सुना जा सकता है। प्रधानमंत्री ने शतरंज के खेल को बेहतर बनाने के लिए एआई के इस्तेमाल पर भी इन विजेताओं से सवाल पूछा, जिस पर ग्रैंड मास्टर आर प्रगनानंदा ने कहा, एआई के साथ, शतरंज का भी विकास हुआ है, नया सॉफ्टवेयर है और कंप्यूटर शतरंज में नए विचार दिखा रहे हैं। हम नई तकनीक से काफी कुछ सीख रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, जब किसी देश का विकास होता है तो केवल उसकी आर्थिक स्थिति, जीडीपी ही नहीं देखी जाती। हमें हर क्षेत्र में विकास करना होता है। ठीक वैसे ही खेल में भी हमारे बच्चे आगे बढ़ें इसके लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। वहीं ग्रैंडमास्टर हरिका द्रोणावल्ली ने कहा, हमारे विरोधी भी हमारे लिए बहुत खुश थे। ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, दर्शक हमारे लिए उत्साहित होने लगे हैं।

वीडियो में देखा जा सकता है कि भारतीय टीम ने पीएम मोदी को शतरंज बोर्ड उपहार में दिया। मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने आर. प्रगनानंदा और अर्जुन एरिगैसी का शतरंज मैच देखा। साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों से बातचीत भी की। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान सभी खिलाड़ी बेहद खुश नजर आए। पीएम मोदी ने सभी के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई। भारतीय महिला टीम में वैशाली रमेश बाबू, डी हरिका, तानिया सचदेवा, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल शामिल थीं। जबकि, पुरुष टीम से आर. प्रगनानंदा, अर्जुन एरिगैसी, डी. गुकेश, हरिकृष्ण और विदित गुजराती पीएम मोदी से मिलने पहुंचे।

शाकिब ने टी20 क्रिकेट से संन्यास लिया

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने टी20 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। ऐसे में अब वह भारत के साथ दूसरे टेस्ट के बाद होने वाली टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। इसके अलावा कानपुर में भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाला टेस्ट मैच उनका आख़िरी टेस्ट मैच हो सकता है क्योंकि वह टेस्ट को भी अलविदा कहना चाहते हैं। वहीं शाकिब ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफ़ी खेलने के बाद एकदिवसीय से भी संन्यास ले लेंगे।शाकिब ने हालांकि कहा कि अगर स्वदेश में उन्हें पर्याप्त सुरक्षा मिलती है तो वह दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ खेले जाने वाली टेस्ट सीरीज़ के बाद ही संन्यास ले लेंगे। शाकिब पर बांग्लादेश में हुई हिंसा भड़काने के मामले में हत्या का मामला दर्ज हुआ है जिससे बाद से ही वह परेशान हैं हालांकि कल बोर्ड ने कहा था कि उन्हें बेवजह परेशान नहीं किया जाएगा पर जिस प्रकार के हालात अभी बांग्लादेश में है उसमें दक्षिण अफ़्रीका की टीम के भी वहां जाने की संभावना नहीं है।

कानपुर टेस्ट से पहले शाकिब ने कहा, मैं दक्षिण अफ़्रीका सीरीज़ के लिए उपलब्ध हूं, लेकिन वहां पर हमारे देश में बहुत कुछ हो रहा है। इसलिए बहुत कुछ मुझ पर निर्भर नहीं करता है। मैंने बीसीबी के साथ टेस्ट क्रिकेट को लेकर अपने भविष्य पर बात की है। यह मेरा अंतिम टेस्ट हो सकता है। हां, अगर अवसर मिला तो मैं मीरपुर में अपना आख़िरी टेस्ट खेलना चाहूंगा। बोर्ड भी यह पक्का करने की पूरी कोशिश कर रहा है कि मैं वहां खेल सकूं और सुरक्षित रहूं। इसके अलावा अगर कभी ज़रूरत हो तो मैं देश से बाहर भी निकल सकूं।

बांग्लादेश की अगली टेस्ट सीरीज़ दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ अक्टूबर में है, जो कि उनकी घरेलू सीरीज़ होगी। शाकिब ने अब तक 70 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उनके नाम 4600 रन और 242 विकेट हैं।

कानपुर टेस्ट में आर अश्विन 5 बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकते, नाथन लॉयन का पछाड़ सकते हैं

कानपुर (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्पिनर आर अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में भारत की जीत में बेहद अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पहली पारी में 113 रन की पारी खेली थी और इसके बाद दूसरी पारी में 6 विकेट भी झटके थे। इस दौरान अश्विन ने कई रिकॉर्ड भी तोड़े थे, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में शेन वॉर्न के सबसे अधिक बार पारी में 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। इसके साथ ही अब वह कानपुर टेस्ट में भी 5 बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

अश्विन ने पहले ही टेस्ट की चौथी पारी में सबसे ज्यादा विकेट झटकने वाले भारतीय गेंदबाज बन चुके हैं। चौथी पारी में सिर्फ एक और विकेट लेने से वह चौथी पारी में 100 विकेट पूरे करने वाले पहले भारतीय और कुल मिलाकर छठे गेंदबाज बन जाएंगे।

अश्विन को बस तीन और विकेट चाहिए और वह बांग्लादेश के खिलाफ जहीर खान के 31 रेड-बॉल विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकते हैं। जहीर के नाम 31 विकेट हैं जबकि अश्विन के नाम बांग्लादेश के खिलाफ 29 विकेट हैं।

अश्विन अगर बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर टेस्ट में 4 और विकेट झटक लेते हैं तो वह मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में जोश हेजलवुड को पीछे छोड़ देंगे। अश्विन के नाम 52 विकेट हो जाएंगें और वो सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे।

इसके साथ ही अश्विन दिवंगत शेन वॉर्न के 37 फाइव विकेट हॉक के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। उन्होंने चेन्नई टेस्ट में इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली थी। अगर कानपुर टेस्ट में अश्विन पांच विकेट लेते हैं तो पारी में तो वो आगे निकल जाएंगे।

बांग्लादेश पर दबदबा कायम रखने उतरेगा भारत, कानपुर में दूसरा टेस्ट

कानपुर (एजेंसी)। कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद कर रहा भारत शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बांग्लादेश पर अपना दबदबा कायम रखते हुए दो मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगा।

भारत ने चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन के ऑलराउंड खेल, शुभमन गिल के शतक, रविंद्र जडेजा की अच्छी बल्लेबाजी तथा ऋषभ पंत के वापसी पर किए गए शानदार प्रदर्शन की मदद से बड़ी जीत हासिल की थी। बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने पहले दिन भारत पर दबाव बना दिया था लेकिन रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने जिस तरह से वापसी की उससे उसका विशेष कर घरेलू मैदानों पर टेस्ट क्रिकेट में दबदबे का पता चलता है।

भारत की निगाह अब स्वदेश में लगातार 18वीं श्रृंखला जीतने पर टिकी हैं। पंत ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में सफल वापसी के बाद टेस्ट क्रिकेट में भी अपना जलवा दिखाया। उन्हें खेलते हुए देखकर लगता है कि उन्होंने अपने खेल में नए आयाम जोड़े हैं क्योंकि जरुरत पड़ने पर उन्होंने अपने आक्रामक रवैए पर लगाम भी लगाई। लेकिन पहले टेस्ट मैच में रोहित और विराट का बल्ला खामोश रहा। इस मैच में बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों हसन महमूद और तस्कीन अहमद ने अनुकूल पिच पर अच्छी गेंदबाजी की थी। भारत का टेस्ट क्रिकेट में आगे का कार्यक्रम काफी व्यस्त है और ऐसे मेंरोहित और कोहली यहां बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे। ग्रीन पार्क के विकेट से स्पिनरों को मदद मिलती रही है।

भले ही इसमें शुरू तेज गेंदबाजों को कुछ मदद मिलने की उम्मीद है लेकिन खेल आगे बढ़ाने के साथ इसकी प्रकृति में बदलाव होने की संभावना है। ऐसे में भारत तीन तेज गेंदबाजों के बजाय तीन स्पिनरों को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है। ऐसी स्थिति में आकाशदीप की जगह कुलदीप यादव को मिल सकती है जिनका यह घरेलू मैदान है। भारत अगर बल्लेबाजी को अधिक मजबूत करना चाहेगा तो फिर अक्षर पटेल को कुलदीप पर प्राथमिकता मिल सकती है। ग्रीन पार्क में इससे पहले 2021 में जो अंतिम टेस्ट मैच खेला गया था उसमें भारत तीन स्पिनर अश्विन, जडेजा और अक्षर के साथ उतरा था। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया यह मैच ड्रॉ रहा था।

जहां तक बांग्लादेश की बात है तो पहले टेस्ट मैच में उसके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे जिसे देखते हुए वह अपनी टीम में बदलाव कर सकता है। उसके बल्लेबाज पहली पारी में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने नहीं चल पाए थे जबकि दूसरी पारी में अश्विन की फिरकी का उनके पास कोई जवाब नहीं था। शाकिब अल हसन की उपलब्धता पर टीम प्रबंधन ने विरोधाभासी बयान दिए हैं। जहां बांग्लादेश के एक चयनकर्ता ने कहा था कि चेन्नई में बल्लेबाजी करते समय लगी उंगली की चोट के कारण उनका चयन संदिग्ध है, वहीं मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघे ने कहा कि यह स्टार ऑलराउंडर खेलने के लिए उपलब्ध है। बांग्लादेश तेज गेंदबाज नाहिद राणा की जगह बाएं हाथ के स्पिनर ताईजुल इस्लाम को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है। उसके पास ऑफ़ स्पिनर नईम हसन के रूप में एक अन्य विकल्प है।

भारतीय ऑलराउंडर जडेजा इस मैच में 300 विकेट और 3000 रन का अनोखा डबल बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने अभी तक 73 टेस्ट मैच में 299 विकेट और 3122 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के इयान बॉथम ने 72 टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी और जडेजा के पास उनके बाद सबसे कम मैच में इस मुकाम पर पहुंचने का मौका है। यहां पिछले कुछ दिनों से काफी उमस है और खिलाड़ियों को इस चुनौती से भी पार पाना होगा। यही नहीं मैच के पहले और तीसरे दिन बारिश आने की संभावना भी है।भारत अभी तक बांग्लादेश से कोई टेस्ट मैच नहीं हारा है और मेहमान टीम को अपनी पहली जीत हासिल करने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे।

टेनिस प्रीमियर लीग के छठे सत्र की नीलामी में मौजूद रहे पेस, भूपति और सानिया

मुंबई ।टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के छठे सत्र के लिए हुई नीलामी में दिगगज खिलाड़ी लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा भी एकसाथ नजर आये। यहां हुई इस नीलामी में सभी आठों फ्रेंचाइजी ने पूरी ताकत लगा दी। इस दौरान पेस, सानिया और भूपति के अलावा अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और सोनाली बेंद्रे भी मौजूद थीं। बोली के चार दौर के बाद, सभी टीमों में दुनिया भर की प्रतिभाएं दिखीं। अर्मेनियाई उभरती हुई स्टार एलिना अवनेस्यान, जो पहली बार टूर्नामेंट में भाग लेंगी, के लिए पंजाब पैट्रियट्स ने 42.20 लाख रुपये की सबसे ऊंची बोली लगाई। वहीं पंजाब ने पुरुषों की प्लेटिनम श्रेणी से अर्जुन काधे को 5 लाख रुपये के आधार मूल्य पर अपने साथ जोड़ा। नीलामी के अंतिम दौर में रणनीतिक रूप से खेलते हुए मुकुंद शशिकुमार को 6.80 लाख रुपये में खरीदने के लिए अंत तक इंतजार किया गया। गत चैंपियन बेंगलुरु एसजी पाइपर्स ने शाम के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के मैक्स पर्सेल को 42 लाख रुपये में खरीदा। एसजी स्पोर्ट्स ने पर्सेल के लिए बोली में देर से प्रवेश किया, लेकिन उनकी सेवाओं को सुरक्षित रखने के लिए अपने विरोधियों को पीछे छोड़ दिया।

रणजी ट्रॉफी में खेलेंगे विराट और ऋषभ

नई दिल्ली। विराट कोहली और ऋषभ पंत आगामी रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में दिल्ली की ओर से खेलेंगे। इन दोनो को ही दिल्ली की संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। इसी दिन दिल्ली अपने एलीट प्लेट ग्रुप डी मैच में छत्तीसगढ़ का मुकाबला करेंगी। संभावित खिलाड़ियों की सूची में नवदीप सैनी, आयुष बदोनी, अनुज रावत, यश ढुल आदि भी शामिल हैं। ऋषभ ने हाल में दलीप ट्रॉफी में खेला था। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) की ओर से 84 संभावित खिलाड़ियों की सूची की घोषणा करते हुए कहा गया, सीनियर पुरुष चयन समिति की बैठक में समिति ने 2024-25 के घरेलू सत्र में आगामी रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के लिए दिल्ली पुरुष सीनियर टीम में विचार के लिए निम्नलिखित संभावित खिलाड़ियों का चयन किया है। चयनित खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट 26 सितंबर 2024 को होगा, जिसमें स्थल का विवरण टीम मैनेजर द्वारा बताया जाएगा। साथ ही कहा गया, अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी पर गये खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट नहीं देना होगा। इसके अलावा 23 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों को, यदि रणजी ट्रॉफी टीम के लिए नहीं चुना जाता है, तो उन्हें ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। पत्र में कहा गया है, अंडर-23 श्रेणी के लिए चयनकर्ताओं का अंतिम निर्णय संबंधित श्रेणियों में खिलाड़ियों की नियुक्ति पर होगा। विराट ने रणजी में अपना अंतिम मैच नवंबर 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था जिसमें वे तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर दोनों पारियों में 14 और 42 रन बनाकर आउट हो गए थे। 146 प्रथम श्रेणी मैचों में विराट ने 49.86 की औसत से 11,120 रन बनाए हैं जिसमें 36 शतक और 38 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254 है।

अगर बाबर इस्तीफा नहीं देते, तो उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा, कप्तानी पर अहमद शहजाद का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज अहमद शहजाद ने दावा किया है कि बाबर आजम द्वारा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक पाकिस्तान की कप्तानी करने की खबरें झूठी हैं। सितंबर में पाकिस्तान की कप्तानी में बदलाव की चर्चा तब से हो रही है, जब से ऐसी खबरें आने लगी थीं कि बाबर के व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में कार्यकाल समाप्त हो गया है। मोहम्मद रिजवान को सीमित ओवरों के प्रारूप में बाबर का उत्तराधिकारी माना जा रहा था। लेकिन, हाल ही में बाबर के पक्ष में रुख बदलने लगा, जब पता चला कि बाबर व्हाइट-बॉल कप्तानी बरकरार रखेंगे। हालांकि शहजाद ने दावा किया है कि बाबर के कप्तानी बरकरार रखने की हालिया खबरें झूठी हैं।

सूत्रों ने उन्हें यह भी बताया कि अगर बाबर अपनी कप्तानी नहीं सौंपते हैं, तो उन्हें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा बर्खास्त कर दिया जाएगा। शहजाद ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'यह गलत है। यह स्पष्ट

रूप से कहा गया है कि बैठक कप्तानी या केंद्रीय अनुबंधों से संबंधित नहीं थी। लोग कह रहे हैं कि बाबर को चैंपियंस ट्रॉफी तक कप्तानी सौंपी गई है। हमारे सूत्रों का कहना है कि यह गलत है। खबर झूठी है। हमें पता चला है कि अगर बाबर खुद अपना इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा। गैरी कर्स्टन ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बड़े बदलावों की मांग की है। मुझे लगता है कि यही आगे बढ़ने का रास्ता है।' 2019 में पहली बार बाबर को कप्तान नियुक्त करने के बाद से पाकिस्तान ने अभी तक कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता है। पिछले साल बाबर की कप्तानी में पाकिस्तान सुपर 4 में श्रीलंका द्वारा कोलंबो में दो विकेट से हारने के बाद एशिया कप से बाहर हो गया था। कुछ महीने बाद पाकिस्तान का संघर्षपूर्ण प्रदर्शन जारी रहा और वे भारत में एकदिवसीय विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचने में विफल रहे। मार्की इवेंट के समापन के बाद बाबर ने सभी प्रारूपों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। शाहीन शाह अफरीदी ने टी20 कप्तान का पद संभाला, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ सिर्फ एक सीरीज के बाद उन्हें हटा दिया गया, जिसमें पाकिस्तान 4-1 से हार गया। बाबर को फिर से सफेद गेंद की कप्तानी सौंपी गई और शान मसूद ने टेस्ट कप्तानी बरकरार रखी। टी20 विश्व कप में एक बार फिर पाकिस्तान का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वे न्यूयॉर्क में एक मुश्किल सतह पर सह-मेजबान यूएसए के खिलाफ अपना पहला टी20 मुकाबला हार गए। यह आश्चर्यजनक हार महत्वपूर्ण साबित हुई क्योंकि उनका अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया।

भारत के खिलाफ माइंड गेम खेल रहा है ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर का बड़ा बयान

नई दिल्ली । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली का मानना ??है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी भारत के खिलाफ बहुप्रतीक्षित बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज से पहले 'माइंड गेम' खेल रहे हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच प्रतिद्वंद्विता को लेकर उत्साह की लहर शुरू हो गई है क्योंकि सीरीज नवंबर में शुरू होने वाली है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने कप्तान रोहित शर्मा, दिग्गज विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह से आगे ऋषभ पंत को बल्लेबाज के रूप में चुना है। कमिंस ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, 'वह ऐसा खिलाड़ी है जिसने कुछ सीरीज में बड़ा प्रभाव डाला है और हमें उसे शांत रखने की कोशिश करनी होगी।' इस पर बासित अली का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया माइंड गेम खेल रहा है और भारत की अनुभवी तिकड़ी उनके विचारों में रहेगी। बासित ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'वे माइंड गेम खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, रोहित शर्मा और विराट कोहली से डरेगा। पंत ने हाल ही में रन बनाए हैं। वे माइंड गेम खेल रहे हैं। वे पंत को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह उनकी मानसिकता है। वे कुछ और दिखा रहे हैं और दूसरी चीजों के बारे में सोच रहे हैं।'

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में जाफर, पुजारा और मनोज तिवारी के नाम हैं सबसे अधिक रन

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भले ही सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं पर घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट में तीन क्रिकेटर वसीम जाफर चेतेश्वर पुजारा और मनोज तिवारी रनों के मामले में उनसे कहीं आगे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर ने टेस्ट वनडे और टी20 को मिलाकर कुल 34357 रन बनाए हैं और कोई अन्य बल्लेबाज इसके करीब भी नहीं हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज कुमार संगकारा 28016 रन बनाकर दूसरे नंबर पर है पर घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट में जाफर , चेतेश्वर पुजारा और तिवारी उनसे रनों के साथ ही सभी मामलों में आगे हैं। सचिन ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 118 मैच खेलने के बाद कुल 9677 रन बनाए हैं। इसमें उन्होंने 33 शतक के साथ ही सबसे अधिक 233 रनों का स्कोर बनाया। वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भारतीय वसीम जाफर हैं। जाफर ने 186 मुकाबले खेलने के बाद 14609 रन बनाए हैं। 301 रन उनका सबसे अधिक स्कोर रहा। इस दोरान जाफर ने ने 46 शतक और 65 अर्धशतक लगाये। वहीं फर्स्ट क्लास रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पुजारा हैं। पुजारा ने 160 मुकाबले खेलने के बाद इस 13201 रन बनाए हैं। इसमें 40 शतक के साथ ही 352 रन का सबसे अधिक स्कोर है जबकि तीसरे नंबर पर रहे मनोज तिवारी ने 140 फर्स्ट

क्लास मुकाबले खेलकर नाबाद 303 के सबसे अधिक स्कोर के साथ ही 9810 रन बनाये हैं। इस प्रकार सचिन 9677 रनों के साथ चौथे नंबर पर हैं।

स्टोक्स सीमित ओवरों के किकेट में वापसी के लिए तैयार

लंदन ।इंग्लैंड ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा कि वह उन्हें बुलाया जाता है तो वह सीमित ओवरों के प्रारुप में वापसी करने के लिए तैयार हैं। स्टोक्स का माना है कि अगर नये कोच ब्रेंडन मैकुलम को उनकी सेवाओं की जरुरत हुई तो वह सफेद गेंद के प्रारुप में खेलने तैयार हो जाएंगे। स्टोक्स ने साल 2019 में अपनी टीम की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं साल 2022 में इंग्लैंड की टीम को टी20 विश्वकप जिताया था। इस क्रिकेटर ने 2022 में थकान और लगातार व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था पर भारत में गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्व कप में वापसी की थी। तब स्टोक्स ने छह मैचों में एक शतक और दो अर्द्धशतक के साथ 304 रन बनाए। लेकिन टीम 9 मैचों में सिर्फ 3 जीत हासिल कर पाई और एक समय तो आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए सीधे क्वालीफिकेशन का भी खतरा पैदा हो गया था। उन्होंने विश्व कप 2023 के बाद से सफेद गेंद क्रिकेट में भाग नहीं लिया है। वह जून में टी20 विश्व कप में भी शामिल नहीं थे जिससे कि घुटने की समस्या से उबरकर अपनी पूरी फिटनेस हासिल कर सकें। वह टेस्ट क्रिकेट पर ही पूरा ध्यान लगाने लगे। वह द हंड्रेड के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद 7 अक्टूबर से पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट से पहले पूरी तरह से फिट होने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। स्टोक्स ने कहा कि कोच के साथ वापसी को लेकर अभी उनकी बात नहीं हुई है। मैकुलम जनवरी 2025 से पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के साथ टीमों को भी कोचिंग दे रहे हैं, इसलिए अगर मैकुलम से उन्हें बुलावा आता है तो उन्हें खुशी होगी।

जो रूट और विराट कोहली में से कौन है बेहतर? युवराज सिंह ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। जो रूट और विराट कोहली के टेस्ट स्टैट्स को लेकर अक्सर तुलना होती ही रहती है। दुनिया के तमाम दिग्गज खिलाड़ी इस पर अपनी राय भी रख चुके हैं। वहीं अब टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी इस पर अपनी राय रखी है। युवी ने बताया कि किस तरह से दोनों खिलाड़ियों की तुलना करना मुश्किल है। उन्होंने मौजूदा फॉर्म को देखते हुए जो रूट को भले ही बेहतर टेस्ट बल्लेबाज बताय हो, लेकिन साथ ही उन्होंने विराट कोहली की भी तारीफ की है।

दरअसल, कुछ समय पहले इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने जो रूट को विराट कोहली से बेहतर बल्लेबाज बताया था। क्लब प्रेयरी फायर पॉडकास्ट में माइकल वॉन ने ये बात कही थी। उस दौरान एडम गिलक्रिस्ट भी मौजूद थे।

जब युवी से विराट कोहली और जो रूट की तुलना को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि, अगर आप इंग्लैंड में खेल रहे हैं, तो इसमें को शक नहीं कि आप जो रूट का नाम लेंगे। लेकिन अगर आपको दुनिया भर में खेलना है तो मैं विराट कोहली को चुनूंगा। क्योंकि मुझे पता है कि कुछ ऐसे विकेट हैं, जहां पर वह विरोधी टीम को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है।

युवी ने आगे कहा कि, ये सवाल काफी बहस वाला है। अगर मौजूदा फॉर्म को देखेंगे, तो बिल्कुल जो रूट को चुनूंगा। लेकिन अगर आप सभी फॉर्मेट पर नजर डालेंगे, तो मैं बिना किसी शक के विराट का नाम लूंगा। विराट कोहली इन दिनों भारत और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं। हालांकि, पहले टेस्ट में वो कुछ कमाल नहीं दिखा पाए। पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में विराट कोहली कुछ खास नहीं कर पाए थे। विराट कोहली ने पिछले कुछ समय में टेस्ट मैच कम ही खेले हैं। इस साल जब इंग्लैंड टीम भारत दौरे पर आई थी, तब विराट कोहली टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने ब्रेक ले रखा था।

संक्षिप्त समाचार

कमला हैरिस के एरिजोना स्थित अभियान कार्यालय में गोलीबारी, आधी रात के बाद चली गोली, अब तक कोई गिरफ्तार नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना में उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के अभियान कार्यालय में गोलीबारी की गई। पुलिस ने इसकी पुष्टि की। आधी रात के बाद किसी ने गोली चला दी। हालांकि, इस दौरान कार्यालय के अंदर कोई भी मौजूद नहीं था, लेकिन इस घटना के बाद इमारत के अंदर काम करने और आसपास रहने वालों की सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा हो गई। जासूस अब घटनास्थल पर सबूत जमा कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में कर्मचारियों और अन्य लोगों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जा रहे हैं। कार्यलय में काम करने वाले कर्मचारियों ने गोलीबारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि सामने की खिड़कियों से गोलियां चलाई गई हैं। कार्यालय में यह दूसरी बार ऐसी घटना हुई है। पुलिस ने बताया कि इससे पहले 16 सितंबर को आधीरात के तुरंत बाद सामने की खिड़कियों पर बीबी गन या पैलेट गन से गोलीबारी की गई थी। इन दोनों घटनाओं के बाद किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। यह घटना पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर दूसरे हत्या के प्रयास के तुरंत बाद घटी। इस हदसे में हवाई निवासी रेयान राउथ को गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई गई थी, जिसमें वह बाल बाल बच गए। 20 वर्षीय थोमस मैथ्यू क्रूक्स ने ट्रंप और अन्य दो पर रैली के दौरान गोली चलाई थी। हालांकि, बाद में स्नाइपर्स ने क्रूक्स को मार गिराया।

हम भारत को आमंत्रित कर चुके, रूस से युद्ध को रोकने के लिए फिर शांति सम्मेलन की तैयारी करेंगे जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध को पूरी तरह से रोकने के लिए दूसरे शांति शिखर सम्मेलन की तैयारी करनी होगी। उन्होंने भारत और अन्य देशों को शांति प्रक्रिया में शामिल होने के लिए निमंत्रित किया। जेलेंस्की ने कहा कि शांति के लिए एकता हमेशा काम करती है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि उन्होंने शांति प्रक्रिया में शामिल होने के लिए भारत के अलावा चीन और ब्राजील को भी आमंत्रित कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे अमेरिका के साथ भी इसपर काम कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध पर जेलेंस्की ने कहा, हम सभी जानते हैं कि अगर हम ईमानदारी से स्थिति को देखे और वास्तव में रूस से युद्ध को रोकना चाहते हैं तो हमें मालूम है कि इसके लिए क्या करने की जरूरत है। सबसे महत्वपूर्ण, एकसाथ काम करें। एकता हमेशा शांति के लिए काम करती है। हमें इस युद्ध को समाप्त करने के लिए दूसरे शांति शुखर सम्मेलन की तैयारी करनी होगी। इसके लिए मैं आप सभी को आमंत्रित करता हूं। सभी प्रमुख देशों को इस प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए। हमने चीन को आमंत्रित किया। हमने ब्राजील को आमंत्रित किया। मैं भारत को पहले ही आमंत्रित कर चुका हूं। हम सभी अफ्रीकी, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशियाई देश और सेंट्रल एशिया के संपर्क में हैं। जेलेंस्की ने सोमवार को अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की यह तीन महीने में तीसरी मुलाकात थी। पिछले महीने पीएम मोदी ने यूक्रेनी नेता से कीव में मुलाकात की थी। इससे एक हफ्ते पहले पीएम मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिले थे। सोमवार को जेलेंस्की से मिलने के बाद पीएम मोदी ने कहा, हम द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मेरी यूक्रेन की यात्रा परिणामों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिका में अराजकता फैलाने के लिए ट्रंप की हत्या करा सकता है ईरान, खुफिया एजेंसी की चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई है कि ईरान अमेरिका में अराजकता फैलाने के लिए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान टीम ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने ट्रंप पर जानलेवा हमले की आशंका जताई है और उन्हें सावधान रहने को कहा है। 78 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप पर हाल के समय में दो बार हत्या के प्रयास हो चुके हैं। ट्रंप के प्रचार अभियान के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने मंगलवार को कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को आज खुफिया निदेशक के कार्यालय द्वारा ईरान की तरफ से संभावित खतरे के बारे में जानकारी दी गई है। खुफिया निदेशक कार्यालय का कहना है कि ईरान अमेरिका में अराजकता और अस्थिरता फैलाने के लिए ट्रंप की हत्या करा सकता है। चेउंग ने बताया कि खुफिया अधिकारियों ने पिछले कुछ महीनों में ट्रंप पर हुए हमलों की पहचान की है और सभी एजेंसियां और जांच अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि ट्रंप सुरक्षित रहें और नवंबर का चुनाव बिना किसी हस्तक्षेप के हो। डोनाल्ड ट्रंप पर बीती 13 जुलाई को पेंसिलवेनिया के बटलर में एक रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था, जब एक युवक ने रैली में भाषण के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई थी। गोली ट्रंप का कान छूकर निकली थी और ट्रंप उस हमले में बाल-बाल बचे थे। सीक्रेट सर्विस के जवानों ने मौके पर ही हमलावर युवक को ढेर कर दिया था। बीती 15 सितंबर को ही फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच स्थित ट्रंप के आवास पर भी ट्रंप पर हमले की कोशिश हुई।

हरिनी अमरसूर्या बनी श्रीलंका की प्रधानमंत्री: राष्ट्रपति बनते ही दिसानायके ने 11 महीने पहले भंग की संसद

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने देश के प्रधानमंत्री के तौर पर हरिनी अमरसूर्या को नियुक्त किया है। हरिनी अमरसूर्या को श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई। राष्ट्रपति अनुरा ने प्रधानमंत्री अमरसूर्या को न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और निवेश जैसे अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलावा विजिथा हेर्थ और लक्ष्मण निपुनाराच्ची ने भी कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली। श्रीलंका के मंत्रिमंडल में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत कुल 4 सदस्य है। ये श्रीलंका के इतिहास का सबसे छोटा मंत्रिमंडल है। हरिनी श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद पर काबिज होने वाली तीसरी महिला हैं। उनसे पहले सिरिमाओ बंडारनायके (3 बार) और चंद्रिका कुमारतुंगा (1 बार) देश की महिला प्रधानमंत्री रह चुकी हैं। हरिनी अमरसूर्या 2020 में पहली बार सांसद बनी थी। राष्ट्रपति अनुरा ने संसद भंग की श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके ने मंगलवार की रात को संसद भंग कर दी। देश में अब संसदीय चुनाव 14 नवंबर को कराए जाएंगे। राष्ट्रपति चुनाव से पहले दिसानायके ने कहा था कि वह संसद को तुरंत भंग कर देंगे और मिडटर्म चुनाव कराने का आदेश देंगे। श्रीलंका की पिछली संसद साल 2020 के अगस्त में गठित की गई थी। यानी कि इस संसद को निर्धारित समय से 11 महीने पहले ही भंग कर दिया गया है। प्रधानमंत्री अमरसूर्या (54) और राष्ट्रपति अनुरा दोनों ही नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के सांसद है। श्रीलंका की 225

सीटों वाली संसद में एनपीपी के पास मात्र 3 सीटे हैं। अनुरा ने 2019 में भी राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा था। इस दौरान उन्हें मात्र 3प्रतिशत वोट मिले थे। इन चुनावों में राष्ट्रपति के साथ हरिनी अमरसूर्या ने भी प्रचार किया था। दो बार वोटों की गिनती के बाद राष्ट्रपति बने अनुरा श्रीलंका में चुनाव जीतने के बाद अनुरा दिसानायके ने सोमवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ली। यह समारोह कोलंबो में राष्ट्रपति सचिवालय में हुआ। श्रीलंका में यह पहली बार है, जब राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे दूसरी बार गिनती में साफ हुए क्योंकि पहले दौर की गिनती में किसी भी प्रत्याशी को 50त्न वोट नहीं मिले थे। पहले चरण में टॉप पर रहे दो प्रत्याशी नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के अनुरा कुमारा दिसानायके और समागी जन बालावेगया (एसजेबी) के सजिथ प्रेमदासा के दूसरी बार वोट की गणना की गई। 2022 के आर्थिक संकट के चलते बदलाव की उम्मीद कर रहे युवा वोटरों की मदद से अनुरा राष्ट्रपति बनने में सफल रहे हैं।

विद्रोह से सत्ता तक: 5 साल पहले पार्टी रिलॉन्च की और राष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंचे अनुरा उत्तर मध्य प्रांत के थंबुत्तेगामा से आने वाले अनुरा ने कोलंबो की केलानिया यूनिवर्सिटी से विज्ञान में ग्रेजुएशन किया। वे 1987 में जेवीपी में शामिल हुए, जब भारत-विरोधी विद्रोह चरम पर था। पार्टी ने दो खूनी विद्रोहों का नेतृत्व किया था। 2014 में अनुरा पार्टी के प्रमुख बने। 2019 में जेवीपी का नाम एनपीपी हो गया। अनुरा ने फरवरी 2024 में भारत यात्रा की, जो एनपीपी के भारत के प्रति बदलता नजरिया है। यह कदम उनके चुनावी वादे को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने श्रीलंका में दशकों से चले आ रहे राजनीतिक परिवारों के शासन को बदलने का वादा किया था। एक विशेष गजट अधिसूचना के अनुसार, संसद का भंग होना आज रात 12 बजे से प्रभावी होगा और नए चुनाव 14 नवंबर को कराए जाएंगे। श्रीलंका की संसद को आखिरी बार अगस्त 2020 में बुलाया गया था। संसद का कार्यकाल हालांकि अगस्त 2025 तक था, लेकिन इसे 11 महीने पहले ही समाप्त कर दिया गया है। श्रीलंका अब धीरे-धीरे अपने सबसे बड़े आर्थिक संकट से उबर रहा है, जो 2020 में दक्षिण एशियाई देश पर भारी पड़ा था। उस समय लाखों श्रीलंकाई नागरिकों ने तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। हजारों प्रदर्शनकारियों ने कोलंबो में राष्ट्रपति महल पर धावा बोल दिया था, जिसके बाद श्री राजपक्षे को देश छोड़कर भागना पड़ा था। तत्कालीन प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने सत्ता संभाली और श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को स्थिरता के साथ-साथ सड़कों पर शांति लौटाई। लोगों के समर्थन से अनुरा कुमारा दिसानायके राष्ट्रपति चुने गए, जिन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया और चुनावी वादा किया था कि वे भ्रष्टाचार को समाप्त करेंगे, परिवारवाद की राजनीति को खत्म करेंगे, अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे, महंगाई कम करेंगे और बड़े सुधार करेंगे। कोलंबो में राष्ट्रपति कार्यालय में अपने उद्घाटन भाषण के दौरान 55 वर्षीय दिसानायके ने कहा, मैं लोकतंत्र की रक्षा और उसे बनाए रखने के प्रति समर्पण का वादा करता हूं। मैं ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में कार्यभार संभाल रहा हूं।

पाकिस्तान: परिवार को बंधक बनाकर किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के पाकपट्टन शहर के पास परिवार को बंधक बनाकर एक किशोरी के साथ लुटेरों ने कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी दैनिक डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एक शख्स अपनी पत्नी, बेटे, नाबालिग बेटी, बहन और एक 17 वर्षीय भतीजी के साथ पाकपट्टन में पारिवारिक मित्रों से मिलने गया था। पीड़ित परिवार एक अन्य शहर में रहता था। आधी रात के बाद घर लौटते समय उनकी कार को चार हथियारबंद संदिग्धों ने रोक लिया। उन्होंने पहले सभी यात्रियों को लूटा और इसके बाद किशोरी को सड़क किनारे मक्के के खेतों में ले गए। परिवार को बंधक बनाकर किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया।

अखबार के बंधक परिवार लगातार मदद के लिए चिल्लाता रहा लेकिन मदद के लिए कोई नहीं आया। आरोपी के घटनास्थल से भाग जाने के बाद, परिवार किसी तरह पास के एक फार्महाउस में पहुंचा और स्थानीय पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया। यह घटना पाकपट्टन जिले के मलिक रहमू गांव के पास घटी। पाकिस्तान महिलाओं के लिए सबसे खतरनाक देशों में से एक है। पंजाब और सिंध प्रांतों में पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं के खिलाफ हिंसा में भारी वृद्धि देखी गई है।

रविवार को फैसलाबाद के एक अस्पताल में भर्ती एक किशोरी मरीज के साथ कर्मचारी ने दुष्कर्म किया। इस्लामाबाद बेस्ड सस्टेनेबल सोशल डेमोक्रेटिक ऑर्गेनाइजेशन (एसएसडीओ) की ओर से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, फैसलाबाद में 2023 में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के 728 मामले दर्ज किए गए। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मार्च में जारी इस रिपोर्ट में पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा, दुष्कर्म, अपहरण और ऑनर किलिंग की बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक सिंध में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के कुल दर्ज मामलों की संख्या 2023 में 10,201 तक पहुंच गई, जो 2022 में दर्ज 8,787 मामलों से 16 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, पंजाब में भी स्थिति बहुत खराब है, जहां महिलाओं के खिलाफ हिंसा के 10,201 मामले दर्ज किए गए। पंजाब के सभी जिलों में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हुईं, जिसमें लाहौर में 1,464 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद शेखपुरा में 1,198 और कसूर में 877 मामले दर्ज किए गए।

तुर्की की एयरलाइंस ने लेबनान के लिए उड़ानें की निलंबित, इजरायली हमलों के चलते लिया फैसला

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्की की राष्ट्रीय एयरलाइन टर्किश एयरलाइंस और लो-कॉस्ट एयरलाइन पेगासस एयरलाइंस ने बढ़ते खतरे के कारण लेबनान के लिए अपनी उड़ानें रद्द कर दीं। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने हैबर्टर्क दैनिक के हवाले से बताया कि यह फैसला लेबनान पर इजरायल के हवाई हमलों की वजह से लिया गया। इन हमलों की वजह से बुधवार को बेरूत से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हुईं। वर्तमान में, तुर्की एयरलाइंस की वेबसाइट पर बुधवार के लिए इस्तांबुल से बेरूत के टिकट उपलब्ध नहीं हैं, हालांकि गुरुवार के लिए बुकिंग खुली हुई है। क्षेत्र में चल रहे संघर्ष के कारण सुरक्षा कारणों से कुछ समय से दोनों एयरलाइनों ने अपने ऑपरेशंस को दिन के समय की उड़ानों तक सीमित कर दिया है। इस बीच, पेगासस ने अपने नए नियम के तहत बेरूत के राफिक हरीरी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आने-जाने वाली उड़ानों में पेजर या रेडियो डिवाइस ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया। एयरलाइन ने पिछले शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर कहा, यह सभी व्यक्तिगत बैग, केबिन लगेज और कार्गो पर लागू होगा। बता दें पिछले सप्ताह लेबनान में दो दिन तक पेजर और वॉकी-टॉकी को निशाना बना कर कई विस्फोट किए गए। इनमें कई लोग मारे गए और हजारों की संख्या में लोग घायल हो गए।

अब हिजबुल्लाह ने एक साथ छोड़ी मिसाइलें और ड्रोन इजरायल ने हवा में ही उड़ाए, 40 शहरों में बजे सायरन

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल और हिजबुल्लाह आतंकियों के बीच महायुद्ध की शुरुआत हो चुकी है। इजरायल के भीषण अटैक के बाद हिजबुल्लाह ने भी काउंटर अटैक शुरू कर दिया है। बुधवार तड़के साउथ लेबनान से कई मिसाइलें और ड्रोन इजरायल की तरफ दागे गए। हालांकि अधिकांश को इजरायली रक्षा प्रणाली आयरन डोम ने हवा में ही उड़ा दिया। इसमें तेल अवीव की तरफ आती एक बैलिस्टिक मिसाइल भी थी। इजरायली सेना ने इसका वीडियो भी शेयर किया है। हिजबुल्लाह के अचानक हमले से तेल अवीव समेत 40 शहरों में सायरन बजे।

गाजा में हाहाकार मचाने के बाद अब इजरायली सेना लेबनान में कहर बनकर टूट पड़ी है। पहले ही एक हवाई हमले में सैकड़ों को मौत के घाट उतारने के बाद इजरायली सेना दूसरे बड़े हमले की तैयारी कर रही है। इजरायली सेना का कहना है कि लेबनान में उसे कम समय में अधिक लक्ष्य हासिल करने हैं, इसलिए सेना अधिक घातक हमले कर रही है। पहले अटैक में आईडीएफ ने 1600 ठिकानों पर हमले किए और एक ही झटके में कई हिजबुल्लाह कमांडरों को मार डाला। इस हमले में निर्दोषों की भी जान चली गई। कुल 500 गई जानों में 90 महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। सेना का कहना है कि जल्द ही लेबनान पर दूसरा बड़ा अटैक होने वाला है। इस बीच हिजबुल्लाह ने भी इजरायल पर काउंटर अटैक शुरू कर दिया है। इजरायल को पहले ही अंदेशा था इसलिए देशभर में

हफ्तेभर की इमरजेंसी जारी कर रखी थी। इजरायली सेना ने कहा कि बुधवार को इजरायल की आर्थिक राजधानी तेल अवीव समेत 40 शहरों में सायरन बजे। दरअसल, हिजबुल्लाह ने लेबनान से सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल और कई ड्रोन से एक साथ अटैक कर दिया था। तेल अवीव पर साउथ लेबनान से दागी गई मिसाइल को आयरन डोम ने हवा में ही उड़ा दिया।

इजरायली सेना का कहना है कि हमले में किसी के भी हताहत की सूचना नहीं है। इसके अलावा किसी तरह के बड़े नुकसान की भी सूचना नहीं है। सेना ने कहा कि हिजबुल्लाह के हमले से पूरे मध्य इजरायल में सायरन बजे। नागरिकों की सुरक्षा निर्देशों में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। सेना ने कहा कि चेतावनी और इमरजेंसी जरूर घोषित है लेकिन, जरूरी सेवाएं और स्कूल-कॉलेज खुले हैं। इजरायली सेना ने दावा किया कि हिजबुल्लाह के हमले से निपटने के लिए हमारी सुरक्षा प्रणाली काफी मजबूत है।

यूएन में ईरान बोला- इजराइल को रोकना जरूरी नहीं रोका तो पूरी दुनिया में जंग छिड़ेगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईरान, लेबनान में इजराइल के हमलों का अभी जवाब नहीं देगा। इससे इलाके में तनाव बढ़ सकता है।

पजशकियान ने कहा कि इजराइल को रोकना जरूरी है, वर्ना पूरा मिडिल ईस्ट और फिर दुनिया जंग की चपेट में आ जाएगी। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हिंसा को तुरंत रोकने और गाजा में स्थायी युद्धविराम को लागू करने की अपील की। यह पहला मौका है जब 70 वर्षीय ईरानी नेता ने किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने विचार रखे हैं। इब्राहिम रईसी के निधन के बाद पजशकियान जुलाई में ईरान के राष्ट्रपति बने थे।

पजशकियान बोले- इजराइल की असलियत उजागर हो गई ईरानी राष्ट्रपति ने इजराइल पर गाजा में नरसंहार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गाजा में पिछले 11 महीने में 41 हजार मासूम लोगों को बेरहमी से मार दिया गया। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। पिछले 1

साल में दुनिया के सामने इजराइल की असलियत उजागर हो गई है।

पजशकियान ने कहा कि इजराइल हार चुका है। वह आईएसआईएस जैसे आतंकी ग्रुप्स को समर्थन दे रहा है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने ईरानी वैज्ञानिकों, राजनयिकों और उनके मेहमानों की भी हत्या की है। परमाणु समझौते पर बोले- ईरान बातचीत को तैयार पजशकियान ने 2015 के ऐतिहासिक परमाणु समझौते का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2015 में न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद करने को लेकर एक डील हुई थी जिसके बाद उन पर लगे प्रतिबंधों को हटा लिया गया था। लेकिन ट्रम्प एकतरफा ढंग से इस डील से पीछे हट गए।

ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि एकतरफा प्रतिबंध से मासूम लोग निशाना बनते हैं और इससे देश की इकोनॉमी को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि ईरान परमाणु समझौते के मुद्दे पर इससे जुड़े पक्षों से बातचीत करने को तैयार है।

ईरानी राष्ट्रपति बोले- लेबनान को दूसरा गाजा बनने से रोकना जरूरी इससे पहले ईरानी राष्ट्रपति ने मंगलवार को ही सीएनएन को इंटरव्यू दिया था। इसमें उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की थी कि लेबनान को दूसरा गाजा नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान जंग नहीं चाहता है। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि इजराइल हमें एक ऐसे मोड़ पर ले जा रहा है जहां हम जाना नहीं चाहते। पजशकियान ने कहा कि इजराइल को पश्चिमी देशों का साथ मिल रहा है, इसलिए हिजबुल्लाह अकेले उसका मुकाबला नहीं कर सकता।

सिक लीव नहीं मिली तो काम पर लौटी महिला, ड्यूटी के दौरान हो गई मौत

सुखोथाई, एजेंसी। महिला कर्मचारी ने एक दिन की सिक लीव लेनी चाही लेकिन, उसके मैनेजर को लगा कि वह बहाना बना रही है। इसलिए उसे छुट्टी नहीं दी। महिला काम पर आई लेकिन, ड्यूटी के दौरान उसकी मौत हो गई। मामला थाईलैंड के सुखोथाई प्रांत का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, महिला काम के दौरान बेहोश हो गई थी और बाद में उसकी मौत हो गई। महिला कर्मचारी की मौत का मामला अब तूल पकड़ रहा है। सोशल मीडिया पर महिला को इंसाफ दिलाने के लिए लोगों ने आवाज उठानी शुरू कर दी है। कंपनी पर कर्मचारियों के शोषण की कहानियां शेयर की जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सुखोथाई प्रांत की 30 वर्षीय महिला जिसकी पहचान केवल में के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला समुत प्राकान प्रांत के मुआंग जिले में बंग पु औद्योगिक एस्टेट में एक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में कर्मचारी थी। फेसबुक पेज पर महिला के सहकर्मियों ने ग्रुप चैट के स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं। जिसमें दावा किया गया है कि कंपनी के मैनेजर ने उसे सिक लीव के लिए छुट्टी नहीं दी। जब महिला ने अपनी परेशानी बताई तो मैनेजर ने उसे मेडिकल सर्टिफिकेट लाने को कहा था। बीमारी में काम के दौरान उसकी मौत हो गई। मे की कंपनी में काम करने वाले एक कर्मचारी ने बताया कि मे ने पहली बार 5 से 9 सितंबर तक मेडिकल सर्टिफिकेट के साथ छुट्टी ली थी। जब उन्हें बड़ी आंत में सूजन का पता चला था। उसे चार दिन अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद मे ने अपनी दोस्त को बताया कि उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है। इसके बाद उसने दो दिन और छुट्टी लेने का फैसला किया। 12 सितंबर की शाम को मे ने मैनेजर से 13 सितंबर को बीमार होने की छुट्टी मांगी और कहा कि उसकी हालत और भी खराब हो गई है। मैनेजर ने कहा कि उसे काम पर आकर पहले एक और मेडिकल सर्टिफिकेट जमा करना होगा, क्योंकि वह पहले ही कई बीमार दिनों की छुट्टी ले चुकी है। महिला के मित्रों के अनुसार, हाल ही में बीमार होने से पहले मे ने इससे पहले कभी मेडिकल लीव नहीं ली थी। अपनी नौकरी खोने के डर से में 13 सितंबर को बहुत बीमार महसूस कर रही थी। उसकी दोस्त ने बताया कि वह सिर्फ 20 मिनट काम करने के बाद जमीन पर गिरकर बेहोश हो गई। मे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया और आपातकालीन सर्जरी के लिए भेजा गया। अगले दिन यानी शनिवार की शाम को उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

पाकिस्तानी भिखारियों से सऊदी अरब परेशान:शहबाज सरकार से इन पर रोक लगाने को कहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने पाकिस्तान से आने वाले भिखारियों की बढ़ती संख्या को लेकर शहबाज सरकार को चेतावनी दी है। पाकिस्तान से हर साल बड़ी संख्या में लोग उमराह वीजा (तीर्थयात्रा वीजा) पर सऊदी अरब जाते हैं और वहां भीख मांगने लग जाते हैं।

पाकिस्तानी वेबसाइट द ट्रिब्यून एक्सप्रेस के मुताबिक सऊदी हज मंत्रालय ने पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय से कहा है कि वे इस पर जल्द रोक लगाएं। मंत्रालय ने कहा कि अगर पाकिस्तान सरकार ऐसा नहीं करती है तो इसका असर पाकिस्तानी उमराह और हज यात्रियों पर पड़ सकता है। उमराह एक्ट लाएगी सरकार, ट्रैवल एजेंसियों पर सख्ती बरती जाएगी रिपोर्ट के मुताबिक भिखारियों को सऊदी भेजने से रोकने के लिए पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय ने 'उमराह एक्ट' लाने करने का फैसला किया है। इसका मकसद उमराह वीजा दिलाने में मदद करने वाली ट्रैवल एजेंसियों को रेग्युलेट करना और उन्हें कानूनी निगरानी के तहत लाना है। इससे पहले मंगलवार को सऊदी राजदूत नवाफ बिन सैद अहमद अल-मलिकी और पाकिस्तानी गृह मंत्री मोहसिन नकवी के बीच मुलाकात हुई थी। इसमें नकवी ने राजदूत को यकीन दिलाया था कि सरकार सऊदी अरब में भिखारियों को भेजने के लिए जिम्मेदार माफियाओं के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्री नकवी का मानना है कि ऐसी घटना पाकिस्तान की छवि को नुकसान पहुंचा रही है। इस पर नकेल कसने के लिए अब संघीय जांच एजेंसी को जिम्मेदारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीने ही कराची

एयरपोर्ट पर 11 लोगों को पकड़ा गया था। ये सऊदी जा रही एक फ्लाइट में बैठने की तैयारी में थे। पूछताछ में पता चला कि उनका मकसद वहां जाकर भीख मांगना था। इसी तरह अक्टूबर 2023 में लाहौर एयरपोर्ट पर एक फ्लाइट में सवार 16 लोगों को प्लेन से उतारा गया था और गिरफ्तार किया गया था। ये भी वहां भीख मांगने जा रहे थे। पिछले साल भी सऊदी अरब ने की थी शिकायत पिछले साल सितंबर में ओवरसीज अधिकारियों की मीटिंग में सऊदी अरब ने पाकिस्तान से हज का कोटा देने में सावधानी बरतने को कहा था। सऊदी अधिकारियों ने पाकिस्तान से भिखारियों और जेबकतरों को न भेजने के लिए कहा था। सऊदी अरब ने कहा था कि उनकी जेल ऐसे लोगों से भर चुकी है। तब भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस पर रोक लगाने का आश्वासन दिया था। दुनियाभर में गिरफ्तार होने वाले 90 प्रतिशत भिखारी पाकिस्तानी मूल के पाकिस्तानी वेबसाइट डॉन के सितंबर 2023 की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में गिरफ्तार होने वाले भिखारियों में से 90 प्रतिशत लोग पाकिस्तानी मूल के होते हैं। इन भिखारियों की बढ़ती संख्या से यूएई सरकार भी परेशान है। डॉन की अगस्त की एक रिपोर्ट के मुताबिक यूएई उन पाकिस्तानियों को भी वीजा देने से बचता है जिनके बैंक अकाउंट में पर्याप्त पैसे नहीं हैं।

महात्मा गांधी, पीएम मोदी, योगी की आपत्तिजनक रील बनाने वालों पर मामला दर्ज

लखनऊ। यूपी के बलिया जिले में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की आपत्तिजनक रील बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार झा ने बताया कि इस संबंध में पुलिस मीडिया प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रवीण सिंह की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ आईटी एक्ट की सुसंगत धारा में मामला दर्ज किया गया है। झा ने बताया कि मामले की जांच जारी है। ये वीडियो मंगलवार को तब सामने आया था जब एक्स यूजर नेहा सिंह राठौर ने इसे शेयर किया। नेहा सिंह राठौर खुद को राष्ट्रवादी, सामाजिक कार्यकर्ता और पब्लिक स्पीकर बताती हैं। उन्होंने इन वीडियो की निंदा करते हुए सवाल उठाया कि आखिर इन्हें बनाने के पीछे मकसद क्या है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन उड़ाने की साजिश के छह आरोपी दोषी करार, 5 को सुनाई जाएगी सजा

पटना। पटना की एनआईए कोर्ट ने छह आरोपियों को पूर्वी चंपारण में ट्रेन पलटने की आतंकी साजिश रचने का दोषी माना है। इन लोगों पर 2016 में घोड़ासहन स्टेशन के पास नेपाली बॉर्डर पर आईईडी बम लगाने का आरोप था। कोर्ट ने गवाहों और सबूतों के आधार पर यह फैसला सुनाया है। घटना 30 सितंबर 2016 की है जब घोड़ासहन रेलवे स्टेशन के पास नेपाली बॉर्डर पर रेलवे ट्रैक पर आईईडी बम प्लांट किया गया था। यह बम प्रेशर कुकर में रखा गया था। समय रहते बम को डिफ्यूज कर दिया गया था, जिससे बड़ी दुर्घटना होने बच गई थी। इस मामले में एनआईए कोर्ट ने मोती लाल पासवान, रंजय कुमार साह, मुकेश यादव, राकेश कुमार यादव, गजेन्द्र कुमार शर्मा और उमाशंकर पटेल को दोषी करार दिया है। इन सभी पर यूएपीए, रेलवे एक्ट और अन्य धाराओं के तहत मुकदमा चलाया गया था। एनआईए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अभिजीत कुमार ने यह फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने साबित कर दिया है कि इन लोगों ने ट्रेन को उड़ाने की साजिश रची थी। सभी दोषी फिलहाल बेउर जेल में बंद हैं। कोर्ट पांच अक्टूबर को सजा सुनाएगी।

केंद्रीय मंत्री शेखावत को 953 करोड़ के आरोप में हाईकोर्ट से मिली क्लीन चिट

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव समिति के मामले में क्लीन चिट दे दी है। संजीवनी सोसाइटी ने 100000 निवेशकों के साथ 953 करोड रुपए की ठगी की थी। गजेंद्र सिंह शेखावत इस समिति के निदेशक थे। राजस्थान हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अरुण मौगा की बेंच ने सुनवाई के बाद रिपोर्ट के आधार पर कहा है, शेखावत के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। कंपनियों में निदेशक के पद से उनके इस्तीफा के बाद उन्हें किसी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में केंद्रीय मंत्री शेखावत को क्लीन चिट दे दी है।

बीड़ी नहीं पीने देने से गुस्साए छात्र ने मौलाना का आरी से गला रेता

गाजियाबाद । उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद जिले के मोदीनगर के गांव त्यौडी-13 बिस्वा में पिटाई से गुस्सा छात्र ने मौलाना का आरी से गला रेत दिया। गंभीर हालत में मौलाना को अस्पताल में भर्ती किया गया है। फिलहाल कोई तहरीर पुलिस को नहीं दी गई है। भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव त्योडी-13 बिस्वा में मदरसा हैं, जहां 8वीं कक्षा तक पढ़ाई होती हैं। यहां कक्षा छह में गांव का ही 13 वर्षीय किशोर पढ़ाई करता है। दो दिन पहले वह कक्षा में बीड़ी पी रहा था। ऐसा करते देख मौलाना आस मोहम्मद ने छात्र को टोका और पिटाई कर दी। फिर से बीड़ी नहीं पीने की चेतावनी दी। छात्र मौलाना की इस बात से भड़क गया। देर शाम वह मदरसे में गया और कमरे में सो रहे आस मोहम्मद का गला आरी से रेत दिया। मौलाना की चीख पुकार सुनकर अन्य लोग दौड़े और अस्पताल लेकर पहुंचे। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। छात्र को फिलहाल पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मौके से खून से सनी आरी मिली है।

सीएम सिद्धरमैया ने कुछ गलत नहीं किया, वह बेदाग होकर निकलेंगे : शिवकुमार

बंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कथित एमयूडीए भूमि आवंटन घोटाले के मामले में सीएम सिद्धरमैया के समर्थन में उतर आए हैं उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने कुछ गलत नहीं किया और वह बेदाग होकर बाहर निकलेंगे। शिवकुमार ने कहा कि इस मामले में सिद्धरमैया की कोई भूमिका नहीं है, हालांकि अधिकारियों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है।

शिवकुमार ने कहा कि सीएम सिद्धरमैया संलिप्तता की जांच को लेकर कोर्ट के आदेश की तामील होगी। हम आश्वस्त हैं कि सीएम सिद्धरमैया की इसमें कोई संलिप्तता नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कुछ गलत हुआ है तो यह अधिकारियों द्वारा किया गया होगा, जिसके बारे में मुझे नहीं पता लेकिन इसमें सीएम शामिल नहीं है। मैं यह बात बिल्कुल स्पष्ट कर रहा हूं। वह बेदाग निकलेंगे। यही संदेश है। शिवकुमार ने आगे कहा कि कुछ लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि सीएम सिद्धरमैया ने कुछ गलत किया है। विपक्षी दल बीजेपी और जद-एस ने सीएम सिद्धरमैया के इस्तीफे की मांग पर शिवकुमार ने कहा कि जो लोग राजनीति करते हैं, वे ऐसा करते रहेंगे लेकिन कानून और राजनीति में अंतर है। उन्होंने कहा कि कई केंद्रीय मंत्रियों के खिलाफ कई तरह की जांच चल रही हैं लेकिन वे अब भी अपने पद पर बने हुए हैं। पहले उन्हें इस्तीफा देने दीजिए, फिर हम सिद्धरमैया के इस्तीफे पर बात करेंगे।

ये लड़ाई हरियाणा नहीं बल्कि हिंदुस्तान और संविधान को बचाने की

-राहुल गांधी ने हिसार रैली में बीजेपी पर बोला सीधा हमला

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव का प्रचार जोरों पर है। सभी राजनीतिक पार्टियां पूरे जोर शोर से चुनावी रैलियां और रोड शो कर रही हैं। वहीं गुरुवार को कांग्रेस सांसद व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने करनाल के असंध में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने सभा में बीजेपी पर सीधा हमला बोला कहा कि बीजेपी ने महिला पहलवानों से सेक्शुअल हैरेसमेंट करने वालों को बचाया और एथलीट्स खत्म कर दिए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार चलाने वाले 90 लोग हैं। उसमें सिर्फ तीन दलित हैं जबकि 45 होने चाहिए। ये लड़ाई हरियाणा नहीं बल्कि हिंदुस्तान और संविधान को बचाने की है। बीजेपी ने सारी संस्थाओं को आरएसएस के हवाले कर दिया। पूरा कंट्रोल नागपुर से किया जा रहा है। करनाल रैली में राहुल गांधी, भूपेंद्र हुड्डा और कुमारी सैलजा को एकसाथ मंच पर लेकर आए। टिकट बंटवारे में अनदेखी और हुड्?डा समर्थकों के कथित जातिसूचक शब्द कहने से सैलजा नाराज चल रहीं थीं।

राहुल गांधी ने कहा कि आपको मेरी जहां भी जरूरत होगी, संसद में उसे उठाना हो, मेरा दिल का रिश्ता है, पुराना रिश्ता है। मैं झूठ नहीं बोलता, ये मोदीजी का काम है। अब हरियाणा को खड़ा होना है, क्योंकि देव जैसे जो बच्चे रो रहे हैं उनके आंसू पोछने हैं। उनको खुश करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को 90 लोग चलाते हैं, इनमें तीन दलित हैं। होने कितने चाहिए 45। बजट कितना संभालते हैं। ये हिंदुस्तान की सच्चाई है। मैंने मोदीजी के सामने कहा है कि मैं इसको पास कराऊंगा। ये बांटने का काम करते हैं। मीडिया वाले 24 घंटे लगे रहते हैं, एक जात को दूसरी जात से लड़ा दो। अडानी जी को बचा दो।

उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा में कांग्रेस स्वीप पार्टी करने जा रही है। ये जो सरकार बनने जा रही है यह पूरे हरियाणा की सरकार होगी। राहुल गांधी ने कहा-हम सिर्फ ये कह रहे हैं कि इस देश में आदिवासी कितने हैं, दलित कितने हैं, पिछड़े कितने हैं। कभी आरएसएस कहती है कि जातिगत जनगणना होनी चाहिए, कभी कहती है कि नहीं। सच्चाई यह है कि 90 फीसदी लोगों के पास कुछ है नहीं। सिर्फ 250 लोगों के पास ही पैसा है। कॉर्पोरेट इंडिया में हिंदुस्तान का एक भी व्यक्ति नहीं है। सिलेक्टेड लोग हैं। अडानी का बिजनेस है। हजारों बिजनेस उससे कनेक्टेड हैं। फैमिली बिजनेस है।

राहुल गांधी ने कहा कि ये लड़ाई हरियाणा की नहीं है। हिंदुस्तान और संविधान को बचाने की है। ये बीजेपी के लोग कर क्या रहे हैं, संविधान को मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। देश की सभी संस्थाओं को आरएसएस के हवाले कर दिया गया है, पूरा कंट्रोल नागपुर से किया जा रहा है। आप लिस्ट निकालिए। उसमें न आपको एक ओबीसी मिलेगा, न दलित मिलेगा, न आदिवासी मिलेगा। ये खोखला कर रहे हैं देश को। इलेक्शन कमीशन में अपने लोग। मीडिया में अपने लोग। बाकी हिंदुस्तान के लिए कुछ नहीं। इसलिए हमने जातिगत जनगणना की बात की है।

राहुल ने कहा कि मैं आपको शुरुआत की बात कर रहा हूं कि पहला कदम महिलाओं को 2000 रुपए हर महीने, 500 रुपए में गैस सिलेंडर, दूसरा कदम 2 लाख सरकारी नौकरी और किसानों को एमएसपी गारंटी हरियाणा की सरकार देगी। जो आपके बीमा का पैसा है, वह आपको एक दम मिलेगा। गरीबों के लिए घर, सौ गज के प्लॉट और साढ़े तीन लाख रुपए घर बनाने के लिए देंगे। तीन सौ यूनिट फ्री बिजली भी देंगे।

मंजूरी... दिल्ली में बनेगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नया हाईटेक कार्यालय

नई दिल्ली । दिल्ली अर्बन आर्ट्स कमीशन (दिल्ली शहरी कला आयोग) ने सेंट्रल दिल्ली के झंडेवालान इलाके में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नए कार्यालय के निर्माण को पूरा करने की मंजूरी दे दी है। अब इसके उद्घाटन का रास्ता साफ हो गया है। बीते 1 अगस्त की बैठक में आयोग ने दस्तावेजों की कमी का हवाला देकर एनओसी के आवेदन को खारिज कर दिया था। आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक, डीयूएसी ने 29 अगस्त को बैठक में आरएसएस के नए कार्यालय को सर्टिफिकेट देने का फैसला लिया। केशव कुंज में संघ कार्यालय के लिए दो 12 मंजिला टावरों को एनओसी दे दी गई है। इन इमारतों में मीटिंग रूम, कॉन्फ्रेंस हॉल और लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बता दें कि आरएसएस अगले साल अपनी स्थापना के 100 साल पूरे करने जा रहा है। 29 अगस्त की बैठक में इमारतों को पूरा करने के लिए ऑनलाइन प्राप्त एनओसी के प्रस्ताव की डॉक्यूमेंटेशन, ड्राइंग, फोटोग्राफ आदि के साथ जांच की गई थी। कॉम्प्लेक्स की ड्राइंग और फोटो सहित डॉक्यूमेंटेशन के आधार पर, बिल्डिंग को पूरा करने के लिए एनओसी का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया है। बता दें कि डीयूएसी ने 15 जुलाई, 2015 को भवन योजना प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी और 11 जुलाई, 2018 को अपनी बैठक में संशोधित लेआउट और भवन योजना प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई थी।

जनता का ध्यान भटकाने सरकार कर रही प्रयास

-मायावती ने योगी सरकार के होटलों पर नाम व पता लिखने वाले आदेश पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार के होटलों, रेस्तरां और ढाबों के लिए हालिया आदेश पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि यह सब जनता का ध्यान बांटने की कोशिश है। उन्होंने इसे खाद्य सुरक्षा से कम और राजनीति प्रेरित ज्यादा बताया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में आदेश दिया है, जिसमें होटलों, रेस्तरां, और ढाबों में मालिकों और मैनेजरों का नाम और पता दर्ज कराने के साथ सीसीटीवी कैमरे लगवाने को अनिवार्य किया गया है। इस मामले पर बसपा सुप्रीमों मायावती ने यूपी सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए और इस कदम को खाद्य सुरक्षा से कम और चुनावी राजनीति से ज्यादा प्रेरित बताया है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बसपा प्रमुख मायावती ने लिखा, कि यूपी सरकार द्वारा होटलों, रेस्तरां, ढाबों में मालिक, मैनेजर का नाम, पता दर्ज करना और सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य करने की घोषणा कांवड़ यात्रा के दौरान की गई कार्रवाई की तरह ही फिर से चर्चा में है। यह सब खाद्य सुरक्षा हेतु कम और जनता का ध्यान बांटने की चुनावी राजनीति ज्यादा है।

इसके साथ ही मायावती ने कहा है, कि खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने पहले ही से कड़े कानून मौजूद हैं, लेकिन सरकारी लापरवाही और मिलीभगत के कारण मिलावट का धंधा जोर-शोर से चलता रहता है। मायावती ने सवाल उठाते हुए कहा है कि क्या दुकानों पर नाम और पते दर्ज करवाने से मिलावट की समस्या का समाधान हो जाएगा? इस बीच मायावती ने तिरुपति मंदिर के लड्डू मामले पर भी चिंता व्यक्त की और इसे देशभर में लोगों की आस्था के साथ घृणित खिलवाड़ बताया है। उन्होंने राजनीति से इतर असली दोषियों पर कार्रवाई की बात भी कही है। इसके अलावा मायावती ने झारखंड के गढ़वा जिले में पुलिस हिरासत में हुई गरीब ग्रामीण की मौत पर भी गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इसे अति-गंभीर, दुखद और निंदनीय घटना करार देते हुए, सरकार से मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पांच घंटे हुई झमाझम बारिश से तरबतर हुई मायानगरी, स्कूल-कॉलेज बंद, ट्रेनें भी रद्द, 4 की मौत

मुंबई (एजेंसी)। बीते रोज मायानगरी मुंबई में करीब 5 घंटे झमाझम बारिश हुई। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण बुधवार शाम करीब 4 बजे से शुरू हुई मूसलाधार बारिश रात करीब 11 बजे तक जारी रही। बारिश के दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, जिससे कई इलाकों में जलभराव और यातायात प्रभावित हुआ। मुंबई में 5 घंटे में लगभग 200 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जिससे हालात बिगड़ गए। बारिश के कारण 4 लोगों की मौत हो गई। अंधेरी में एक महिला नाले में बह गई और कल्याण में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मध्य रेलवे पर ट्रेनों को रोकना पड़ा, कई रूट डायवर्ट किए गए और 14 फ्लाइटों को भी डायवर्ट करना पड़ा। सड़कों पर भीषण ट्रैफिक जाम हो गया और कई लोग घंटों तक सड़कों, रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर फंसे रहे।

मुंबई में भारी बारिश के कारण बीएमसी ने गुरुवार को सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा की है। मुंबई एयरपोर्ट पर आने वाली करीब 14 उड़ानों को अलग-अलग जगहों पर डायवर्ट किया गया, क्योंकि उन्हें तेज़ हवाओं और भारी बारिश के कारण लैंडिंग की अनुमति नहीं दी गई। बारिश के कारण कई ट्रेनों को भी रोकना पड़ा, जिससे भारी व्यवधान हुआ। मुंबई पुलिस ने शहर और आस-पास के इलाकों के सभी लोगों को सलाह दी है कि वे जितना हो सके घर के अंदर ही रहें। लगातार हो रही बारिश के कारण 25 सितंबर को रात 9:30 बजे ठाणे में मुंब्रा बाईपास पर लैंडस्लाइड हुआ, जिससे इलाके में 3 घंटे से ज़्यादा समय तक ट्रैफ़िक जाम रहा। शाम 5 बजे से रात 10 बजे के बीच पवई में 234 मिमी बारिश हुई, जबकि मानखुर्द में 276 मिमी बारिश हुई। इसी अवधि के दौरान घाटकोपर में 259 मिमी और विक्रोली में 186 मिमी बारिश दर्ज की गई। मुंबई के अंधेरी इलाके में कल रात तेज बारिश की वजह से 45 साल की महिला एक खुले मैनहोल में गिर गई। फायर ब्रिगेड ने देर रात महिला की लाश को मैनहोल से निकाला। महिला तेज बारिश में अपने घर जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। आईएमडी के अनुसार, 27 सितंबर तक क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुंबई के सभी स्कूल और कॉलेजों में कल गुरुवार 26 सितंबर 2024 को अवकाश घोषित कर दिया गया है। बीएमसी ने लोगों को जरुरी होने पर ही घर से निकलने की सलाह दी है।

यहां होगी भारी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम मध्य और उससे सटे उत्तर पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तटों पर बना लो प्रेशर एरिया पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ गया है। लेकिन इससे जुड़ा साइक्लोनिक सर्कुलेशन दक्षिण छत्तीसगढ़ और उसके आसपास के इलाकों में बना हुआ है। अगले 24 घंटे को दौरान मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा, दक्षिण गुजरात और गंगीय पश्चिम बंगाल में मध्यम से भारी बारिश संभव है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

इन राज्यों में हल्की बारिश होगी

पूर्वोत्तर भारत, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, तटीय कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, पंजाब के कुछ हिस्सों, उत्तरी हरियाणा, रायलसीमा और तमिलनाडु में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। जम्मू कश्मीर, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, लद्दाख, दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी गुजरात, केरल और लक्षद्वीप में हल्की बारिश संभव है।

अब्दुल्ला और राहुल गांधी की सात पीढ़ियां भी 370 वापस नहीं ला सकतीं : चौहान

जम्मू(एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जम्मू-कश्मीर में भाजपा के लिए प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी नेताओं नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के फारूक अब्दुल्ला और कांग्रेस के राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनकी पीढ़ियां भी जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकती हैं। उन्होंने कहा कि आज, मैं कहना चाहता हूं कि अब्दुल्ला और राहुल गांधी की सात पीढ़ियां भी धारा 370 वापस नहीं ला सकतीं। भाजपा की ताकतवार सरकार वहां है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने केंद्र शासित प्रदेश में कांग्रेस-एनसी गठबंधन पर रोजगार, भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। शिवराज ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर संभल रहा है, जम्मू-कश्मीर संवर रहा है और जम्मू-कश्मीर बदल रहा है। शिवराज ने आरोप लगाया कि जबसे देश आजाद हुआ, जम्मू-कश्मीर में तीन परिवारों ने राज किया। जम्मू-कश्मीर

को बुरी तरह लूटा और भेदभाव किया। उन्होंने कहा कि एनसी का मतलब नॉनसेंस कॉन्फ्रेंस और आईएनसी का मतलब इंडियन नेशनल करप्शन पार्टी है। इन्होंने जम्मू-कश्मीर को लूटा है।

शिवराज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में समाज के हर वर्ग के लोगों में भाजपा को लेकर उत्साह साफ दिख रहा है। जनता एनसी और कांग्रेस की असलियत अच्छी तरह जानती है। इसलिए वह यहां के विकास और कल्याण के लिए भाजपा के साथ है। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू कहते थे कि आरक्षण बेकार है। राहुल गांधी ने अमेरिका में कहा कि समय आने पर आरक्षण समाप्त किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में अकेले दम पर सरकार बनाने वाले अब कर रहे गठबंधन

-पूर्व सासंद स्मृति ईरानी ने उमर अब्दुल्ला और कांग्रेस पर साधा निशाना

जम्मू (एजेंसी)। बीजेपी नेता और पूर्व सासंद स्मृति ईरानी ने गुरुवार को जम्मू में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने पहले यह दावा किया था कि उनकी पार्टी अपने दम पर सरकार बनाएगी, लेकिन अब वे कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात कर रहे हैं।

ईरानी ने कहा कि बीजेपी ने शुरू से कहा है कि हम जम्मू-कश्मीर में अपने दम पर सरकार बनाएंगे। अब उमर अब्दुल्ला ने अपने पहले के बयान से अपना रुख बदल लिया है। क्या अब उन्हें अपनी हार दिखाई दे रही है? उन्होंने यह भी साफ किया कि बीजेपी ने संसद और सुप्रीम कोर्ट में राज्य का दर्जा बहाल करने की बात की है, जबकि कांग्रेस का रुख आंदोलन का है।

स्मृति ईरानी ने कहा कि धारा 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में 84 हजार करोड़ रुपए का निवेश आया है और तीन लाख युवाओं को आठ हजार करोड़ रुपए की वित्तीय मदद दी गई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को रोजगार और अन्य लाभ देने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं, जैसे कि पंडित प्रेमनाथ डोगरा रोजगार योजना और उज्ज्वला योजना।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पार्टी बांटने की नीति पर चलती है। मैं लोगों से अपील करती हूं कि वे जम्मू-कश्मीर में विकास और समृद्धि के लिए बीजेपी को वोट दें। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी की योजनाएं डिजिटल शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्रित हैं, जिसमें विशेष आर्थिक क्षेत्र योजना के तहत जम्मू को आईटी हब बनाने का वादा शामिल है।

विधवा को मेकअप की क्या जरूरत, पटना हाईकोर्ट की टिप्पणी पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक मामले की सुनवाई के दौरान पटना हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि विधवा महिला को मेकअप करने की क्या जरुरत। फिर यही मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा, जहां हाईकोर्ट की प्रश्नावाली को देखा गया। उच्चतम न्यायालय ने मेकअप सामग्री और एक विधवा के बारे में एक हाईकोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी को अत्याधिक आपत्तिजनक करार दिया।

न्यायालय 1985 के हत्या के एक मामले में पटना उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों पर विचार कर रहा था, जिसमें एक महिला का कथित तौर पर उसके पिता के घर पर कब्जा करने के लिए अपहरण कर लिया गया था और बाद में उसकी हत्या कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने मामले में पांच लोगों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था और दो अन्य सह-आरोपियों को बरी करने के फैसले को खारिज कर दिया था। न्यायालय ने दोनों व्यक्तियों को दोषी ठहराया था और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जिन्हें पहले एक निचली अदालत ने सभी आरोपों से बरी कर दिया था।न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि जांच अधिकारी ने घर का निरीक्षण किया था और कुछ मेकअप सामग्री को छोड़कर कोई प्रत्यक्ष सामग्री नहीं जुटाई जा सकी, जिससे पता चले कि महिला वास्तव में वहां रह रही थी। बेशक, एक अन्य महिला, जो विधवा थी, वह भी घर के उसी हिस्से में रह रही थी।। उच्च न्यायालय ने इस तथ्य पर ध्यान दिया था, लेकिन यह कहते हुए इसे टाल दिया कि चूंकि दूसरी महिला विधवा थी, इसलिए श्रृंगार(मेकअप) का सामान उसका नहीं हो सकता था, क्योंकि विधवा होने के कारण उसे श्रृंगार करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। अपने फैसले में कहा, हमारे विचार में, उच्च न्यायालय की टिप्पणी न केवल कानूनी रूप से असमर्थनीय है, बल्कि अत्यधिक आपत्तिजनक भी है। इस प्रकार की व्यापक टिप्पणी कानून की अदालत से अपेक्षित संवेदनशीलता और तटस्थता के अनुरूप नहीं है, विशेष रूप से तब जब रिकॉर्ड पर मौजूद किसी साक्ष्य से ऐसा साबित न हो।पीठ ने कहा कि पूरे घर में मृतक के कपड़े और चप्पल जैसी कोई भी निजी वस्तु नहीं मिली। पीठ ने कहा कि पीड़िता की अगस्त 1985 में मुंगेर जिले में मृत्यु हो गई थी और उसके रिश्तेदार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसे सात लोगों ने उनके घर से अगवा कर लिया था। पीठ ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज की गई और बाद में सात आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया।